THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 189 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.13 2081 सोमवार, 30 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तिरुपति लड्डू विवाद

3 अक्टूबर को तिरुमाला जाएंगे डिप्टी सीएम पवन कल्याण, 11 दिन से उपवास कर रहे हैं

अमरवाती, 29 सितंबर (एजेंसियां)। तिरुपति लड्डू विवाद के बीच डिप्टी सीएम पवन कल्याण 3 अक्टूबर को तिरुमाला जाने वाले हैं। पवन 11 दिन का व्रत कर रहे हैं। पवन कल्याण ने रविवार (22 सितंबर) की सुबह गुंटूर जिले के नंबूर स्थित श्री दशावतार वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रायश्चित दीक्षा ली। इस बीच तेलुगु इंडस्ट्री और विपक्षी नेताओं से चल रही जुबानी जंग के बीच यहां वे अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलें। साथ ही उन्हें संबोधित भी किया।

कांग्रेस ने वित्तमंत्री से मांगा इस्तीफा

कहा- लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक बताए जाने के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर से बीजेपी पर हमला बोला है। चुनावी बॉन्ड घोटाले के आरोप में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। अब कांग्रेस ने 'लोकतंत्र को कमजोर करने' के लिए वित्तमंत्री से इस्तीफे की मांग की है। विपक्षी दल ने समूची चुनावी बॉन्ड योजना की एसआईटी के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है।

पार्टी प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी और कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि, चुनावी बॉन्ड के जरिए धन उगाही के लिए चार तरीकों का इस्तेमाल किया गया- प्रीपेड रिश्वत, पोस्टपेड रिश्वत, छापे के बाद रिश्वत और फर्जी कंपनियों के जरिए।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बिलावर तहसील स्थित कोग-मंडली में रविवार को दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आज दोपहर एक आतंकी मारा गया है। उसका शव बरामद हो गया है।

जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस आनंद जैन ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार, 28 सितंबर को सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उन्हें तीन से चार विदेशी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। देर शाम आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसमें हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद की मौत हो गई। डीएसपी और असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर घायल हुए थे। दोनों अधिकारियों की हालत अभी स्थिर है।

कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में भी शनिवार, 28 सितंबर को एनकाउंटर हुआ। इसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। गोलीबारी में सेना के 4 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए।

तमिलनाडु कैबिनेट में बड़ी फेरबदल

एमके स्टालिन ने बेटे उदयनिधि को बनाया डिप्टी सीएम, सेंथिल बालाजी भी बने मंत्री

चेन्नई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु कैबिनेट में बड़ी फेरबदल की गई है। उदयनिधि स्टालिन को डिप्टी सीएम बनाया गया है। राज्य के सीएम एमके स्टालिन ने वी सेंथिलबालाजी, डॉ गोवी चेझियान, आर राजेंद्रन और एसएम नासर को मंत्रिपरिषद में शामिल करने की सिफारिश की है। राज्यपाल ने सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। मनोनीत मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह 29 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे राजभवन, चेन्नई में आयोजित किया जाएगा।

सीएम एमके स्टालिन के बेटे बने डिप्टी सीएम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि को शनिवार को कैबिनेट में फेरबदल के बाद उपमुख्यमंत्री बनाया गया। हाल ही में जमानत पर रिहा हुए डीएमके नेता सेंथिल बालाजी को भी रविवार को फिर से मंत्री बनाया जाएगा। के पोनमुडी को उच्च शिक्षा से हटाकर नए मंत्री चेझियन को ये विभाग दिया गया है, जबकि राजाकन्नप्पन को डेयरी विकास विभाग दिया गया है। पिछले कई दिनों से इस बात की अटकलें थीं कि डीएमके पार्टी और सरकार दोनों में उदयनिधि स्टालिन का कद बढ़ाया जाएगा। डीएमके प्रमुख एम करुणानिधि ने जिस तरह सत्ता का हस्तांतरण अपने बेटे एमके स्टालिन को किया उसी तर्ज पर अब एमके स्टालिन ने भी अपने बेटे उदयनिधि स्टालिन का कद बढ़ा रहे हैं।

उदयनिधि ने इन बातों को किया था खारिज

तमिलनाडु के मंत्री था मो अनबरसन ने गुरुवार को ही कहा था कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन को अगले 7 से 10 दिनों के भीतर तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री के रूप में घोषित किए जाने की संभावना है। हालांकि बुधवार को उदयनिधि स्टालिन ने उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों को खारिज कर दिया था। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए उदयनिधि ने पूछा था, 'ऐसा किसने कहा?' उन्होंने कहा, इसका सीएम निर्णय लेंगे, और आप इस पर निर्णय नहीं ले सकते हैं। सभी मंत्री सीएम के साथ हैं और रहेंगे। आपको इस बारे में सीएम से पूछना होगा। इस बारे में निर्णय लेना पूरी तरह से सीएम का अधिकार है।

बाथरूम में आईटी कर्मचारी को आया कार्डियक अरेस्ट, हृदयगति रुकने से मौत

नागपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी के 40 वर्षीय कर्मचारी की फर्म के कार्यालय के शौचालय में हृदयाघात से मौत हो गई। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने रविवार को एक न्यूज एजेंसी को दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सीनियर एनालिस्ट नितिन एडविन माइकल के रूप में हुई है। सोनेगांव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 7 बजे मिहान इलाके में कंपनी के कार्यालय के शौचालय में घुसने के बाद कर्मचारी बेहोश हो गया। जिसके बाद सहकर्मी उन्हें नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोनेगांव पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि व्यक्ति की मौत हृदय गति रुकने से हुई। फिलहाल पुलिस उसकी मौत के आस-पास की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

'मैं 83 साल का हूं

इतनी जल्दी नहीं मरूंगा', जम्मू कश्मीर में ऐसा क्यों बोले मल्लिकार्जुन खरगे?

श्रीनगर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कठुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे।

खरगे ने और क्या कहा?

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे। मैं 83 साल का हूं, मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं। मैं पीएम मोदी को सत्ता से हटाने तक जिंदा रहूंगा।'

पीएम मोदी ने पिछले 10 वर्षों में भारत के युवाओं को कुछ नहीं दिया: खरगे

खरगे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कभी चुनाव नहीं कराना चाहते थे। अगर वे चाहते तो एक-दो साल में ही ऐसा कर लेते। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन्होंने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी। वे चुनाव तो चाहते ही थे। वे उपराज्यपाल के माध्यम से रिमोट-नियंत्रित सरकार चलाना चाहते थे। पीएम मोदी ने पिछले 10 वर्षों में भारत के युवाओं को कुछ नहीं दिया। क्या आप उस व्यक्ति पर विश्वास कर सकते हैं जो 10 वर्षों में आपकी समृद्धि वापस नहीं ला सकता? अगर कोई भाजपा नेता आपके सामने आए तो उनसे पूछना कि वे समृद्धि लाए या नहीं।'

जमैका के प्रधानमंत्री आधिकारिक यात्रा पर आज आएंगे भारत

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर जमैका के प्रधानमंत्री डॉ। एंड्रयू होलनेस 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। यह उनकी और जमैका के किसी प्रधानमंत्री की भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री डॉ। होलनेस बहुपक्षीय बैठकों के दौरान कई बार मिल चुके हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री डॉ। होलनेस प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। डॉ। होलनेस भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा प्रधानमंत्री होलनेस को अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मिलने, व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत करने का अवसर भी प्रदान करेगी।

नागपुर में जुए के अड्डे पर छापा, 12 गिरफ्तार, 3.6 लाख रुपये नकद जब्त, दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

नागपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में पुलिस ने एक जुए के अड्डे पर छापा मारा। इस चापेमारी में उन्होंने 3.6 लाख रुपये नकद और अन्य सामान जब्त करने के साथ 12 लोगों को गिरफ्तार भी किया। एक अधिकारी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छापेमारी के बाद दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। क्षेत्र में अवैध गतिविधि के खिलाफ उचित कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए एक अन्य पुलिसकर्मी का ट्रांसफर कर दिया गया। नागपुर ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक सूचना के आधार पर सहायक पुलिस अधीक्षक अनिल महास्के और उनकी टीम ने गुरुवार को आमगांव इलाके में जुए के अड्डे पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने जुए खेलते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उन्होंने 3.62 लाख रुपये से अधिक नकद, तीन कारें, पांच दोपहिया वाहन, कई मोबाइलफोन और अन्य सामान जब्त किया। इन चीजों की कुल कीमत 17.89 लाख रुपये बताई गई है। छापेमारी के बाद पुलिस अधीक्षक डॉ। हर्ष पोद्दार ने पुलिस की लापरवाही का पता लगाने के लिए एक आंतरिक जांच शुरू की। जांच में मालूम चला कि क्षेत्र की देखरेख के लिए जिम्मेदार इंस्पेक्टर प्रशांत काले उचित कार्रवाई करने में विफल रहे थे। काले को नागपुर ग्रामीण पुलिस कंट्रोल रूम में ट्रांसफर किया गया। वहीं, बीट इन-चार्ज गजानन माहुरे और स्थानीय अपराध शाखा के कांस्टेबल रोशन काले को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस जुए के अड्डे को गुंडा रमेश बरगट चला रहा था। यहां सिवनी, बालाघाट (मध्य प्रदेश), रामटेक, कुही, कैम्पटी और देवलापार (नागपुर में) से जुआरी आते थे।

'ग्रेट निकोबार'' प्रोजेक्ट पर कांग्रेस बोली

पारिस्थितिकी विनाश लाने पर तुली है मोदी सरकार

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार' द्वीप अवसंरचना परियोजना को लेकर पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरियों की पुनः समीक्षा करने के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की संरचना ही पक्षपातपूर्ण है और उसने कोई सार्थक पुनर्मूल्यांकन नहीं किया। रमेश ने इस बात पर भी ''गंभीर चिंता'' व्यक्त की कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा उसके समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं पर विचार-विमर्श किए जाने के बावजूद 'इच्छा की अभिव्यक्ति' (ईओआई) आमंत्रित की जा रही है।

यादव को लिखे अपने पत्र में रमेश ने परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरियों की पुनः समीक्षा करने के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की विश्वसनीयता, संरचना और निष्कर्षों पर भी सवाल उठाया। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा, ''यह भी गंभीर चिंता का विषय है कि जब एनजीटी अपने समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं पर विचार-विमर्श कर रहा है, तो एएनआईआईडीसीओ (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम लिमिटेड) ने पहले ही 'इच्छा की अभिव्यक्ति' आमंत्रित कर ली है जो जैव विविधता से संपन्न लगभग 65 वर्ग किलोमीटर के जंगलों को साफ करने की दिशा में कदम है। मेरा मानना है कि भारत सरकार हमारे देश में पारिस्थितिकी और मानवीय आपदा लाने पर तुली है।''रमेश ने उन मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया जिनमें कहा गया है कि मंत्रालय ने एनजीटी की पूर्वी क्षेत्र पीठ के समक्ष एक जवाबी हलफनामा दायर किया है जिसमें उसने कहा है कि ग्रेट निकोबार बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए दी गई मंजूरी में द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र (आईसीआरजेड) अधिसूचना, 2019 का उल्लंघन नहीं किया गया है और परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी देने पर फिर से विचार करने के एनजीटी के आदेशों का अनुपालन किया गया है।

'सौतेले भाइयों' से सावधान रहें, किसी में ताकत नहीं कि लाडकी बहिन योजना को बंद कर दे: शिंदे

नासिक, 29 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' को बंद करने की ताकत किसी में नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए महिला लाभार्थियों से कहा सावधान रहें। सीएम शिंदे ने कहा कि अगर सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार फिर से सत्ता में आती है तो 1,500 रुपये की मासिक राशि बढ़ा दी जाएगी। यहां 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे स्मृति उद्यान' के उद्घाटन कार्यक्रम में शिंदे ने महिला लाभार्थियों से उन 'सौतेले भाइयों' (विपक्ष के संदर्भ में) से सावधान रहने को कहा, जो योजना को बंद करने के लिए बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''योजना जारी रहेगी। लाडकी बहिन योजना को रोकने की ताकत किसी में नहीं है। मैंने अपनी बहनों से कहा है। 'सौतेले भाइयों' से सावधान रहें, क्योंकि वे पहले दिन से ही बाधा डाल रहे हैं।

उन्होंने योजना को रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। यह भाई केवल 1,500 रुपये पर नहीं रुकेगा। हम धनराशि बढ़ाएंगे।'' उन्होंने कहा कि वह सभी 'प्यारी बहनों' को लखपति बनाना चाहते हैं। शिवसेना और अपने पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए शिंदे ने कहा कि विपक्ष दावा करता है कि 'लाडकी बहिन' योजना के तहत दी गई 1,500 रुपये की राशि कम है, लेकिन जब वे सत्ता में थे तो उन्होंने यह राशि भी नहीं दी।

5 साल बाद हर अग्निवीर को मिलेगी पेंशन वाली नौकरी

अमित शाह ने राहुल को बताया झूठ बोलने की मशीन

गुरुग्राम, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के बादशाहपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राहुल बाबा झूठ बोलने की मशीन हैं। उनका कहना है कि अग्निवीर योजना इसलिए लाई गई है क्योंकि सरकार उन्हें पेंशन वाली नौकरी नहीं देना चाहती। अग्निवीर योजना सिर्फ हमारी सेना को जवान बनाए रखने के लिए बनाई गई है। शाह ने कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अपने बेटों को सेना में भेजने से पहले संकोच ना करें। 5 साल बाद कोई अग्निवीर बिना पेंशन वाली नौकरी के नहीं रहेगा। इसके बारे में किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा में एक नया चलन देख रहा हूं। हथीन से थानसेसर तक और थानसेसर से पलवल तक, कांग्रेस के मंचों पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए जा रहे हैं।

'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे पर राहुल चुप क्यों?

शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी ने पूछना चाहता हूं कि जब काग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगा रहे हैं तो आप चुप क्यों हैं? कांग्रेस तुष्टीकरण में अंधी हो गई है। कश्मीर हमारा है या नहीं? कांग्रेस और राहुल बाबा कहते हैं कि हम धारा 370 वापस लाएंगे। यहां तक कि राहुल गांधी की तीन पीढ़ियां भी धारा 370 वापस नहीं ला सकतीं। हरियाणा के युवाओं ने कश्मीर की रक्षा के लिए बहुत बलिदान दिया है और हम इसे व्यर्थ नहीं जाने देंगे। शाह ने आगे कहा कि इस वक्फ बोर्ड के कानून से बहुत दिक्कत है ना इस शीत सत्र में हम इसको ठीक करने का काम करेंगे। बता दें कि हरियाणा में 5 अक्टूबर को मतदान है। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में वोटिंग होगी। 8 को नजीते घोषित किए जाएंगे।

राजा भोज एयरपोर्ट पर एक अक्टूबर से 24 घंटे ऑपरेशन, नाइट में भी आ-जा सकेगी फ्लाइट

भोपाल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट एक अक्टूबर से 24 घंटे खुला रहेगा। अब यहां रात भी सभी सुविधाएं मिलेंगी। एयरपोर्ट प्रशासन ने 24 घंटे एयरपोर्ट शुरू करने की सभी तैयारी पूरी कर ली है। अभी भोपाल एयरपोर्ट सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही खुला रहता है। रात 11 बजे एयरपोर्ट को पूरी तरह बंद कर दिया जाता है। मध्य प्रदेश में अभी सिर्फ इंदौर एयरपोर्ट में ही रात में संचालन होता है। अब प्रदेश में नाइट ऑपरेशन शुरू होने वाला भोपाल दूसरा एयरपोर्ट बन जाएगा। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि नाइट में एयरपोर्ट का संचालन होने से फ्लाइट की संख्या के साथ ही यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होगा।

सीट बंटवारे को लेकर रामदास अठावले ने बीजेपी को लिखी चिट्ठी, कर दी 12 सीटों की मांग

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आरपीआई नेता और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के सामने अपनी मांग रख दी है। अठावले ने महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को चिट्ठी लिखी है जिसमें 12 सीटें मांगी हैं। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीट है। यहां एनडीए की सहयोगी पार्टियां बीजेपी,एनसीपी, शिवसेना और आरपीआई साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगी। टिकट बंटवारे पर अभी चर्चा चल रही है। रामदास आठवले की पार्टी आरपीआई ने चिट्ठी लिखकर मुंबई की कुछ सीटों पर भी दावेदारी की है। इनमें शिवाजीनगर, मलाड और धारावी शामिल है। कुछ दिन पहले अठावले का बयान आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि हमें कम से कम 10-12 सीटों पर लड़ने का मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरपीआई विदर्भ में तीन से चार सीटें मांगेगी।

धारावी और मलाड में कांग्रेस, शिवाजीनगर सीट पर बीजेपी का कब्जा

मुंबई में कुल 36 विधानसभा सीटें हैं। शिवाजीनगर विधानसभा सीट से बीते दो चुनाव से बीजेपी का दबदबा है। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि बीजेपी यह सीट आरपीआई को देती है या नहीं। वहीं, मलाड पश्चिम सीट पिछले तीन चुनाव से कांग्रेस जीतती आ रही है। यहां से असलम शेख 15 वर्षों से विधायक हैं। धारावी पर भी कांग्रेस का दबदबा रहा है। 2004 से यह सीट कांग्रेस के पास है।

महायुति में 80 सीटों पर चल रही बातचीत

सत्तारूढ़ महायुति में अब तक सीटों के बंटवारे की फाइनल तस्वीर सामने नहीं आई है। गठबंधन के घटक दल ने 80 सीटों पर दावेदारी की है। बीते दिनों मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशीष शेलार ने जानकारी दी थी कि केवल 80 सीटों पर चर्चा बाकी रह गई है। क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास पहले से ही 208 विधानसभा सीट है जिनपर चर्चा की कोई जरूरत नहीं है। आशीष शेलार के बयान के बाद भी महायुति में सीट साझेदारी पर सस्पेंस बरकरार है।

मैहर में बड़ा हादसा, डंपर और बस की टक्कर में 9 लोगों की मौत, 20 घायल

भोपाल 29 सितंबर (एजेंसियां)। मप्र के मैहर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। यात्रियों को लेकर जा रही एक बस की डंपर से टक्कर हो गई। इस हादसे के बाद बस में सवार 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं 20 लोग अभी घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि प्रयागराज से यात्रियों को लेकर बस नागपुर जा रही थी, इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी डंपर से बस की टक्कर हो गई, जिससे ये हादसा हुआ। घटना के बारे में जानकारी देते हुए मैहर के एसपी सुधीर अग्रवाल ने बताया, ''एक स्लीपर बस प्रयागराज से नागपुर जा रही थी। जब वह देहात थाना क्षेत्र के पास पहुंची तो सड़क पर खड़े पत्थरों से लदे ट्रक से टकरा गई। टक्कर काफी भीषण थी, जिससे बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और बस क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। हमने तुरंत बचाव अभियान चलाने के लिए अपनी टीम को बुलाया। फंसे हुए सभी लोगों को बचा लिया गया। हादसे के बाद 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि लगभग 23 लोग घायल थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

क्या रोहित पवार होंगे महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री चेहरा?

शरद पवार के बयान के बाद सियासी हलचल तेज

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कभी भी हो सकती है। 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2019 की तुलना में बिलकुल अलग राजनीतिक पिच पर खेला जा रहा है। इस बीच महाविकास अघाड़ी के मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, इसको लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं एनसीपी शरद चंद्र पवार पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के संकेत के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है।

दरअसल, खुद मुख्यमंत्री बनने की कहानी बताते हुए उन्होंने कहा, ₹विधायक के रूप में मेरे पांच साल के बाद मुझे सत्ता की एक नहीं बल्कि दूसरी सीट मिली। मैं गृह राज्य मंत्री बना, कृषि मंत्री बना, शुरुआती दिनों में राज्य मंत्री रहा। वसंत दादा के निधन के बाद मैं खुद मुख्यमंत्री बना। एक बार ही नहीं, बल्कि चार बार मुख्यमंत्री बना।₹ इस घटनाक्रम को बताने के बाद उन्होंने रोहित पवार के मंत्री बनने को लेकर सांकेतिक बयान दिया।

रोहित पवार होंगे मुख्यमंत्री पद के दावेदार?

एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने आगे कहा कि रोहित ने पांच साल महाराष्ट्र की सेवा की। वे आगे भी अपनी सेवा महाराष्ट्र के इतिहास में दर्ज करवाते रहेंगे। शरद पवार ने अपना राज्य मंत्री से मुख्यमंत्री तक का सफर बताया। जिसको लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही है कि शरद पवार ने बातों-बातों में रोहित पवार का मुख्यमंत्री पद तक का सफर तय कर दिया है।

बता दें कि शरद पवार रोहित पवार के निर्वाचन क्षेत्र जामखेड तालुका के खारदा में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन और समर्पण समारोह में पहुंचे थे, जहां उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। पवार के बयान चर्चाएं तेज हो गई है कि क्या शरद पवार के बाद एनसीपी (एसपी) से रोहित पवार मुख्यमंत्री पद के दावेदार होंगे। इससे पहले जामखेड तालुका में सीआरपीएफ केंद्र का उद्घाटन विवादों में आ गया था। एनसीपी शरद पवार गुट के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच यहां नोकझोंक हुई थी। केंद्र के बाहर पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई थी।

रोहित पवार के कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और पूर्व विधायक राम शिंदे के खिलाफ नारे लगाए थे। जिसपर बीजेपी नेता राम शिंदे ने एक ट्वीट कर रोहित पवार पर निशाना साधा था।राम शिंदे ने ट्वीट किया कि चूंकि शरद पवार पिछले पचास-साठ साल से देश की राजनीति में हैं। वह शिष्टाचार को अच्छी तरह से जानते हैं, उनके पोते ने एसआरपीएफ कुसडगांव केंद्र में जो किया वो सही था या गलत?

पंजाब के बटाला में तेंदुआ सीसीटीवी में कैद हुआ दहशत में लोग

बटाला, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बटाला के नजदीकी कस्बा कादियां में तेंदुआ दिखाई दिया है। तेंदुआ के दिखाई देने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। तेंदुआ सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है, जिसके बाद जंगलात विभाग ने क्षेत्र में तेंदुआ होने की पुष्टि की है। विभाग की तरफ से लोगों से सर्तक रहने की अपील की गई है। वहीं, जंगलात विभाग की तरफ से तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जल्द तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा। हरचोवाल रोड पर स्थित कॉलोनी के रहने वाले हलीम अहमद ने बताया कि दो दिन पहले वे पत्नी के साथ कहीं जाने के लिए कार में बैठ रहे थे। तभी अचानक सड़क की एक तरफ से झाड़ियों में से एक तेंदुए जैसा जानवर निकला। वह जानवर सड़क पार कर दूसरी तरफ झाड़ियों में चला गया। हलीम अहमद ने आसपास के लोगों को बताया, लेकिन उसके बाद जानवर नहीं दिखा। उसने जंगलात विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। वहीं, सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद जंगलात विभाग ने उसी क्षेत्र में तेंदुआ होने की पुष्टि की है।

'बीजेपी की इलेक्शन एजेंट है ईडी'

जबरन उगाही का आरोप लगाते हुए संजय राउत ने निर्मला सीतारमण पर भी साधा निशाना

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ चुनावी बॉन्ड के जरिए उगाही करने का आरोप लगाया है। इस शिकायत पर सुनवाई करते हुए बेंगलुरु की एक विशेष लोक अदालत ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इस मामले को लेकर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि ईडी, भारतीय जनता पार्टी की इलेक्शन एजेंट है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने ईडी पर निशाना साधते हुए कहा, यह भारतीय जनता पार्टी की इलेक्शन एजेंट है। बीजेपी के खाते में जो पैसा जाता है, वह ईडी के माध्यम से जाता है। ईडी एक भ्रष्ट संस्था है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऊपर जो मामला दर्ज किया गया है, वह क्यों है? पैसा अवैध तरीके से जमा किया गया है, जिसे हम रंगदारी कहते हैं। उन्होंने कहा, ईडी को टारगेट दिया जाता है कि आप पैसा जमा कर लो। हमारे मामले में भी यही हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय के कुछ अधिकारी ऐसे हैं। जिनसे सिर्फ यही काम दिया गया है। एक ऐसा ही व्यक्ति था। जिसका नाम जीतू एलानी है, उसने हमें सबूत भी दिए थे कि वह किस तरीके से प्रवर्तन निदेशालय के लिए काम करता था। हमने एसआईटी की स्थापना की थी, लेकिन देवेंद्र फडणवीस के आने के बाद एसआईटी बंद कर दी गई।

धमका कर पैसा जमा करती है ईडी

उन्होंने आगे कहा कि ईडी धमकाकर पैसा जमा करती है। एक बड़े अफसर हैं, जिनका नाम सत्य है। राजेश्वर सिंह अब वह बीजेपी के एमएलए हैं। अगर आप इनका रिकॉर्ड देखेंगे तो सभी ने प्रवर्तन निदेशालय के लिए पैसा जमा किया है। एक व्यक्ति है जो जेल में है उसका नाम रोमी भगत है। उसने तो मुंबई और देश में प्रवर्तन निदेशालय के नाम पर दुकान खोला था। उसमें बीजेपी के बड़े नेता शामिल है और अब वह जेल में है। शिवसेना यूबीटी के नेता ने कहा, अगर आप इतिहास देखेंगे तो प्रवर्तन निदेशालय के लोग ही ज्यादा वसूली कर रहे हैं। इस समय सबसे ज्यादा सबसे ज्यादा भ्रष्ट प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई है। इसके लिए जिम्मेदार हमारे प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री हैं।

अवैध रूप से इंजेक्शन बेचने वाला गिरोह पकड़ाया

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलगुडा पुलिस ने इंजेक्शन बेच रहे 4 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से मेफेन्टरमाइन सल्फेट 30 मिलीग्राम इंजेक्शन की 18 शीशियां जब्त कीं। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद नवाज, मोहम्मद अब्दुल वली, अहमद नाहादी और मतीन शामिल हैं, जो सभी बंडलागुड़ा के निवासी हैं। बंडलागुड़ा इंस्पेक्टर के सत्यनारायण ने कहा कि गिरोह कूरियर के जरिए ऑनलाइन पोर्टल से इंजेक्शन खरीदता था और नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचता था। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें रिमांड पर ले लिया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 189 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.13 2081 सोमवार, 30 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीरिया में एयर स्ट्राइक में मारे गए 37 आतंक

अमेरिका ने बयान जारी कर दावा किया

वॉशिंगटन, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरिया में अमेरिका ने हवाई हमला किया। इसमें इस्लामिक स्टेट समूह और अल-कायदा से जुड़े 37 आतंकी मारे गए। अमेरिका की सेना ने दावा किया कि आतंकियों के कई ठिकानों पर हमले किए गए।

यूएस सेंट्रल कमांड के मुताबिक अमेरिका ने उत्तर-पश्चिमी सीरिया पर हमला किया। इसमें अल-कायदा से जुड़े हुर्रस अल-दीन समूह के शीर्ष नेता और आठ अन्य को निशाना बनाया गया। इन आतंकियों पर सैन्य अभियानों की निगरानी का जिम्मा था। इसके साथ ही मध्य सीरिया में आईएस के प्रशिक्षण शिविर पर हवाई हमला किया गया।

तीन संशोधन विधेयक लाने की तैयारी में मोदी सरकार

संविधान में करने होंगे 18 बदलाव

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरूआत में उच्च स्तरीय पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमेटी की 'वन नेशन-वन इलेक्शन' सिफारिशों को मंजूरी दी। सरकार अब अपनी इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। सरकार वन नेशन-वन इलेक्शन को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने वाले दो विधेयकों समेत तीन विधेयकों को लाने की तैयारी में है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक स्थानीय निकायों के चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ संरेखित करने से संबंधित है। जिसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों की सहमति की जरूरत होगी। सूत्रों की ओर से कहा गया है कि, प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने को लेकर होगा।

लोकसभा और विधानसभाओं को भंग करने वाला संशोधन विधेयक

उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक में अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने की कोशिश की जाएगी। जिसमें 'नियत तिथि' से संबंधित उप-खंड (1) जोड़ा जाएगा। इसमें अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) जोड़ने की भी कोशिश की जाएगी। जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के

अंत से संबंधित है।

इस संविधान संशोधन में अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने तथा लोकसभा की अवधि और विघटन से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें विधानसभाओं के विघटन से संबंधित प्रावधान भी शामिल किए गए हैं तथा अनुच्छेद 327 में संशोधन करके "एक साथ चुनाव" शब्द सम्मिलित करने का प्रावधान किया जा सकता है। सिफारिश में कहा गया है कि इस विधेयक को 50 प्रतिशत राज्यों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं के समर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि यह राज्य मामलों से संबंधित है।

>14

इजरायल पर शांति स्थापित करने का दबाव बनाएं पीएम मोदी : उमर अब्दुल्ला

बारामूला, 29 सितंबर (एजेंसिया)। इजरायली सेना के द्वारा की गई बमबारी में हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह और उसकी बेटी की मौत हो गई है। इसे लेकर भारत में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने दुख जताते हुए अपनी चुनावी रैली को रद्द कर दिया था। इसे लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि महबूबा मुफ्ती की चुनावी रैली रद्द होने पर मेरी कोई निजी राय नहीं होगी। हमने पिछले एक साल से इजरायल द्वारा लगातार की जा रही बमबारी और बल प्रयोग की निंदा की है। हमने कई बार इसका विरोध किया है। दुनिया को इजरायल पर दबाव बनाना चाहिए। पिछले एक साल से लगातार निर्दोष लोगों की हत्या कर रहा इजरायल इसे बंद कर दे। चाहे हमला गाजा में हो रहा हो या लेबनान में, सब बंद होना चाहिए। कल जिस तरह की घटना हुई उसके बाद ऐसा लग रहा है कि पूरे क्षेत्र में युद्ध के बादल छाए हुए हैं। भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अन्य देशों के नेताओं को इजरायल पर दबाव बनाकर वहां शांति स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए।

राहुल गांधी ने बताई शक्ति अभियान की खासियत

कहा- राजनीति में समानता और न्याय के लिए महिलाओं की जरूरत

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को कांग्रेस के शक्ति अभियान के बारे में महिलाओं को जानकारी दी। राहुल गांधी ने कहा कि राजनीति में सच्ची समानता और न्याय के लिए महिलाओं की अधिक आवश्यकता है। जो महिलाएं राजनीति में बदलाव लाना चाहती हैं, वे शक्ति अभियान का हिस्सा बनें। इसके जरिये वह महिलाओं के हित के लिए समान स्थान बना सकती हैं।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि एक साल पहले हमने राजनीति में महिलाओं की आवाज को बढ़ाने के लिए मिशन के साथ इंदिरा फ़ेलोशिप शुरू की थी। यह पहल अब महिला नेतृत्व के लिए एक शक्तिशाली आंदोलन बन गई है। सच्ची समानता और

न्याय के लिए राजनीति में अधिक महिलाओं की आवश्यकता है। मिशन आधी आबादी, पूरा हक इस मुद्दे के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं उन सभी महिलाओं से आग्रह करता हूं जो वास्तविक बदलाव लाने के लिए उत्साहित हैं, वे शक्ति अभियान में शामिल हों और महिला केंद्रित राजनीति में सक्रिय भागीदार बनें। इसमें शामिल होकर आप मजबूत जमीनी स्तर के संगठनों के निर्माण और सार्थक बदलाव लाने में योगदान दे सकती हैं।

उन्होंने कहा कि एक साथ मिलकर हम गांवों से लेकर पूरे देश तक बदलाव ला सकते हैं बता दें कि शक्ति अभियान भारतीय युवा कांग्रेस की एक पहल है। इसका उद्देश्य राजनीति और निर्णय लेने में महिला हितों के लिए समान स्थान बनाना है, जो शासन के सभी स्तरों पर 'महिलाओं द्वारा महिलाओं के प्रतिनिधित्व' से प्रेरित है। वहीं इंदिरा फ़ेलोशिप पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सम्मान में राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की आवाज को बढ़ाने और हमारे समाज में एक बहुत जरूरी परिवर्तन लाने की पहल है।

वर्धमान ग्रुप के मालिक से 7 करोड़ ठगे

सुप्रीम कोर्ट के प्रॉपर्टी सीलिंग- गिरफ्तारी के फर्जी ऑर्डर-वारंट दिखाकर डराया, पद्मभूषण से सम्मानित हैं ओसवाल

लुधियाना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मशहूर टैक्सटाइल-स्पिनिंग कंपनी वर्धमान ग्रुप के चेयरमैन एसपी ओसवाल से 7 करोड़ की ठगी हो गई। ठगी करने वालों ने सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के नाम पर उन्हें गिरफ्तारी और बदनामी का डर दिखाया। उन्हें प्रॉपर्टी सीलिंग और अरेस्ट करने के फर्जी वारंट भेजे। जिसके बाद उनसे रकम ले ली। जब एसपी

ओसवाल को ठगी की भनक लगी तो उन्होंने लुधियाना पुलिस को शिकायत दे दी। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज करते हुए एक ठग को गिरफ्तार कर लिया है।

वर्धमान ग्रुप के मालिक एसपी ओसवाल को साल 2010 में केंद्र सरकार की तरफ से पद्म भूषण अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। वर्धमान ग्रुप देश की नामी कंपनियों में से एक है। आज इंडिया के अलावा इस ग्रुप की विदेशों में भी कई ब्रांच हैं।

>14

'पश्चिम बंगाल में बाढ़ की अनदेखी कर रही केंद्र सरकार'

सीएम ममता बनर्जी ने लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि उत्तर बंगाल के जिलों में बाढ़ की स्थिति को गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से मदद नहीं मिल रही है।

पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार इस संकट का सामना युद्ध स्तर पर कर रही है। उन्होंने कहा, उत्तर बंगाल बाढ़ की चपेट में है। कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जैसे जिले प्रभावित हैं। कोशी नदी के जलग्रहण वाले क्षेत्रों में भारी बारिश का कूचबिहार, मालदा और दक्षिण दिनाजपुर के कुछ इलाकों पर भी असर पड़ेगा।

बनर्जी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह राज्य को इस आपदा से निपटने में मदद करने में अपनी भूमिका नहीं निभा रही है। उन्होंने कहा, केंद्र ने फरक्का बैराज के रखरखाव का कार्य नहीं किया है और इसकी जल ग्रहण क्षमता काफी हद तक कम हो गई है। इसके बारे में हमने बार-बार उन्हें (केंद्र) याद दिलाया है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नेता केवल चुनाव के समय पश्चिम बंगाल का दौरा करते हैं। लेकिन जब संकट आता है तो वे राज्य को भूल जाते हैं। सिर्फ बंगाल को ही बाढ़ राहत की निधियों से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बाढ़ के संकट का सामना करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है और नदी के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए एक जनसंचार प्रणाली शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव को उत्तर बंगाल भेजा है और शाम पांच बजे सिलिगुड़ी में एक प्राशसनिक बैठक होगी।

एंटीबायोटिक्स बेअसर होने से इलाज महंगा हुआ

नई मेडिसिन 10 गुना तक महंगी, निमोनिया-ब्लड इंफेक्शन जैसी बीमारियों में खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बीमारी से जल्दी राहत दिलाने वाली एंटीबायोटिक्स दवाएं अब इलाज में दम तोड़ने लगी हैं। सीसीयू और वेंटिलेटर वाले 257 मरीजों में कॉमन एंटीबायोटिक्स बेअसर हो चुकी हैं। 2-57 बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक्स ने काम करना लगभग बंद कर दिया है।

पिछले दिनों इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की रिपोर्ट में ये चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस सर्विलांस नेटवर्क की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे यूरिनरी ट्रैक इंफेक्शन, निमोनिया, टाइफाइड और ब्लड इंफेक्शन जैसी बीमारियों में ये बेअसर हो रही हैं।

दिल्ली एम्स के आपातकालीन विभाग के प्रमुख प्रो. राकेश यादव और मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एडिशनल प्रोफेसर नीरज निश्चल से इसके खतरों में बारे में विस्तार में जाना। प्रो. राकेश यादव ने बताया कि एंटी

बायोटिक्स बेअसर होने से मरीजों को हाई एंटीबायोटिक्स दवा दी जा रही है। ये न सिर्फ आठ से 10 गुना महंगी हैं, बल्कि मरीजों का हॉस्पिटल स्टे बढ़ जाता है, जिससे इलाज काफी महंगा हो जाता है।

यदि एंटीबायोटिक्स को नियंत्रित नहीं किया गया तो 2050 से हर साल करीब 20 लाख लोगों की मौत एंटीबायोटिक्स रेजिस्टेंस से हो सकती हैं। वहीं, 80 लाख से अधिक मौतें दवाओं के रेजिस्टेंस संबंधी बीमारियों से हो सकती हैं।

सर्दी-जुकाम में भी ले रहे एंटीबायोटिक्स, जो बिल्कुल गैरजरूरी :

मामूली सर्दी, खांसी और जुकाम में भी एंटीबायोटिक्स दे दी जाती है, जबकि इन बीमारियों में आमतौर पर इसकी कोई जरूरत ही नहीं होती है। एंटीबायोटिक्स की पूरी डोज नहीं लेने पर भी उससे रेजिस्टेंस का खतरा पैदा हो सकता है।

एंटीबायोटिक्स दवा एक्सपायर हो जाने के बाद खुले में फेंक देने पर भी वातावरण से उस बैक्टीरिया के खिलाफ शरीर में रेजिस्टेंस का खतरा है। लिहाजा एंटीबायोटिक्स के इस्तेमाल के साथ-साथ उसके डिस्पोजल के लिए भी सरकार को स्पष्ट नीति बनानी होगी। अभी हमारे देश में डिस्पोजल को लेकर किसी तरह के कोई सख्त दिशा-निर्देश तय नहीं हैं।

डॉ. नीरज निश्चल कहते हैं, जितनी एंटीबायोटिक्स बेअसर हो रही हैं, उसकी तुलना में बेहद कम नई एंटीबायोटिक्स आ रही हैं। दरअसल, ह्यूमन और बैक्टीरिया दोनों में सर्वाइवल की लड़ाई चल रही है।

तेलंगाना विरासत सप्ताह, बतुकम्मा समारोह की घोषणा

3 से 11 अक्टूबर तक तेलंगाना विरासत सप्ताह घोषित

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और विरासत की एक अनूठी स्वीकृति में, संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना राज्य के चार्लोट शहर ने आधिकारिक तौर पर बतुकम्मा त्योहार को मान्यता दी है और 3 से 11 अक्टूबर तक तेलंगाना विरासत सप्ताह घोषित करने के अलावा इस कार्यक्रम को मना रहा है। चार्लोट के मेयर वी अलेक्जेंडर लाइल्स ने वास्तव में इस आशय की एक घोषणा जारी की, जिसमें बताया गया कि तेलंगाना लंबे समय से विविध भाषाओं और संस्कृतियों का घर रहा है और यह 'भारत की बहुलता और समावेशिता की आधारशिला' के रूप में खड़ा है, तेलंगाना राज्य का इतिहास लगभग 5,000 साल पुराना है और इसमें भारत की कई कलाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म प्रदर्शित होते हैं।

झीलों को संरक्षित नहीं किया गया तो हैदराबाद में बाढ़ का खतरा : भट्टी

डिप्टी सीएम ने "मीट एंड ग्रीट" कार्यक्रम में कहा

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने चिंता व्यक्त की है कि यदि शहर की झीलों को संरक्षित करने के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो हैदराबाद में भी हाल ही में विजयवाड़ा जैसा बाढ़ संकट आ सकता है। स्थानीय महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से दक्षिणी कैलिफोर्निया तेलुगु समुदाय द्वारा आयोजित "मीट एंड ग्रीट" कार्यक्रम में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने निर्माण के लिए झीलों के किनारों पर अतिक्रमण की खतरनाक दर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नदी के किनारों पर घर बनाए जा रहे हैं और अगर इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि "हैदराबाद तबाही की ओर बढ़ रहा है", उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि बिल्डर बड़े पैमाने पर निर्माण करने के लिए गरीबों का इस्तेमाल करके स्थिति का फायदा उठा रहे हैं। भट्टी ने जोर देकर कहा कि न

केवल धन, बल्कि लोगों के जीवन की रक्षा करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। विक्रमार्क ने बताया कि सरकार की पहल के तहत, भविष्य की पीढ़ियों के लिए झीलों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सैकड़ों झीलें पहले ही गायब हो चुकी हैं और आगे किसी भी निर्माण को रोकना जरूरी है। इसके अलावा, सरकार पानी की गुणवत्ता में सुधार करके और इसके किनारों पर पार्क बनाकर मूसी नदी को फिर से जीवंत करने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि मूसी पुनरुद्धार परियोजना के तहत विस्थापित परिवारों को पूरी जानकारी दी जा रही है और उन्हें डबल बेडरूम वाले घर, उनके बच्चों के लिए शिक्षा के अवसर और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा रही है। विक्रमार्का ने कहा, सरकार का अंतिम लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ये परिवार स्वस्थ वातावरण में रहें। उन्होंने बताया कि किसी को भी प्रदूषित मूसी नदी के किनारे नहीं रहना चाहिए और इसे साफ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार के इस रुख को दोहराते हुए कि फुल टैंक लेवल (एफटीएल) क्षेत्रों में अवैध रूप से बनाए गए घरों को ध्वस्त किया जा रहा है और बफर जोन के बारे में निर्णय अभी भी लंबित हैं, विक्रमार्का ने यह स्पष्ट किया कि सरकार उन लोगों को डबल बेडरूम वाले घर दे रही है जिन्होंने मूसी नदी के किनारे घर बनाए हैं, उन्होंने कहा कि वहां रहना उनके स्वास्थ्य और कल्याण दोनों के लिए हानिकारक है।

लोन ऐप पर उत्पीड़न के कारण युवक ने की आत्महत्या

वारंगल, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऋण ऐप एजेंटों के उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ, एक 29 वर्षीय व्यक्ति ने रविवार को हनुमानकोंडा जिले के भीमादेवरपल्ली मंडल के मुल्कनूर गांव में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। रिपोर्ट के अनुसार मुल्कनूर में फास्ट फूड आउटलेट चलाने वाले मदुगुला अनिल ने एक ऑनलाइन लोन ऐप से 9 लाख रुपये उधार लिए थे।

हालांकि, पिछले महीने वह आर्थिक तंगी के कारण किश्त चुकाने में असमर्थ थे। इसके बाद, लोन ऐप एजेंटों ने उस पर किस्त चुकाने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। हर गुजरते दिन के साथ लोन एजेंटों के उत्पीड़न के बढ़ने से, अनिल ने रविवार की सुबह कथित तौर पर कीटनाशक खा लिया।

उसके परिवार के लोग उसे एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के दौरान 6,000 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे इस साल 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम यात्रा की सुविधा के लिए 6000 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी में है। हर साल त्यौहारों के दौरान विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं और इस साल यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की संख्या में काफी वृद्धि की गई है। उल्लेखनीय है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान देश भर में लाखों यात्री यात्रा करते हैं। उन्हें सुगम और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे ने इस साल फिर से 6000 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी की है। अगले दो महीनों में ये विशेष ट्रेनें यात्रियों को उनके गंतव्य तक निर्बाध रूप से पहुंचाएंगी। पिछले साल 2023 में भारतीय रेलवे ने लाखों यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करते हुए कुल 4429 त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाईं। हर साल, देश भर से बड़ी संख्या में लोग दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार की यात्रा करते हैं। ये त्यौहार न केवल उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि अपने परिवारों से फिर से मिलने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करते हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ के कारण, अधिकांश ट्रेनों में टिकट दो से तीन महीने पहले ही प्रतीक्षा सूची में चले जाते हैं। इसे संबोधित करने के लिए, भारतीय रेलवे इस साल त्यौहारी सीजन के दौरान एक बार फिर विशेष ट्रेनें चला रहा है।

टीजीएसआरटीसी ने करीमनगर में हाई-टेक इलेक्ट्रिक बसें पेश कीं

करीमनगर, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने रविवार को अपनी पहली इलेक्ट्रिक सुपर लग्जरी बसों की भव्य शुरूआत की। करीमनगर के अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित एक विशेष समारोह में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने 35 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे टिकाऊ परिवहन के एक नए युग की शुरूआत हुई। ये बसें करीमनगर-हैदराबाद मार्ग पर चलेंगी, जो यात्रियों को पर्यावरण के अनुकूल, हाई-टेक और आरामदायक यात्रा का वादा करती हैं। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने टीजीएसआरटीसी के एमडी वी.सी. सज्जनार, स्थानीय विधायकों और अधिकारियों के

साथ नई बसों में से एक की सवारी की और करीमनगर-2 डिपो में चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने करीमनगर को ये इलेक्ट्रिक बसें आवंटित करने के लिए टीजीएसआरटीसी का आभार व्यक्त किया, जो राज्य के लिए पहली बार है। उन्होंने खुलासा किया कि जल्द ही 39 और इलेक्ट्रिक बसें जोड़ी जाएंगी, साथ ही निजामाबाद, वारंगल, सूर्यपेट, नलगोंडा और हैदराबाद सहित अन्य शहरों में बेड़े का विस्तार करने की योजना है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में, टीजीएसआरटीसी प्रदूषण मुक्त समाज के लक्ष्य के साथ 2,400 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए तैयार है। बसों की मांग में उछाल आया है, खासकर महालक्ष्मी योजना की सफलता के कारण, जो महिलाओं को मुफ्त यात्रा प्रदान करती है, जिसमें 92 करोड़ शून्य-किराया टिकट पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जिससे महिलाओं को 3,123 करोड़ रुपये की बचत हुई है। टीजीएसआरटीसी के एमडी वी.सी. सज्जनर ने इन बसों की शानदार विशेषताओं पर जोर दिया, जिसमें मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, एक महीने के बैकअप के साथ सीसीटीवी कैमरे, अग्नि पहचान प्रणाली और अतिरिक्त सुरक्षा के लिए पैनिक बटन के साथ वाहन ट्रैकिंग शामिल हैं।

अवसरवादी लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं : श्रीधर बाबू

मुसी पीड़ितों के लिए कलेक्ट्रेट में हेल्प डेस्क होंगे

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि कुछ अवसरवादी लोग लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मूसी नदी की रक्षा करने के लिए उत्सुक है। कुछ लोगों ने जाने-अनजाने में घर बना लिए हैं। सरकार गरीबों को नीचे नहीं गिराना चाहती, बल्कि उन्हें ऊपर उठाना चाहती है, यही हमारी पार्टी की नीति है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने यह भी कहा है कि नदी के किनारे अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। हम मूसी पीड़ितों को डबल बेडरूम वाले घर मुहैया करा रहे हैं। हम उनके घर के सपने को पूरा करेंगे। हम पीड़ितों की ऐसे देखभाल करेंगे जैसे वे हमारे अपने बच्चे हों। मूसी में साफ पानी बहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मूसी में गोदावरी का पानी लाएंगे। मूसी पर संपर्क सड़कें भी बनाई जा रही हैं। सभी की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। हम मूसी पीड़ितों का समर्थन करेंगे, कोई भी पीछे नहीं रहेगा। हम एनजीओ के सुझावों और सलाह के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नदी क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण कानून लागू किया जाएगा। बीआरएस के कुछ नेता चीजों को गलत दिखाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि एफटीएल (फुल टैंक लेवल) भूमि को छिपाने और बेचने वाले बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हम उन लोगों का पर्दाफाश करेंगे जिन्होंने परमिट जारी करने के लिए अधिकारियों पर दबाव डाला। जल्द ही हेल्प डेस्क होंगे। मूसी बाढ़ क्षेत्र के निवासियों के प्रश्नों के लिए कलेक्ट्रेट में हेल्प डेस्क होंगे।

आरक्षण को लेकर कांग्रेस को घेरा

हरियाणा चुनाव से पहले मायावती का बड़ा बयान

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग में एक हफ्ते से भी कम समय बचा है। उससे पहले बहुजन समाज पार्टी यानी बीएसपी प्रमुख मायावती ने राज्य के दलित समाज से खास अपील की है। उन्होंने चुनाव में कांग्रेस, बीजेपी और अन्य पार्टियों को वोट नहीं देने की अपील की है। बसपा चीफ मायावती ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर कहा, हरियाणा में हो रहे विधानसभा आम चुनाव के दौरान भी कांग्रेस द्वारा दलितों की लगातार की जा रही उपेक्षा व तिरस्कार से यह साबित है कि पार्टी में जब अभी सब कुछ ठीक नहीं है, गलत है तो आगे क्या होगा? ऐसे में दलित समाज के लोग कांग्रेस व बीजेपी आदि को अपना वोट देकर इसे खराब न करें।

उन्होंने कहा, वैसे भी हमेशा आरक्षण विरोधी रही कांग्रेस के नेता अब आरक्षण को समय आने पर खत्म करने की बात करते हैं। अतः दलित अपना वोट एकतरफा तौर पर बीएसपी को ही दें, क्योंकि यही पार्टी उनके हित व कल्याण की सुरक्षा और संवैधानिक हक दिलाकर उन्हें शासक वर्ग बनाने के लिए लगातार संघर्षरत है। मायावती ने आगे कहा, साथ ही, जम्मू-कश्मीर में दलित वर्ग के लोगों को भी वहां कांग्रेस, भाजपा व अन्य किसी भी गठबंधन आदि के मिथ्या वादे व अन्य बहकावे आदि में नहीं आना है, बल्कि इनके दलित विरोधी इतिहास को ध्यान में रखते हुए अपना कीमती वोट एकतरफा तौर पर बीएसपी को ही दें, यही सभी से पुरज़ोर अपील।

कुमारी शैलजा को लेकर कांग्रेस पर किया था हमला

इससे पहले मायावती ने बसपा सुप्रीमो मायवती ने हरियाणा कांग्रेस की नेता कुमारी शैलजा को लेकर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कुमारी शैलजा को नसीहत देते हुए कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला था। मायावती ने 'एक्स' पर लिखा, देश में अभी तक के हुए राजनीतिक घटनाक्रमों से यह साबित होता है कि खासकर कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियों को अपने बुरे दिनों में तो कुछ समय के लिए इनको दलितों को मुख्यमंत्री व संगठन आदि के प्रमुख स्थानों पर रखने की जरूर याद आती है। लेकिन ये पार्टियां, अपने अच्छे दिनों में, फिर इनको अधिकांशतः दरकिनार ही कर देती हैं और इनके स्थान पर फिर उन पदों पर जातिवादी लोगों को ही रखा जाता है, जैसा कि अभी हरियाणा प्रदेश में भी देखने के लिए मिल रहा है। जबकि ऐसे अपमानित हो रहे दलित नेताओं को अपने मसीहा बाबा साहेब डॉ। भीमराव आम्बेडकर से प्रेरणा लेकर इन्हें खुद ही ऐसी पार्टियों से अलग हो जाना चाहिए और अपने समाज को फिर ऐसी पार्टियों से दूर रखने के लिए उन्हें आगे भी आना चाहिए। उन्होंने दलितों को बाबा साहेब डॉ। भीमराव आम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलने की सलाह दी थी।

गांजा को वैध करार देने पर सपा सांसद अफजाल के खिलाफ एफआईआर

गाजीपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से सांसद और समाजवादी पार्टी के नेता अफजाल अंसारी पर गांजा वैध कराने को लेकर दिए गए बयान के चलते मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सांसद के खिलाफ यह मुकदमा गोरा बाजार चौकी के इंचार्ज राजकुमार शुक्ला ने दर्ज करवाया। अफजाल अंसारी के खिलाफ धारा 353 (3)बीएनएस 2023 के तहत एफआईआर दर्ज हुई। सांसद अफजाल अंसारी ने पिछले दिनों गांजा को वैध करार देने को लेकर बयान दिया था, उनके इसी बयान पर संज्ञान लेते हुए सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई। सांसद के दिए गए बयान पर साधु-संतों में काफी नाराजगी है।

अफजाल अंसारी ने क्या बयान दिया था?

अफजाल अंसारी ने हाल ही में गांजा को वैध किए जाने की मांग उठाई थी। सांसद ने कहा था कि गांजे को वैधता दी जानी चाहिए। लाखों लोग खुले आम गांजा पीते हैं। उन्होंने कहा, धार्मिक आयोजन में गांजा खुले आम पिया जाता है। धार्मिक आयोजनों में गांजा भगवान का प्रसाद और बूटी कह कर पिया जाता है। अफजाल अंसारी के इन शब्दों की वजह से साधु-संतों में काफी रोष है।

अफजाल अंसारी ने कहा था कि जब गांजा को भगवान का प्रसाद और बूटी माना जाता है तो फिर यह अवैध क्यों है। अफजाल अंसारी ने कहा था कि अगर कुंभ में मालागाड़ी भरकर इसको भेजा जाए तो वो खप जाएगा। उन्होंने गांजा को वैध करने की मांग करते हुए कहा था कि जब भगवान शंकर के प्रसाद भांग पर लाइसेंस मिलता है तो गांजा पर लाइसेंस क्यों नहीं। लोग कहते हैं कि गांजे को पीने से भूख लगती है और सेहत भी रहती है इसलिए हमारी मांग है कि इसको कानून का दर्जा दिया जाए।

राबड़ी देवी के मुंह बोले भाई सुनील सिंह की जल्द हो सकती है गिरफ्तारी! वारंट जारी

पटना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंह बोले भाई और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी आरजेडी नेता तथा पूर्व विधान पार्षद सुनील सिंह को लगातार झटके पर झटका लग रहा है। जुलाई महीने में उनकी विधान परिषद की सदस्यता रद्द हो गई। साथ ही विस्कोमान के चेयरमैन से भी उनकी छुट्टी हो गई। अब पटना सिटी कोर्ट ने उन पर इश्तेहार वारंट जारी किया है और उनके फ्लैट पर पटना की पुलिस ने इश्तेहार चिपकाए हैं। पुलिस किसी भी समय उनको गिरफ्तार कर सकती है।

क्या है पूरा मामला?

मामला 19 वर्ष पूर्व 2005 का है। फतुहा थाना में कांड संख्या 17/05 के तहत पटना सिटी न्यायिक दंडाधिकारी प्रतिमा कुमारी ने हाजिर होने के लिए इश्तेहार वारंट किया है। इस कांड में धारा 906 और 420 के तहत लेनदेन में हेरा फेरी और फ्रॉड करने का आरोप लगा था। इसको लेकर कोर्ट ने सुनील कुमार सिंह को हाजिर होने के लिए कई बार वारंट जारी किए, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए थे। इसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट किया है। सुनील सिंह 2003 से लगातार विस्कोमान के अध्यक्ष बने रहे हैं और इसी दौरान 2005 में यह मामला फतुहा थाने में दर्ज किया गया था।

सांसद पप्पू यादव को आया जेई पर आया भयंकर गुस्सा, फोन पर ही उतार दिया इंजीनियर का लू

पूर्णिया, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव अपने बयान और कार्यों को लेकर फिर से सुर्खियों में हैं। वे अपने देशी अंदाज के लिए मशहूर हैं और हमेशा अपने संसदीय क्षेत्र की समस्याओं को जानने का प्रयास करते हैं। हाल ही में, वे रूपौली प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे थे। दौरे के दौरान, ग्रामीणों ने पप्पू यादव को बताया कि पिछले चार दिनों से उनके गांव में बिजली नहीं आई है। इस पर सांसद ने तुरंत जेई (जुनियर इंजीनियर) को फोन किया और उन्हें जमकर डांटा। सांसद पप्पू यादव ने कहा, चार दिनों से गांव में बिजली नहीं है। आप ग्रामीणों का फोन क्यों नहीं उठाते? जब जेई ने बताया कि बिजली आ गई है, तो सांसद ने जवाब दिया, मेरे कहने पर बिजली चालू हुई है। तुम पिछले चार दिन से कहां थे? क्या तुम अपनी बीवी के पास सोए थे? उनका यह संवाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएँ इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ देखने को मिल रही हैं।कुछ लोग पप्पू यादव की सक्रियता और ग्रामीणों के प्रति उनके समर्पण की सराहना कर रहे हैं। उनका तात्कालिक प्रतिक्रिया और समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूकता को सकारात्मक रूप से देखा जा रहा है।

वहीं, अन्य यूजर्स उनकी भाषा और बातचीत के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ को यह महसूस हो रहा है कि सांसद का व्यवहार अप्रिय था। राहत सामग्री और समस्याओं का समाधान पप्पू यादव बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री बांटने और स्थानीय लोगों की समस्याएँ सुनने के लिए गए थे।उनका यह कदम स्पष्ट करता है कि वे अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हैं। बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान, उनकी सक्रियता और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदनशीलता उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पप्पू यादव का प्रयास न केवल राहत सामग्री वितरित करना था, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि स्थानीय लोग अपनी समस्याओं को व्यक्त कर सकें। इससे यह सिद्ध होता है कि वे क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

बीजेपी के पूर्व विधायक साहब सिंह का पेट्रोल पंप सील, बिना लाइसेंस चला रहे थे, केस दर्ज

बागपत, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत में पूर्व विधायक और बीजेपी नेता साहब सिंह के पेट्रोल पंप पर आपूर्ति विभाग ने छापेमारी की, जिसके बाद डीएम के आदेश पर इसे सील कर दिया गया। ये पेट्रोल पंप बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। पेट्रोल पंप में पूर्व विधायक, उनके बेटे समेत चार लोग साझीदार थे। जिसके बाद इन सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ये पेट्रोल पंप बड़ौत-अमीनगर सराय मार्ग पर भारत सर्विस सेंटर के नाम से चलाया जा रहा था। इसके संचालक का नाम मोईन चौधरी और प्रबंधक का नाम देव कुमार है। जबकि पूर्व मंत्री का बेटा अमित चौधरी की भी इसमें हिस्सेदारी है। बताया जा रहा है कि इस पेट्रोल पंप पर बिना लाइसेंस के पेट्रोल बेचने की शिकायत मिली थी, जिसके बाद ये कार्रवाई की गई है।

बीजेपी नेता का पेट्रोल पंप सील

जिला आपूर्ति विभाग ने जब यहां छापेमारी की तो संचालक से पंप का लाइसेंस माँगा लेकिन संबंधित लोग इस लाइसेंस को नहीं दिखा सके। जिसके बाद शासन स्तर पर ये कार्रवाई की गई है। जांच के बाद आपूर्ति विभाग ने पेट्रोल पंप पर सील लगा दी और इसकी जांच रिपोर्ट डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को भेज दी है। जांच के दौरान पता चला कि बायो डीजल के लाइसेंस पर इस पेट्रोल पंप को चलाया जा रहा था। इस मामले में आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर ने इस मामले में बड़ौत कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। ये पेट्रोल पंप एक साल पहले ही खोला गया था। पुलिस ने पूर्व विधायक साहब सिंह, उनके बेटे अमित चौधरी समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुक़दमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी तरह बीजेपी नेता ने तमाम आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद है। इस मामले की निष्पक्षता से जांच कराई जानी चाहिए।

लखनऊ में लव जिहाद, शादी का झांसा देकर रेप: दो बार कराया गर्भपात; धर्म बदलने का दबाव बनाया, जान से मारने की धमकी दी

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में 24 घंटे में लव जिहाद का दूसरा मामला सामने आया है। पीड़िता कंचन (बदला हुआ नाम) निवासी मदेयगंज, लखनऊ ने मोहम्मद अरशद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता की तहरीर पर मदेयगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज का जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के मुताबिक, करीब डेढ़ साल पहले उसकी मुलाकात मोहम्मद अरशद से उसकी सहेली की बर्थडे पार्टी में हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे उनका मिलना-जुलना बढ़ गया। पीड़िता ने बताया कि अरशद ने उसे शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान पीड़िता दो बार गर्भवती हुई, लेकिन अरशद ने उसे गर्भपात की दवाइयां खिला दीं। हर बार आश्वासन दिया कि वह उससे शादी करेगा। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने अरशद पर शादी का दबाव डाला, तो अरशद ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह एक हिंदू लड़की से शादी नहीं करेगा। इसके साथ ही, उस पर मुस्लिम बनने का दबाव भी डाला। पीड़िता ने इस पूरे मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है और पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पिछले 24 घंटे में यह लव जिहाद का दूसरा मामला लखनऊ में सामने आया है,

कैमूर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक-बस की टक्कर में 3 लोगों की मौत, 11 घायल, पिंडदान कर लौट रहे थे सभी

पटना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार से यूपी की तरफ जा रही एक बस रविवार को खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के बरहूली गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, बस चालक को झपकी लग गई, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। मृतकों में बस का खलासी, एक पंडा (पुजारी) और एक यात्री शामिल हैं। सभी मृतक यूपी के बाराबंकी जिले के रहने वाले थे, जो गया में पिंडदान कर लौट रहे थे। पिंडदान के बाद बस में सवार सभी लोग जगन्नाथ पुरी दर्शन कर विंध्याचल मंदिर की ओर रवाना हुए थे। सभी घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल मोहनिया में भर्ती कराया गया। हादसे में कुछ लोगों को मामूली चोट आई है, जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। एनएचएआई की मेडिकल टीम के सदस्य देवेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि घटना की वजह चालक की नींद लगना प्रतीत हो रहा है। मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई और 11 लोगों को एंबुलेंस से अनुमंडल अस्पताल मोहनिया पहुंचाया गया। मोहनिया थाना के एएसआई शिवजी सिंह ने भी पुष्टि की कि खड़ी ट्रक में यात्री बस की टक्कर हुई, जिससे यह दुर्घटना घटी। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचा दिया गया है। घटना सुबह 5 बजे से पहले की है, बस में करीब 35 लोग सवार थे। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आईएएस बनने के लिए थी पैसों की जरूरत, बच्चे का अपहरण कर मांगी 10 लाख की फिरौती फिर पुलिस ने सिखाया सबक

गोपालगंज, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले में फुलवरिया थाने के मजीरवा कला से बीते गुरुवार को अगवा हुए पांचवीं कक्षा के छात्र को पुलिस ने सकुशल उत्तर प्रदेश से बरामद कर लिया है। पुलिस ने छात्र को अगवा करने वाले एक अपराधी को भी गिरफ्तार किया है, जो उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला के लार थाना क्षेत्र के नेमा गांव का रहने वाला है। पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त बाइक, कार, अपहरण के दिन अपराधी का पहना हुआ कपड़ा भी बरामद कर लिया है। एसपी अवधेश कुमार ने शनिवार की देर शाम इस अपहरणकांड का सनसनीखेज खुलासा करते हुए कई अहम जानकारियां दी है। अपहरण में शामिल बदमाश अमित कुमार यूपीएससी की तैयारी करता था और आइपीएस बनने की ख्वाहिश रखता था। एसपी ने कहा कि पूछताछ में अपराधी ने कहा कि उसने 10 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी थी। पुलिस की टेक्निकल टीम और एक सूचना के आधार पर देवरिया, सीवान और गोपालगंज पुलिस टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर छात्र को सकुशल बरामद किया है।

'सुनसान सड़क पर हूं प्लीज मदद कीजिए', महिला सुरक्षा की जांच के लिए सादे कपड़ों में निकलीं एसीपी

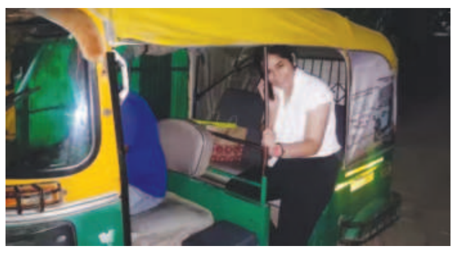

आगरा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में रात को अचानक पुलिस कंट्रोल रूम में फ़ोन आया। फोन पर कोई महिला था, जिसने पुलिस से मदद मांगी। महिला ने कहा कि वो सुनसान सड़क पर अकेली है, यहां जाने का कोई साधन नहीं है क्या उसे मदद मिल सकती है। महिला के फोन पर तुरंत एक्शन हुआ और 9 मिनट में कंट्रोल रूम की टीम पहुंची और फिर जो मिला उसे देखकर पुलिस वालों की भी आँखें खुली रह गईं। सामने आगरा की एसीपी सुकन्या शर्मा थीं। जो रात में महिलाओं की सुरक्षा की जांच के लिए निकली थीं। ताजनगरी आगरा रात में महिलाओं की सुरक्षा कैसी है। पुलिस अपनी ज़िम्मेदारी को ठीक से निभाती है या नहीं ये जाँचने के लिए खुद एसीपी सुकन्या शर्मा रात के अंधेरे में सादे कपड़ों में निकल गई। सफेद टी-शर्ट और काली जींस पहनकर वो ऑटो में सवार होकर अकेले आगरा की सड़कों पर घूमती रही। इस दौरान उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम डॉयल 112 पर कॉल किया और मदद मांगी।

दरअसल नियमों के तहत रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच अगर आप किसी ऐसी जगह फंसे हैं जहां से वाहन नहीं मिल सकता है तो महिलाएं पुलिस से मदद मांग सकती है। इसी की जांच के लिए उन्होंने रात 11.30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में फ़ोन किया और आम महिला की तरह कहा कि मैं सुनसान जगह पर हूँ प्लीज मेरी मदद करिए। जिसके बाद कंट्रोल रूम की ओर से जवाब आया कि आप परेशान मत होना मदद पहुंच रही है। कंट्रोल रूम ने उनकी लोकेशन मांगी और पूछा कि आपको कहां तक जाना है। इस पर उन्होंने कहा कि वो आगरा कैंट रेलवे स्टेशन तक जा रही है। इसके बाद वहां से आवाज आई कि आप वहीं रहिए मदद पहुंच रही है। फोन के बाद सिर्फ 9 मिनट के भीतर वहां मदद पहुंच गई। पुलिस की टीम जब वहां पहुंची तो सामने एसीपी महिला अपराध सुकन्या शर्मा को देखकर हैरान रह गई।

बीबीडी में छात्रों के बीच बमबारी: देसी बम के हमले से घायल छात्र; कमरे से खींचकर सड़क पर लाकर मारपीट

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के चिनहट इलाके में बीबीडी के छात्रों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर बमबारी हो गई। एक छात्र के पेट व हाथ बम के छर्रे लगे हैं। घायल छात्र का लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर एएसपी राधा रमण सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। बता दें, चिनहट के विकल्प खंड-3 पासी टोला इलाके में गोरखपुर का रहने वाला रुद्राक्ष मिश्रा ने एक रूम किराए पर लिया है। रुद्राक्ष बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी का छात्र है। रात 10:30 दूसरे गुट के लड़कों ने रुद्राक्ष पर पुरानी रंजिश को लेकर हमला कर दिया। रुद्राक्ष को उसके कमरे से खींचकर कुछ दूर लाए। इस दौरान किसी ने एक-एक करके तीन देशी बम मार दिए। बम के धमाके से इलाके में धुआं-धुआं हो गया और अफरातफरी मच गई। सभी लोग भागने लगे। रुद्राक्ष वहीं पर गिर पड़ा। घटना में रुद्राक्ष के चेहरे, पेट और हाथ में छर्रे लगे हैं। एसीपी विभूति खंड राधा रमण सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों के बीच बवाल हुआ है।

यूपी के इस विभाग में रुका सात हजार से अधिक कर्मचारियों का वेतन, संपत्ति न बताने पर हुआ सख्त फैसला

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पावर कार्पोरेशन और विद्युत वितरण निगमों में कार्यरत 7572 अभियंताओं और अन्य कर्मियों ने अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है। इनके खिलाफ प्रबंधन ने सख्त कदम उठाया है। निर्देश दिया है कि जब तक ये कार्मिक संपत्ति का ब्यौरा नहीं देंगे, तब तक उनका सितंबर माह का वेतन नहीं दिया जाएगा। पावर कार्पोरेशन व विद्युत वितरण निगमों में कार्यरत अभियंता चल- अचल संपत्ति का ब्यौरा देने से कतराते रहते हैं। उन्हें डर रहता है कि कहीं संपत्ति का ब्यौरा सही दे दिया तो उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू हो सकती है। ऐसे में वे विभागीय निर्देश के बाद भी ब्यौरा देने में आनाकानी करते रहते हैं। यही वजह है कि संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए कार्पोरेशन प्रबंधन ने 19 जनवरी को ही निर्देश दिया था। साफ कहा था कि सभी अभियंता और अन्य कार्मिक 15 अगस्त तक अपनी संपत्ति का ब्यौरा निगमों के ईआरपी पोर्टल पर अपलोड कर दें। इसके बाद भी 7572 कार्मिकों ने संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है। ऐसे में कार्पोरेशन प्रबंधन ने सख्त कदम उठाया है। सभी विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों और निदेशक (कार्मिक) को निर्देश दिया है कि ब्यौरा नहीं देने वालों का सितंबर माह का वेतन रोक दिया जाए। संबंधित कार्मिक जब तक चल- अचल संपत्ति का ब्यौरा नहीं देते हैं, तब तक उनका वेतन जारी नहीं किया जाएगा।

महोबा में फिर ट्रेन पलटाने की साजिश! ट्रैक पर रखा बड़ा सा पत्थर, लोको पायलट की सूझबूझ से टला हादसा

महोबा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महोबा में एक बार फिर से ट्रेन को नुकसान पहुंचाने की साजिश का खुलासा हुआ है। शनिवार को महोबा में रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की गई। जहां ट्रैक पर बड़ा से पत्थर पड़ा मिला, जिससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। अगर ट्रेन से इससे टकरा जाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। लेकिन लोको पायलट की सूझबूझ से ये बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी गिरफ्तार किया है। ये घटना कबरई थाना क्षेत्र अंतर्गत झांसी-प्रयागराज रेलवे ट्रैक की बताई जा रही है। खबर के मुताबिक झांसी प्रयागराज रेलवे ट्रैक के सामने ये बड़ा सा पत्थर रखा गया था। ये पत्थर पोल नंबर 1292/21 और 1293/3 के बीच रखा गया था। अगर गलती से भी ट्रैक से गुजरने वाली ट्रेन इस पत्थर से टकरा जाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

नेपाल में शादी, अश्लील वीडियो और अब ब्लैकमेल

बीजेपी के पूर्व एमएलए पर अभिनेत्री ने लगाए आरोप, पुलिस को बताई आपबीती

सहारनपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर की रहने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने उत्तराखंड में बीजेपी के पूर्व विधायक सुरेश राठौर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। उर्मिला सनावर ने इस संबंध में एसएसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। कहा कि पूर्व विधायक ने दो साल पहले उनके साथ नेपाल के पशुपति नाथ मंदिर में गंधर्व विवाह किया। इसके बाद ना केवल यौन शोषण किया, बल्कि अश्लील वीडियो भी बनाए। अब आरोपी यही वीडियो दिखाकर उसे ब्लैकमेल करते हुए कई अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की है। उर्मिला ने एसएसपी को दिए शिकायत में बताया कि आरोपी सुरेश राठौर से उनकी मुलाकात 12 जून 2022 को हुई। उस समय आरोपी संत रविदास आश्रम का आचार्य था। इसके बाद दोनों के बीच पहले फोन पर बातें हुई और फिर एक दिन सुरेश ने उन्हें अपने आश्रम बुग्गावाला में लंच के लिए बुलाया।

यहां उसे खाने में कोई नशीली दवाई देकर आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए अश्लील वीडियो बना लिया था। इसी वीडियो को दिखाकर आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करते हुए 4 अक्टूबर 2022 को नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में गंधर्व विवाह किया। पीड़ित अभिनेत्री का आरोप है कि अब आरोपी उसके ऊपर कुछ बड़े अधिकारियों को खुश करने का दबाव बना रहा है। इस बात को लेकर दोनों के बीच कई बार झगड़े भी हो चुके हैं। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति सुरेश राठौर अब अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। एसएसपी को दिए शिकायत में पीड़िता ने कहा कि अब तो हालात ऐसे बन गए हैं कि उन्हें अपने ही पति से जान को खतरा लग रहा है। बता दें कि अभिनेत्री उर्मिला सनावर अपने पहले पति को तलाक दिए बिना सुरेश राठौर से शादी की थी। इस समय उनका पहले से पति से तलाक का मामला कोर्ट में लंबित है। खुद को सुरेश राठौर की पत्नी बताने वाली अभिनेत्री उर्मिला के सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक के साथ कई वीडियो भी हैं।

'अबू सलेम के नाम पर गुर्गों की धमकी', क्यों विवादों में हैं कांग्रेस के पूर्व एमएलए नदीम जावेद

जौनपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी पूर्व विधायक नदीम जावेद समेत 4 लोगों पर दोबारा केस दर्ज हुआ है। दरअसल, जौनपुर पूर्व विधायक के खिलाफ केस दर्ज कराने वाले पीड़ित को केस वापस लेने के लिए अंडरवर्ल्ड डॉन अबु सलेम के भाई और गुर्गों की तरफ से धमकी मिली थी। जिसके बाद पीड़ित ने जौनपुर के एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा से शिकायत की थी। हालांकि एसपी के आदेश के बाद पुलिस केस दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी है। दरअसल, खेतासराय थाना क्षेत्र के पारा कमाल गांव निवासी खुर्शीद अनवर खान ने 13 सितंबर को एक केस दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि नदीम जावेद के खिलाफ सोशल मीडिया पर लिखने पर उनके गुर्गों ने उन्हें बीच सड़क पर पीटा। जानलेवा हमला किया और उनके साथ लूट की। पीड़ित खुर्शीद अनवर खान पूर्व में नदीम जावेद के प्रतिनिधि रह चुके हैं वह नदीम जावेद के रिश्तेदार भी हैं।

पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में पीड़ित खुर्शीद अनवर खान ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के पूर्व विधायक नदीम जावेद और उनके गुर्गों के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद उन्हें अंडरवर्ल्ड डॉन अबु सलेम के नाम पर लखनऊ और दुबई से धमकी भरे फोन आये। केस वापस लेने के लिए उन्हें धमकी देते हुए उनसे कहा गया कि ऐसा न करने पर उनकी लाश तक नहीं मिलेगी। जिसके बाद पीड़ित ने एसपी से मिलकर सुरक्षा की गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक नदीम जावेद समेत चार लोगों पर जौनपुर के खेतासराय थाने में दूसरा केस दर्ज हुआ है।

नसरल्लाह की मौत को महबूबा मुफ्ती ने बताया शहादत, चुनावी प्रचार अभियान किया रद्द

जम्मू, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद आज अपना चुनावी अभियान रोक दिया है। महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, लेबनान और गाजा में शहीदों, खासगर हसन नसरल्लाह की शहादत के शोक में रविवार को अपना चुनावी अभियान रोकने का फैसला लिया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि दुख की इस घड़ी में हम फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के साथ खड़े हैं। गौर करने वाली बात है कि इजराइल के हमले में लेबनान के बेरुत में हिजबुल्लाह के चीफ नसरल्लाह की मौत हो गई, खुद हिजबुल्लाह ने इसकी पुष्टि की है। नसरल्लाह के साथ उसकी बेटी जैनब की शुक्रवार को मौत हो गई। इजराइल की सेना ने एक के बाद एक बेरुत में कई हवाई हमले किए, जिसने हिजबुल्ला की कमर तोड़कर रख दी। इजराइल डिफेंस फोर्स की ओर से कहा गया है कि हसन नसरल्लाह अब दुनिया को और आतंकित नहीं कर पाएगा। हिजबुल्लाह के अन्य ऑपरेटिव अली कराकी, मोहम्मद अी इस्माइल, हुसैन अहमद की भी शनिवार को हुए हमले में मौत हो गई है। लेबनान में हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। बडगाम और श्रीनगर में इस हमले के विरोध में मार्च निकाले गए। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नसरल्लाह की तस्वीरें लेकर सड़कों पर उतरे। हिजबुल्लाह नेता की मौत पर लोगों ने शोक व्यक्त किया। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएसपीएलबी) के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने भारत के शिया समुदाय के भीतर तीन दिवसीय शोक अवधि का आह्वान किया है और उनसे शोक के प्रतीक के रूप में काले झंडे दिखाने का आग्रह किया है। अब्बास ने मुसलमानों पर नसरल्लाह की मौत के प्रभाव पर जोर दिया और संयुक्त राष्ट्र से फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए कदम उठाने की अपील की है। गौर करने वाली बात है कि लेबनान पर इजराइल की सेना पिछले कुछ दिनों से लगातार हमले कर रही है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ किया है कि वह अपने लक्ष्य की प्राप्ति तक नहीं रुकेंगे। वहीं ईरान ने इस नसरल्ला की मौत के बाद इसका बदला लेने की कसम खाई है।

उमर अब्दुल्ला दोनों सीटों से हारेंगे। जम्मू-कश्मीर को लेकर बीजेपी नेता का बड़ा दावा

जम्मू-कश्मीर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ ने जम्मू-कश्मीर के चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा, एनसी के नेता उमर अब्दुल्ला दोनों सीटों से चुनाव हारेंगे। साथ ही तरुण चुघ ने कहा महबूबा मुफ्ती की बेटी भी चुनाव हारेंगी। बीजेपी नेता ने कहा, जम्मू-कश्मीर की जो जनता है वो परिवारवाद से अलगाववाद से अब घृणा करती है। उन्हें समझ आ गया है कि आर्टिकल 370 और 35 ए एक जंजीरें थी, जिन जंजीरों में बांध कर उन्हें रखा गया था, लेकिन अब आर्टिकल 370 और 35 ए हटने के बाद जो माहौल बना, उस में जनता को विकास और विश्वास दिखना शुरू हुआ। तरुण चुघ ने कहा, यह वहीं जम्मू-कश्मीर है जहां बहिष्कार की राजनीति होती थी। मुझे ध्यान है कि एक मंत्री बने जिनको सिर्फ साढ़े पांच सौ वोट मिले थे, उनसे हारने वाले को 500 वोट मिले थे। जम्मू-कश्मीर में लगभग ऐसा ही था।

व्हेल मछली की उल्टी की हो रही तस्करी 3 आरोपी गिरफ्तार, करोड़ों में है कीमत

ठाणे, 29 सितंबर (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सुना है कि किसी मछली की उल्टी की भी तस्करी हो सकती है? लेकिन ये सच है और इसकी कीमत करोड़ों में होती है। इसे एम्बरग्रीस कहते हैं। ठाणे क्राइम ब्रांच की कल्याण इकाई ने व्हेल मछली की उल्टी की तस्करी के आरोप में तीन आरोपियों अनिल भोसले, अंकुश शंकर माली और लक्ष्मण शंकर पाटिल को गिरफ्तार किया। इन तीनों को अदालत में पेश किया गया और पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। ये जानकारी ठाणे पुलिस ने दी है।

क्यों है करोड़ों में कीमत?

दरअसल व्हेल मछली समुद्र में तमाम तरह की छोटी-बड़ी चीजों का सेवन करती है। जब ये चीजें पच नहीं पातीं तो व्हेल मछली उल्टी कर देती है। इस उल्टी को एम्बरग्रीस कहते हैं। यह दिखने में मोम के ठोस पत्थर की तरह दिखती है और डार्क कलर की होती है। इसकी कीमत बाजारों में करोड़ों रुपए की है क्योंकि इसका इस्तेमाल परफ्यूम बनाने वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां करती हैं। उनका मानना है कि इससे बनी खुशबू लंबे समय तक टिकती है। यही वजह है कि ये कंपनियां व्हेल मछली की उल्टी के ऊंचे दाम देती हैं। इसके अलावा कई बीमारियों के इलाज में भी व्हेल मछली की उल्टी का इस्तेमाल होता है। कई जगह इससे दवाइयां बनती हैं। यौन रोगों में इसका इस्तेमाल खूब किया जाता है।

भारत में उल्टी को बेचने पर है रोक

वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट 1972 के तहत, व्हेल मछली की उल्टी को रखना या बेचने पर रोक है। इसके अलावा व्हेल के किसी भी बाई प्रोडेक्ट के व्यापार पर भी बैन लगा हुआ है। हालांकि इंटरनेशनल मार्केट में इसकी काफी डिमांड रहती है। जानकार बताते हैं कि मिस्र में तो सिगरेट के फ्लेवर में व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल होता है।

'दिल्ली की जनता को जरूरी सुविधाएं भी नहीं दे पाए, देवेंद्र यादव का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद उन्हें सीएम आवास छोड़ना ही होगा। सीएम आवास छोड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी नेता, मंत्री और कार्यकर्ता उन्हें महान बनाने की कोशिश समझ से परे है। देवेंद्र यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल से पूछा है कि क्या वे पिछले 10 वर्षों में दिल्ली की जनता को किसी भी तरह की सहूलियतें और मौलिक सुविधाएं दे पाए? अपने लिए बाधाओं और विवादों से मुक्त आवास ढूंढने वाले केजरीवाल मलिन बस्तियों, अनाधिकृत कॉलोनियों, पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले गरीब लोगों के दर्द को क्यों नहीं समझते? उन्होंने दिल्ली के गरीब लोगों को बेहतर जीवन और सुविधाएं देने का वादा किया था। यहां रहने वाले लोग हर दिन बाधाओं और परेशानी से जूझते हैं। आज भी पहले की कई परेशानियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता यह जानती है कि कथित भ्रष्टाचार में लिप्त होने के कारण अरविंद केजरीवाल जेल गए। सुप्रीम कोर्ट की बंदिशों के कारण उन्होंने मुख्यमंत्री पद 17 सितंबर को इस्तीफा दे दिया। मैं पूछना चाहता हूं कि जब पूरी दिल्ली उन्हें घर देने की पेशकश कर रही है तो अभी तक निर्णय क्यों नहीं लिया? देवेंद्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल 10 वर्ष मुख्यमंत्री पद पर रहने के बाद घर ढूंढ रहे है, जिस पर कोई विश्वास नहीं करेगा। उन्होंने खुद को हमेशा असहाय, बेचारा और लाचार प्रदर्शित किया है, उस पर दिल्ली की भोली भाली जनता को विश्वास दिलाने की जबरन कोशिश की जा रही है। उन्होंने ये भी कहा कि नई दिल्ली विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने वाले अरविन्द केजरीवाल अपनी विधानसभा में रहना चाहते हैं। जबकि उन्हें डिफेंस कॉलोनी, पीतमपुरा, जोर बाग, चाणक्यपुरी, वसंत विहार और हौजखास जैसे स्थानों पर आवास की पेशकश लोग कर रहे हैं।

बंगाल में फिर होगी डॉक्टरों की हड़ताल! सरकार को दी वॉर्निंग, सुप्रीम कोर्ट पर टिका है फैसला

कोलकाता, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने 30 सितंबर की शाम से फिर हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। जूनियर डॉक्टर्स ने यह फैसला सागर दत्ता मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों व नर्सों की पिटाई की घटना के खिलाफ लिया है। अपनी जनरल बॉडी की बैठक के बाद जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि सरकार ने सुरक्षा को लेकर उन्हें आश्वासन दिया गया था, लेकिन वो इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। राज्य के सरकारी अस्पतालों की स्थिति पहले के जैसी है।

सुनवाई के बाद लेंगे फैसला

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में आरजी कर अस्पताल मामले में सुनवाई होनी है। इस सुनवाई में सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार का क्या रुख रहता है और सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या कहती है, यह देखने के बाद ही जूनियर डॉक्टर आगे का फैसला करेंगे। जूनियर डॉक्टरों ने सागर दत्त मेडिकल कालेज की घटना को लेकर रविवार को सभी मेडिकल कालेजों से मोमबत्ती जुलूस निकालने की भी घोषणा की है। बता दें कि कोलकाता के निकटवर्ती कॉलेज ऑफ मेडिसिन और सागर दत्ता अस्पताल में एक मरीज की मौत के बाद तीन चिकित्सकों और तीन नर्स पर हमला कर दिया गया था।

शाम पांच बजे से बंद कर देंगे काम

पीटीआई से बात करते हुए एक जूनियर डॉक्टर ने कहा, ''हम राज्य सरकार को कुछ समय दे रहे हैं और सोमवार को उच्चतम न्यायालय में हमारी सुरक्षा के संबंध में उनकी दलीलें सुनना चाहते हैं। उसके बाद शाम पांच बजे से हम पूरे बंगाल में सभी अस्पतालों में काम बंद कर देंगे।' गौरतलब है कि आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से दरिंदगी की घटना के खिलाफ जूनियर डाक्टरों ने 42 दिनों तक हड़ताल की थी। इस दौरान उन्होंने 10 दिनों तक स्वास्थ्य भवन के सामने धरना दिया था।

रात के 3 बजे आ रही थी कार, पुलिस वाले ने रुकने का किया इशारा तो ड्राइवर ने उसे कुचल दिया

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के नांगलोई इलाके में पुलिस कॉन्स्टेबल की कारवाले ने कुचल कर मार डाला। कॉन्स्टेबल की पहचान कॉन्स्टेबल संदीप के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उनको कहीं से शराब सप्लाई करने वाले गिरोह की इनपुट मिली थी। हालांकि पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। पुलिस ने यह भी बताया कि यह शराब माफिया की गाड़ी नहीं है। अब तक की जांच में आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी धरपकड़ जारी है। पुलिस हवाले से पता चला है कि नांगलोई थाने में तैनात सिपाही को शराब सप्लायर की कार जाने की जानकारी मिली थी। उन्होंने इनपुट के आधार पर उस कार को रुकने का इशारा किया। हालांकि, वह कार रुका नहीं और भी काफी रफ्तार से भागने लगा। इसी क्रम में उसने कांस्टेबल को टक्कर मार दी। संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने कार को बरामद कर लिया। कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। यह घटना रात के तीन बजे की बताई जा रही है। दिल्ली आउटर जिले के डीसीपी ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। उनके मुताबिक कार में दो लोग सवार थे। जिनका संदीप से किसी बात पर विवाद हुआ। इसके बाद उन्होंने कॉन्स्टेबल को कुचल दिया। फिर दोनों मौके से फरार हो गए है। कार से अब तक कोई शराब बरामद नहीं हुई है। कार में कौन लोग थे, कौन चला रहा था और किसकी कार है ये पता लगाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना पर अपना बयान दिया है। पुलिस ने घटना के बारे ज क्रि करते हुए लिखा है कि गाड़ी वाले को जाखड़ कहा जाता है। वह शराब का काम करता है। वह अपना काम करवाने के लिए संदीप पर लगातार प्रेशर डाल रहा था।

भोपाल की जेल में क्यों नहीं रहना चाहते सिमी के आतंकी? कोर्ट में लगाई साबरमती भेजने की अर्जी

भोपाल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बंद सिमी के 11 आतंकियों को भोपाल की जेल रास नहीं आ रही। इन आतंकियों ने सुरक्षा का हवाला देते हुए साबरमती जेल भेजने की अर्जी कोर्ट में लगाई है। यह आतंकी पहले साबरमती जेल में ही बंद थे और सुरंग खोद कर भागने की कोशिश कभी कर चुके हैं। हालांकि उस समय पकड़े जाने और मध्य प्रदेश में भी इनके खिलाफ मामले होने की वजह से इन्हें भोपाल की जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। फांसी की सजा होने के बाद से अपनी मौत का इंतजार कर रहे इन आतंकियों ने भोपाल की जेल में कई बार आंदोलन भी किया है। साल 2008 में अहमदाबाद में हुए बम धमाकों के मामले में दोषी इन आतंकियों की अर्जी कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। इस मामले में अगली सुनवाई 30 सितंबर को होनी है। इस बीच कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि इन आतंकियों का मास्टर माइंड सफदर नागौरी है।

साल 2013 तक ये आतंकी गुजरात की साबरमती जेल में ही बंद थे। हालांकि 2013 में इन आतंकियों ने जेल से भागने की योजना बनाई थी। इसके लिए 20 मीटर लंबी सुरंग भी खोद डाली थी। गनीमत रही कि समय रहते जेल प्रबंधन को खबर हो गई और ये आतंकी पकड़े गए थे। साल 2017 में इन आतंकियों को मध्य प्रदेश में दर्ज मामलों की सुनवाई के लिए भोपाल लाया गया था। यहां आने के बाद से ही इन आतंकियों को भोपाल की जेल रास नहीं आ रही।

माना जा रहा है कि इन्हें साबरमती जेल में ज्यादा सुविधाएं मिलती थी, जबकि भोपाल जेल में इन्हें कड़ी निगरानी में रखा गया है। ऐसे हालात में ये आतंकी लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि इस जेल में उनकी जान को खतरा है। ये आतंकी अपनी हर पेशी में आरोप लगाते हैं कि उन्हें अंधेरे कमरे में नजरबंद करके रखा जाता है। यहां उनकी धार्मिक स्वतंत्रता छीन ली गई है। यही नहीं, इन आतंकियों ने यह भी आरोप लगाए थे कि पेशी पर ले जाने के दौरान इनका एनकाउंटर किया जा सकता है। उसके बाद से ही इनकी पेशी अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होती है। ये आतंकी कई बार सामूहिक नमाज पढ़ने, न्यूज पेपर और लाइब्रेरी सुविधा के लिए भूख हड़ताल कर चुके हैं। सिमी के इन 11 आतंकियों में से मास्टरमाइंड सफदर नागोरी सहित छह आतंकियों को अहमदाबाद बम ब्लास्ट मामले में फरवरी 2022 में फांसी की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में इन्होंने क्षमा याचिका भी लगाई है।

हरियाणा चुनाव से पहले जेल से बाहर आ सकता है राम रहीम, 20 दिन की मांगी पैरोल

रोहतक, 29 सितंबर (एजेंसियां)। दो शिष्याओं से बलात्कार मामले में 20 साल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह ने एक बार फिर 20 दिन की अस्थायी पैरोल का अनुरोध किया है। यह अनुरोध 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। ऐसे में माना जा रहा है कि हरियाणा चुनाव से पहले राम रहीम जेल से बाहर भी आ सकता है। इससे पहले राम रहीम को इसी साल 13 अगस्त को 21 दिन की पैरोल पर रिहा किया गया था।

अधिकारियों द्वारा 21 दिन की पैरोल दिए जाने के बाद वह हरियाणा के रोहतक जिले की सुनारिया जेल से बाहर आ गया था। दरअसल, हरियाणा में गुरमीत राम रहीम के लाखों समर्थक हैं। ऐसे में अगर हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले राम रहीम जेल से बाहर आता है, तो इसका चुनाव पर बड़ा असर देखने को मिल सकता है। बता दें कि राज्य में 5 अक्टूबर को एक ही चरण के तहत चुनाव होना है। वहीं 8 अक्टूबर को मतों की गणना की जाएगी। ऐसे में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राम रहीम ने अस्थायी पैरोल की मांग की है।

तूफान ने बिगाड़ा मौसम का हाल, दिल्ली एनसीआर समेत दस राज्यों में येलो एलर्ट

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मानसून का मौसम धीरे-धीरे विदाई ले रहा है, लेकिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार में अभी भी बारिश जारी है। इसका कारण मानसूनी ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन है। मौसम विभाग ने बताया कि आज भारी बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन दिल्ली समेत 10 से अधिक राज्यों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली का मौसम दिल्ली में मानसून विदा हो चुका है। सुबह और शाम में ठंडक महसूस होती है, लेकिन दिन में उमस बनी रहती है। बीते शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री और न्यूनतम 25.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। आज से मंगलवार तक हल्के बादल रह सकते हैं, लेकिन अगले हफ्ते बारिश की कोई संभावना नहीं है। आज का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक पहुंच सकता है। उत्तर प्रदेश और बिहार का मौसम उत्तर प्रदेश और बिहार में पिछले तीन दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश में आज बारिश की उम्मीद नहीं है, लेकिन अगले दो दिन में 19 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस बारिश के कारण सरयू नदी उफान पर बह रही है और स्कूल 12वीं कक्षा तक बंद कर दिए गए हैं। बिहार में अगले 24 घंटे में भारी बारिश की संभावना है। नेपाल में हुई बारिश के कारण कोसी और गंडक नदियों भी उफान पर हैं। मौसम विभाग ने बिहार के पांच जिलों में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। नीतीश सरकार ने आपदा प्रबंधन विभाग को सतर्क रहने का आदेश दिया है ताकि किसी भी नुकसान से बचा जा सके।

अन्य राज्यों का मौसम

गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात: यहां आज और कल हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा: 1 से 4 अक्टूबर के बीच भारी बारिश की संभावना है। मेघालय: 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक बारिश हो सकती है।

केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, कर्नाटक: इन क्षेत्रों में भी बारिश होने की संभावना है। भविष्य की मौसम की स्थिति एक अक्टूबर के बाद कुछ राज्यों में मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में भारी बारिश हो सकती है। इस प्रकार, मौसम की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है, ताकि हम इससे जुड़ी चुनौतियों का सामना कर सकें।

सोमनाथ मंदिर के पास अतिक्रमण के खिलाफ अभियान, 60 करोड़ की सरकारी जमीन से कब्जा हटाया, 135 लोग हिरासत में

अहमदाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर के पास सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया गया। इस दौरान 135 लोगों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान के लिए सैकड़ों पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने कहा कि दिन के शुरुआती घंटों में शुरू हुए अभियान के दौरान धार्मिक संरचनाओं और कंक्रीट के घरों को ध्वस्त कर दिया गया। 60 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 15 हेक्टेयर सरकारी जमीन को मुक्त कराया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 52 ट्रैक्टरों, 58 बुलडोजरों, दो हाइड्रा क्रेनों, पांच डंपरों, दो एम्बुलेंसों और तीन फायर फाइटर्स को लाया गया था। सीनियर पुलिस और जिला प्रशासन अधिकारियों के साथ 788 पुलिस कर्मियों और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) को तैनात किया गया था। तीन एसपी, चार डीएसपी, 12 पुलिस इंस्पेक्टर, 24 सब इंस्पेक्टर और एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट और एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट मौजूद थे। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। गिर सोमनाथ के जिला कलेक्टर डीडी जाडेजा ने बताया, "कानून एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कुल 135 लोगों को हिरासत में लिया गया। अतिक्रमण के खिलाफ अभियान सुबह लगभग 5 बजे शुरू हुआ और 6 घंटे से अधिक समय तक जारी रहा। मलबा हटाने का काम जारी है। 15 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है, जिसकी कीमत 60 करोड़ रुपये है।" रिपोर्ट के मुताबिक कलेक्टर डीडी जाडेजा ने कहा, 'मुक्त कराई गई भूमि का एक हिस्सा श्री सोमनाथ ट्रस्ट (एसएसटी) का था, जो सोमनाथ मंदिर का प्रबंधन करता है,

कूनो में 'ट्रेंकुलाइजेशन' चीतों के लिए घातक, वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट ने मंत्री भूपेंद्र यादव से की शिकायत

भोपाल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मौजूद चीतों को बार-बार ट्रेंकुलाइज करना घातक साबित हो रहा है। इसे लेकर भोपाल के वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने केंद्रीय वन मंत्री से शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा, अब तक कूनो में चीतों को 110 बार ट्रेंकुलाइज किया गया है, जिसकी अनुमति नहीं ली गई है। अजय दुबे ने केंद्रीय जलवायु, वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से की गई शिकायत में कहा, मैंने नेशनल टाइगर कंजरवेशन अथॉरिटी को कई बार शिकायतें की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। चीतों का ट्रेंकुलाइज करने का कोई रिकॉर्ड भी नहीं रखा गया है। उन्होंने चीता पवन की मौत को लेकर भी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, पवन को भी अवैध रूप से ट्रेंकुलाइज किया गया था, जो उसके लिए घातक साबित हुआ। वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 11 में शेड्यूल 1 में चीता को ट्रेंकुलाइज करने के लिए सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू से अनुमति लेना जरूरी है। लेकिन कूनो नेशनल पार्क के डीएफओ और सिंह परियोजना के संचालक उत्तम शर्मा द्वारा इसका उल्लंघन किया गया।

एक-एक करके इन चीतों की हुई मौत

बता दें 2022 और 2023 में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से चीते लाए गए थे। इस दौरान 20 चीते लाए थे, जिनमें नामीबिया से 8 और दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते आए थे। शुरुआत में यहां चीतों के लिए मुश्किलों भरा दौर था। 26 मार्च 2023 को पहले चीते की किडनी इंफेक्शन से मौत हो गई थी। जबकि 23 अप्रैल 2023 को नर चीता उदय की दिल के दौरे से मौत हुई थी। वहीं 25 मई 2023 को ज्वाला के दो और शावकों की मौत हो गई। फिर 11 जुलाई 2023 को आपसी संघर्ष में मेल चीता तेजस की मौत हो गई। वहीं 14 जुलाई 2023 आपसी संघर्ष में मेल चीता सूरज की मौत हो गई। इसके बाद 2 अगस्त 2023 को इंफेक्शन से मादा चीता धात्री की मौत हो गई।

बारामती की दो नाबालिग लड़कियों के साथ पुणे में कुल 11 लोगों ने किया था गैंगरेप, पुलिस का खुलासा

बारामती, 29 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती की दो नाबालिग लड़कियों के साथ पुणे के हड़पसर इलाके में गैंगरेप हुआ था। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में तीन आरोपी ज्ञानेश्वर अटोले, अनिकेत बीरवरे यश उर्फ सोन्या अटोले को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, बारामती तालुका ग्रामीण पुलिस ने अब इस मामले में एक नया खुलासा किया है। उनका कहना है कि जांच के दौरान पता चला है कि दोनों लड़कियों के साथ गिरफ्तार चार आरोपियों के अलावा सात अन्य लोगों ने भी रेप किया है। पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, बारामती की दो 15 साल की नाबालिग लड़कियां 14 सितंबर को घर पर बिना कुछ बताए, पुणे आ गई थीं। उनके लापता होने की दो अलग-अलग शिकायतें बारामती पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थीं। दोनों शहर के अलग-अलग स्कूलों में नौवीं कक्षा में पढ़ती हैं। ये दोनों एक दूसरे की दोस्त हैं। बस से पुणे आते समय उनका संपर्क ज्ञानेश्वर अटोले से हुआ। उसने दोनों को हड़पसर स्थित एक कमरे में बुलाया। उसने अपने दोनों दोस्तों को बताया कि ये लड़कियां आ रही हैं। लड़कियों के बाद वह एक अन्य दोस्त के साथ बारामती से हड़पसर आ गया। वहां वह इन लड़कियों को अपने एक दोस्त के कमरे पर ले गया। इसके बाद रात को उन्होंने दोनों को शराब पिलाई। फिर चारों ने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया। इसके बाद लड़कियां किसी तरह हड़पसर के बस स्टॉप पहुंचीं और यहां उन्होंने एक यात्री के मोबाइल फोन से अपनी मां को फोन किया। जानकारी मिलने पर लड़की की मां ने बारामती तालुका पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद हड़पसर पुलिस से संपर्क किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 30 सितंबर- 2024

खतरे में मासूम

देश की राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था की हालत क्या है? यह किसी से छुपा नहीं है। आए दिन महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार होना आम बात हो गई है। हद तो तब हो गई जब एक नाबालिग किशोर के साथ भी कुछ उसी तरह की बर्बरता की गई जो महिलाओं के साथ होना आम बात होती जा रही है। यह घटना यह दर्शाने के लिए काफी है कि दरिंदों के चंगुल से कम उम्र के बच्चे भी अब सुरक्षित नहीं रह गए हैं। खबरों के अनुसार दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में रहने वाले चार लोगों ने बंदूक की नोक पर सत्रह वर्ष के एक बच्चे को न केवल बुरी तरह मारापीटा, घसीटा, जूते चाटने पर मजबूर किया, बल्कि उसे परेशान और अपमानित करने के लिए उसका यौन उत्पीड़न भी किया। उस पर भी तुर्रा यह कि अपनी करतूतों का इन अपराधियों ने वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किशोर से ऐसा बुरा बर्ताव करने वाले आरोपी किस कदर घृणा और विकृति से भरे हुए दबंग होंगे। लगता है कि ऐसे आरोपियों के भीतर न केवल कानून का खौफ है और न ही समाज का डर। लगता है वे इस बात भी अनजान थे कि जब कानून के शिकंजे में फंसेंगे तो उन पर क्या बीतेगी। ऐसी करतूतों की उन्हें कितनी बडी सजा मिल सकती है, शायद इसका अंदाजा भी उन्हें नहीं है। देखा जाए तो आपराधिक घटनाएं पहले भी होती रही हैं। लेकिन आपराधिक मानस अब तो हद से ज्यादा विकृत होते जा रहे हैं। आखिर क्या वजह हो सकती है कि अपराधियों के निशाने पर अब कम उम्र के बच्चे भी आने लगे हैं। पिछले कुछ समय से अपराधों की प्रकृति और उसमें निशाने पर बच्चों का आना गंभीर चिंता की बात होती जा रही है। आए दिन ऐसी वारदात सामने आ रही हैं, जिसमें या तो किसी बच्चे की हत्या कर दी गई या फिर उसे बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। ऐसा नहीं है कि इस तरह के अपराध सिर्फ दिल्ली में हो हो रहे हैं। आज देश के हर बडे शहरों व महानगरों का यही हाल है। देखा जाए तो जो लोग पहले से ही अपराध की दुनिया में गोते लगा रहे होते हैं, उनके लिए कमजोर होने के नाते मासूम बच्चे आसान शिकार बन जाते हैं। आसपास बदलते माहौल, अपराध और अश्लील साहित्य व सामग्री तक ऐसे लोगों की पहुंच बेलगाम हो गई है। इसकी वजह से कई बार सहज जीवन जीते कुछ लोग भी विकृति का शिकार होकर बच्चों को निशाना बनाने पर उतारू हो जाते हैं। हाल ही में हाथरस में एक स्कूल के संचालक ने महज अपने स्कूल की तरक्की के लिए अंधविश्वास में आकर एक स्कूली बच्चे की बलि देनी चाही। जब बच्चे के शोर मचाना शुरू कर दिया तो डर के मारे उसने बच्चे का गला दबा कर हत्या कर दी। इन घटनाओं से जाहिर है कि चौतरफा बनती परिस्थितियों में बच्चों के जीवन के सामने खतरा बढ़ता जा रहा है। अगर समय रहते नीतिगत और जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य के समाज और उसमें बच्चों की स्थिति की बस कल्पना भर की जा सकती है। सोच कर देखिए ऐसी स्थिति आने पर बच्चों के मां-बाप पर क्या गुजरेगी?

श्रीलंका से चिंताएं

प्रियंका सौरभ

श्रीलंका में हालिया राजनीतिक बदलावों का भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता एवं सुरक्षा पर असर पड़ेगा। चूँकि भारत एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति है, इसलिए उसे इन उभरती गतिशीलता के अनुकूल होने एवं अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी राजनयिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। इससे पहले, कोलंबो में दक्षिणपंथी सरकारों ने बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश के बदले में चीन की ओर झुकाव की कोशिशें की। ये उनके लिए गले की फांस बन गईं। इनमें से अधिकांश कर्ज के जाल में फंस गए। नतीजा श्रीलंका के लिए विनाशकारी था और इस प्रक्रिया ने भारत के सुरक्षा हितों को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया। अब सवाल और भी गंभीर हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक मार्क्सवादी-समर्थक पार्टी श्रीलंका की सत्ता में काबिज है। ऐसे में भारत को अपने एक्शन के बारे में आशंकित होने का हर कारण है। भारत को सतर्क रहना चाहिए और इस बढ़ते चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए क्षेत्र में अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए, साथ ही यह भी देखना चाहिए कि जे.वी.पी. श्रीलंका में किस तरह का शासन और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन लाएगा। नेशनल पीपुल्स पावर का उदय आईएमएफ के चल रहे बेलआउट कार्यक्रमों और श्रीलंका में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय निवेशों को खतरे में डाल सकता है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। आज, दिसानायके के नेतृत्व में जे.वी.पी. का पुनरुत्थान महज एक राजनीतिक जीत नहीं है; यह उस अंधराष्ट्रवादी चरित्र की वापसी का संकेत है जिसने कभी श्रीलंका की एकता को खतरा पैदा किया था। जे.वी.पी. के उदय का सबसे चिंताजनक पहलू चीन की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के साथ इसका संभावित तालमेल है। श्रीलंका लंबे समय से चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का हिस्सा रहा है। चीन समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और राजनीतिक सांझेदारियों की एक श्रृंखला, जिसका उद्देश्य भारत को घेरना और हिंद महासागर में अपने समुद्री प्रभुत्व को सुरक्षित करना है। कोलंबो बंदरगाह परियोजना एवं अडानी सौर ऊर्जा पहल जैसी परियोजनाओं के रद्द होने का खतरा है, जिसका सीधा असर भारतीय आर्थिक हितों पर पड़ रहा है। श्रीलंका के राजनीतिक रुख में बदलाव से चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ा सकता है, जिससे भारत के रणनीतिक हितों को खतरा उत्पन्न हो सकता है। श्रीलंका में आंतरिक राजनीतिक परिवर्तनों के कारण उत्पन्न अस्थिरता फैल सकती है, जिससे भारत के लिए महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों सहित क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। यदि श्रीलंका को राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ता है, तो इससे हिंद महासागर में सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है, जो भारत के व्यापार एवं रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है। दिसानायके की नीतियां श्रीलंकाई तमिल समुदाय एवं उनके अधिकारों की वकालत करने में भारत की भूमिका को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे तनाव में फिर से वृद्धि हो सकती है। तमिल अधिकारों पर कोई भी वापसी और जातीय कट्टरता की वापसी भारतीय नीति निर्माताओं को अच्छी नहीं लगेगी। ऐसा परिदृश्य भारत और श्रीलंका के बीच, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में तनाव को बढ़ा सकता है और इस क्षेत्र को और अस्थिर कर सकता है। मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में भारत की स्थिति पहले ही कमजोर हो चुकी है। हिंद महासागर में चीनी शक्ति का प्रतिकार करने के भारत के प्रयासों में श्रीलंका एक महत्वपूर्ण चौकी रहा है।

बढ़ती स्वास्थ्य समस्या के लिए जिम्मेदार कौन?

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

देश में बढ़ती जानलेवा बीमारियां, मानसिक तनाव, घटती जीवन प्रत्याशा और असमय मौत में हमारी आधुनिक जीवनशैली की खास भूमिका है। आधुनिक जीवनशैली जीने वाले युवाओं में दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती है। छोटे बच्चों से लेकर किशोरवयीन युवाओं तक खेलते हुए चक्कर आकर गिरने की घटनाएं आजकल देखने-सुनने मिलती है, बैठे-बैठे लोग चक्कर आकर गिर जाते है और चिकित्सक बताते है कि हृदयघात हुआ है। बहुत बार आवश्यक आपातकाल चिकित्सकीय सहायता न मिलने के कारण जान चली जाती है। आज हम वो खा-पी रहे हैं जो पशु के खाने लायक भी नहीं है। हमारे पारंपरिक खाद्य पदार्थों की जगह पाश्चिमात्य फास्ट फूड और अस्वास्थ्यकर आहार आ गया है। छोटी-सी जबान के जायके के लिए सम्पूर्ण शरीर को नुकसान पहुंचाया जाता है। ये बड़ी दुख की बात है, कि हम खाद्य व्यंजनों का चयन स्वाद के आधार पर करते है, जबकि ये सर्वदा स्वास्थ्य के आधार पर होने चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि अधिकतर लोग पेट भरने के लिए खाते है, लेकिन वे कितनी कैलरी, किस प्रकार, किस गुणवत्ता में ले रहे है, शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा लगातार बढ़ रही, पाचन तंत्र कमजोर हो रहा है, इसका विचार नहीं करते। भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी, अस्वच्छता, अशुद्ध हवा पानी, पर्याप्त नींद न लेना, बढ़ता वजन, व्यायाम की कमी, अशुद्ध वातावरण, शोर, काम का दबाव, घरेलू कलह, मानसिक तनाव, नशाखोरी से बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। मानवीय शरीर पहले के दशक के मुकाबले कमजोर प्रतीत हो रहा है, अब मौसम बदलते ही मानवीय शरीर को विविध बीमारियां जल्द जकड लेती है, क्योंकि रोग प्रतिकारक शक्ति कम हो रही है। तले हुए खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत मांस, अतिरिक्त चीनी वाले खाद्य पदार्थ व पेय, वसायुक्त खाद्य पदार्थ, नमकीन पदार्थ, मैदा युक्त पदार्थ, सोडा, उच्च वसायुक्त डेयरी उत्पाद, आइसक्रीम, ट्रांस वसा, मक्खन, लाल मांस, आलू चिप्स, फ्रेंच फ्राईज, कुकीज़, पाम तेल, पिज़्ज़ा, बेकन, बेक्ड उत्पाद, सफेद चावल, सफेद ब्रेड, पास्ता, सॉसेज, पॉलिश अनाज, डिब्बाबंद सूप या फ़ूड कंपनियों के प्रक्रिया किये गए पदार्थ, मानवीय शरीर के लिए अस्वास्थ्यकर होते है क्योंकि इनसे हमें आवश्यक पोषकतत्वों की जरुरत पूरी नहीं होती, इनका प्रयोग न हो तो बेहतर है, लेकिन चीनी और नमक का उपयोग बंद नहीं कर सकते, लेकिन मर्यादित करना या अन्य पर्याय जरुरी है। ये पदार्थ शरीर में स्लो पॉइजन के रूप में काम करते है और सीमा के बाहर होने पर शरीर में मौजूद ख़राब तत्व बढ़ते हुए मानवीय अंगो को विफल करते हुए घातक बीमारी में तब्दील हो जाते है। भारत में अधिकांश मौतों और विकलांगताओं के लिए हृदय संबंधी बीमारियाँ जिम्मेदार हैं। साल 2022 में भारतीयों में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। अस्वास्थ्यकर आहार, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह और अधिक वजन ये जोखिम अब देश में कुल बीमारी के बोझ का एक चौथाई हिस्सा है। गैर-संचारी रोग देश में होने वाली सभी मौतों में से 60 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। लगभग 5.8 मिलियन भारतीय हर साल हृदय और फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक, कैंसर और मधुमेह से जान गवांते है। कैंसर और मधुमेह की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ-साथ हृदय रोग दो दशकों से ज्यादा समय से भारत में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक रहा है। विश्व स्तर पर 2021 में सबसे बड़ा हत्यारा इस्केमिक हृदय रोग रहा, जो दुनिया में होने वाली सभी मौतों में से 13 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। 2022 में भारत में औसत जीवन प्रत्याशा 67.74 वर्ष थी। जबकि 2023 तक मोनाको में पुरुषों और महिलाओं के लिए 84 और 89 वर्ष थी, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, मकाऊ और जापान में पुरुषों और महिलाओं के लिए जीवन प्रत्याशा क्रमश 81 और 87 वर्ष है। ग्रामीण क्षेत्रों में 17 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 29 प्रतिशत बुजुर्गों को पुरानी बीमारियाँ हैं। उच्च रक्तचाप और मधुमेह सभी पुरानी बीमारियों का कुल 68 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह आश्चर्य की बात है कि हृदय रोग पश्चिम देशों की तुलना में भारत में 10-15 साल पहले होता है। भारत में हृदय रोगों के कारण 24.8 प्रतिशत मौतें होती हैं, इसके बाद श्वसन संबंधी 10.2 प्रतिशत मौतें होती हैं, जबकि जानलेवा और अन्य ट्यूमर के कारण 9.4 प्रतिशत मौतें होती हैं। लैंसेट अध्ययन में पाया गया कि 2019 में भारत में प्रदूषण के कारण 2.3 मिलियन से अधिक लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। यूनिसेफ और खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट अनुसार, भारत देश में 45 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं और हर साल पांच साल से कम उम्र के 6 लाख बच्चे अपर्याप्त शुद्ध जल आपूर्ति, पोषक भोजन की कमी और अस्वच्छता के कारण जान गवांते है। शुद्ध पानी की कमी के कारण हर साल लगभग 2 लाख मौतें होती हैं। भारत में तनाव का स्तर संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूके, जर्मनी, फ्रांस, चीन, ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में अधिक है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के नवीनतम 2023 इंडिया वेलनेस इंडेक्स के अध्ययनों के मुताबिक भारत में हर तीसरा व्यक्ति तनाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 77 प्रतिशत भारतीय नियमित आधार पर तनाव के कम से कम एक लक्षण का अनुभव करते हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है, प्रति 1,00,000 लोगों पर केवल 0.07 मनोचिकित्सक और 0.12 मनोचिकित्सक नर्सें हैं। अक्सर, इन पेशेवरों के पास अवसाद से निपटने के लिए बहुत कम या कोई प्रशिक्षण नहीं होता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन 2024 के अनुसार, दुनिया में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है, जो प्रति सप्ताह औसतन 45 घंटे से अधिक काम करते हैं, विशेषत निजी संस्थानों और व्यवसायों में। इसमें हमारा देश भूटान, लेबनान, लेसोथो, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान जैसे देशों से भी पीछे है। बड़े-बड़े कारखानों से रसायनयुक्त जहरीला पानी और धुंआ आसपास के वातावरण में जहर घोलता है। खेतों में भी बड़ी मात्रा में हानिकारक रासायनिक खादों का प्रयोग होता है। अभी हाल ही में नए अध्ययन से पता चला है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक प्रदूषण पैदा करता है। देश में सभी प्रकार के प्रदूषण की भी गंभीर समस्या बनी हुई है। हानिकारक अपशिष्ट, मिलावटखोरी की गंभीर समस्या में भी हम अग्रणी है। शहरों की सड़कों पर लोगों की संख्या से ज्यादा गाड़ियों का जाम नजर आता है। अधिकतर राज्यों की कबाड़ बनी सरकारी बस और स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित बसे भी प्रदूषण करती हुई चल रही है। शहरों से होकर बहने वाली अधिकतर नदियाँ तो नालों के स्वरूप में दिखती है।निर्माण स्थल, फैक्ट्री एरिया में अधिकतर मजदूर बगैर मास्क के धूल भरे वातावरण में कार्य करते है। घटते वन, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, कचरे के ढेर, ग्लोबल वार्मिंग ने जीव सृष्टि के लिए खतरा पैदा किया है। पूरे वर्ष पल-पल मौसम की स्थितियां बदलती रहती हैं, जिससे साल भर बीमारियों का वायरल चलता रहता है और देश में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद लगातार अस्पताल मरीजों से हाउसफुल रहते है। अब इसे नियमों का उल्लंघन कहे या लापरवाही लेकिन इसकी सजा हम सबके मानसिक- शारीरिक स्वास्थ्य को भुगतनी पड़ती है, आर्थिक नुकसान होता है वो अलग। क्या इसमें प्रशासन जिम्मेदार है जो मिलावटखोरी, प्रदूषण, भ्रष्टाचार पर पूर्णत नियंत्रण नहीं रख पा रहा है और सबके लिए पर्याप्त स्वास्थ सुविधा, पोषक आहार, शुध्द जल उपलब्ध नहीं कर पा रहा है।

सिद्धारमैया के गले की फ़ांस बना जमीन आबंटन

इरा झा

कर्नाटका में हालिया दो घटनाओं ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए खासी सियासी परेशानी खड़ी कर दी है। इनमें पहला मामला मुदा यानि मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण से सिद्धारमैया की पत्नी बी ऍम पार्वती को प्लाट आवंटन मामले में मुख्यमंत्री पर कार्रवाई की राज्यपाल द्वारा मंजूरी को कर्नाटका हाई कोर्ट द्वारा सही ठहराने का है। दूसरा मामला कर्नाटका में किसी भी मामले की जांच के लिए केंद्रीय जाँच ब्यूरो को दी गयी स्वतःस्फूर्त अनुमति राज्य सरकार द्वारा रद्द करने का है। इसे हाई कोर्ट द्वारा मुख्यमंत्री की याचिका ठुकराते हुए की गयी कड़ी टिप्पणियों के डर से उपजी कार्रवाई माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने हालांकि मुदा मामले में आरोप लगने पर एक सदस्यीय जांच समिति बनने का ऐलान किया था मगर अब विशेष अदालत ने मामला जांच के लिए लोकायुक्त को सौंप दिया है। सिद्धारमैया पर जाँच शुरू होने से सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर भी उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के गुट को बल मिलने के कयास लग रहे हैं। हालाँकि कांग्रेस आलाकमान अभी तक मुख्यमंत्री के साथ खड़ा दिख रहा है।

यूँ भी डीके को सत्ता सौंपने के लिए सिद्धारमैया के पास अभी एक साल की मोहलत है।गौरतलब है कि पिछले साल मई में कांग्रेस ने कर्नाटका विधान सभा चुनाव में सत्तारूढ़ बीजेपी के भ्रष्टाचार को ही मुद्दा बना कर भारी जीत और राज्य की सत्ता हासिल की थी। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार के गठन के साल भर में ही मुख्यमंत्री सिद्धारैया पर भ्रष्टाचार का आरोप लगने और राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा तीन एक्टिविस्टों द्वारा मुख्यमंत्री की शिकायत की जांच की आनन फानन मंजूरी देने से मामला खासा उलझ गया है। हालाँकि हाई कोर्ट के आदेश के बाद सिद्धारमैया ने बीजेपी पर बदले की राजनीति का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि वो और कांग्रेस पार्टी इस लड़ाई को लड़ कर जीत हासिल करेंगे। जबकि इससे पहले मामला उछलते ही बीजेपी के स्थानीय नेताओं ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए मैसूरू से बेंगलुरु तक पदयात्रा निकाल कर मुख्यमंत्री को जनता के सामने कठघरे में लाने की भी कोशिश की है। कथित मुदा घोटाला दरअसल मुख्यमंत्री की पत्नी श्रीमती पार्वती को साल 2022 में मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा विजय नगर ले आउट में 56 करोड़ रुपये मूल्य के 14 प्लाट आवंटित करने से जुड़ा है। ये प्लाट मुदा ने उन्हें मैसूरू के ग्रामीण क्षेत्र में उनकी 3.16 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवज में दिए हैं। आवंटन के समय बसवराज बोम्मई के मुख्यमंत्रित्व में राज्य में बीजेपी की सरकार थी। इसके बावजूद सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, पत्नी के भाई और चुनीन्दा अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने मिलकर सरकारी योजना में घोटाला किया है। एक्टिविस्ट टी। जे। अब्राहम, प्रदीप कुमार एस पी और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सिद्धारैया ने मुदा अधिकारियों की मिलीभगत से महंगे प्लाट फर्जी दस्तावेज लगाकर हासिल किये हैं। पार्वती की जमीन केसारू गांव में थी। साल 2005 में इस जमीन को सिद्धारमैया के बहनोई मल्लिकार्जुन ने देवराज से लिया था। फिर मल्लिकार्जुन ने साल 2010 में वह जमीन पार्वती को उपहार में दे दी। बाद में किसी मंजूनाथ स्वामी ने मैसूर के डिप्टी कमिश्नर को चिट्ठी लिखकर केसारू गांव की उस जमीन को अपनी पैतृक संपत्ति बताया। स्वामी ने दावा किया कि उसके चाचा देवराज ने धोखे से उस जमीन पर कब्जा करके उसे सिद्धारमैया के बहनोई मल्लिकार्जुन को बेच दिया है। सिद्धारमैया की पत्नी ने 2013 में मुदा को दी गयी दरख्वास्त में कहा था कि उनकी भूमि का अधिग्रहण करके प्राधिकरण ने उस पर निर्माण किया था। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए वे 50:50 के अनुपात में वैकल्पिक प्लाट पाने की हकदार हैं। उस समय सिद्धारमैया राज्य के मुख्यमंत्री थे और तत्कालीन नियम के अनुसार क्षतिपूर्ति का अनुपात 60:40 था। आरोप है कि इसके तुरंत बाद साल 2015 में ही 50:50 के अनुपात में क्षतिपूर्ति प्लाट देने के लिए नियम में संशोधन कर दिया गया। इन आरोपों के मद्देनज़र मामले की निष्पक्ष जाँच राज्य सरकार और कांग्रेस का इकबाल बचाने के लिए ज़रूरी है। कर्नाटका हाईकोर्ट ने भी सिद्धारमैया की दलील ठुकराते हुए कहा है कि मामले की जांच जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल ने अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए सही फैसला लिया है। कोर्ट ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17 ए के तहत केस दर्ज कर जांच करने की मंजूरी दे दी। सिद्धारमैया के पास अब सुप्रीम कोर्ट में अपील का रास्ता है। सिद्धारमैया की याचिका की सुनवाई कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम नागप्रसन्ना की पीठ ने की। पीठ ने साफ कहा कि, राज्यपाल असाधारण परिस्थितियों में स्वतंत्र निर्णय कर सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 163 के अनुसार राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना होता है, लेकिन असाधारण परिस्थियों में वो खुद फैसला ले सकते हैं। मौजूदा मामला ऐसा ही है इसलिए उनका आदेश विवेकहीन नहीं है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 17 अगस्त को सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी दी थी। इसके खिलाफ सिद्धारमैया ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा था कि राज्यपाल ने राजनीतिक बदले के लिए जांच की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने संवैधानिक नियमों के खिलाफ आदेश दिया है मगर हाई कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने ये कह कर मुख्यमंत्री कि मुश्किल बढ़ा दी कि यह स्वीकार करना मुश्किल है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मुदा जमीन के लेनदेन के दौरान पर्दे के पीछे नहीं थे। इसलिए मुख्यमंत्री की जांच के लिए भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17 ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत राज्यपाल की मंजूरी को अदालत ने सही ठहराया है। अब मुदा मामले की जाँच लोकायुक्त को सौंपे जाने से सिद्धारमैया की मुश्किल बढ़ सकती हैं। ऐसे में यदि वे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने सुप्रीम कोर्ट जाते हैं तो उन्हें वहां से लोकायुक्त जाँच रुकवाने की दरख्वास्त भी करनी होगी। कुल मिलकर डेढ़ साल पहले विधान सभा चुनाव बुरी तरह हारने वाली बीजेपी को इस मामले से संजीवनी मिलती दिखाई दे रही है। हालाँकि सिद्धारमैया के हाथ में वीर शैव लिंगायतों द्वारा खुद को लिंगायतों से अलग समुदाय मानने की मांग का तुरुप का इक्का अभी बाकी है। खुद पर से ध्यान हटाने के लिए वे कभी भी इस विवाद को तूल देकर बीजेपी के वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं। उन्होंने २०१८ से पहले भी अपनी सरकार के दौरान वीर शैवों कि मांग का समर्थन करके बीजेपी को सुरक्षात्मक कर दिया था।

इसके अलावा बीजेपी नेताओं पर भ्रष्टाचार के मामलों पर कार्रवाई को गति देकर भी सिद्धारमैया बीजेपी से लोहा ले सकते हैं। उधर बीजेपी की राज्य इकाई में पूर्व मुख्यमंत्री येद्दियुरप्पा के बेटे और प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेन्द्र के खिलाफ उठ रही आवाजों को हवा देकर भी कांग्रेस द्वारा बीजेपी के खिलाफ नैरेटिव बनाया जा सकता है। फिर भी यदि मुदा मामला गरमाया रहा तो सिद्धारमैया को डी के शिवकुमार के लिए ढाई साल कि अवधि पूरी होने से पहले ही मुख्यमंत्री कि कुर्सी छोडनी पड़ सकती है। उस स्थिति में सिद्धारमैया की राजनीतिक पारी पर पूर्ण विराम भी लग सकता है।

क्या संपत्ति का ब्योरा देने वाला कानून जजों पर लागू नहीं होना चाहिए?

रामस्वरूप रावतसरे

मोदी सरकार 2.0 के अंतिम दिनों में देश के सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्यौरा अनिवार्य रूप से सार्वजनिक करने को लेकर नियम बनाने की बात कही गई थी। इस संबंध में दिवंगत राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति को सरकार ने फरवरी, 2024 में नियम बनाने की जानकारी दी थी। देश में वर्तमान में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों का अपनी संपत्ति का ब्यौरा जनता के सामने रखना अनिवार्य नहीं है। इसी कड़ी में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हाई कोर्ट के लगभग 87 प्रतिशत जजों की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। देश के सुप्रीम कोर्ट के जजों का संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक नहीं है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर भी यह जानकारी दी गई थी कि यहाँ सेवाएँ देने वाले 27 जजों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इन जजों के नाम बताए थे लेकिन संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक पटल पर नहीं रखा गया था। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में देश के अलग-अलग 25 हाई कोर्ट में 749 जज सेवाएँ दे रहे हैं। इनमें से मात्र 98 की संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक तौर पर मौजूद है। इन 98 जजों की संपत्ति का ब्यौरा उन हाई कोर्ट की वेबसाइट पर डाला गया है जहाँ यह वर्तमान में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली हाई कोर्ट के 39 में से 11, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के 55 में से 31, हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 और केरल के 39 में से 37 जजों की अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक पटल पर रखा गया है। इनके अलावा मद्रास हाई कोर्ट के 62 में से 5, छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के 17 में से 2 और कर्नाटक हाई कोर्ट के 50 में से 2 जजों की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार देश के बाकी 18 हाई कोर्ट के एक भी जज की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसमें जजों की सबसे बड़ी संख्या वाले इलाहाबाद और बॉम्बे हाई कोर्ट भी शामिल हैं। रिपोर्ट का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि किसी भी हाई कोर्ट के 100 प्रतिशत जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जिन हाई कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं है, उन्हें आरटीआई भी भेजी गई है। आरटीआई के जवाब में अधिकांश हाई कोर्ट ने जजों की संपत्ति का खुलासा ना करने को लकर अलग-अलग कारण बताए हैं। जहाँ बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि वह आरटीआई की परिभाषा के तहत नहीं आता तो वहीं उत्तराखंड हाई कोर्ट ने जजों की संपत्ति का ब्यौरा आरटीआई के तहत लाने पर ऐतराज जताया है। गुवाहाटी हाई कोर्ट ने कहा है कि उसे जजों की संपत्ति घोषित करने में कोई 'जनहित' नहीं दिखाई पड़ता। अन्य हाई कोर्ट ने भी कमोबेश ऐसे ही जवाब दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट बताती है कि उसकी एक फुल बेंच ने यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था कि प्रत्येक जज को अपनी संपत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को देना होगा. इसके अलावा उन्हें किसी बड़ी खरीद-फरोख्त का ब्यौरा भी देना होगा हालाँकि, यह जानकारी वेबसाइट पर डाल कर सार्वजनिक करना उनकी मर्जी की बात होगी। जिस निर्णय की सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर बात की गई है, वह वर्ष 1997 में लिया गया था। इस दौरान कहा गया था कि जजों को अपने घरों और बाकी संपत्तियों की जानकारी चीफ जस्टिस को देनी होगी। इसमें उनके पति/पत्नी और उन पर आश्रित लोगों की संपत्ति का ब्यौरा भी होता। संपत्ति का ब्यौरा वेबसाइट पर अपलोड कर उसे सार्वजनिक करने को लेकर 2009 में सुप्रीम कोर्ट की फुल बेंच ने एक और निर्णय लिया था। कहा गया था कि सभी जज अपनी संपत्ति का ब्यौरा वेबसाइट पर डालेंगे लेकिन इसमें यह भी कहा गया था कि यह जजों की स्वेच्छा पर निर्भर होगा। देश के हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति के सार्वजनिक किए जाने की माँग लम्बे समय से उठती रही है। तर्क दिया जाता रहा है कि जज भी एक सार्वजनिक पद है और ऐसे में उसकी शुचिता अनिवार्य है। पूर्व में भी हाई कोर्ट के जजों पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने के आरोप लगते आए हैं। 2008 के ऐसे ही एक मामले में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की पूर्व जज निर्मला यादव पर 15 लाख की रिश्वत लेने के आरोप लगे थे। यह 15 लाख की रिश्वत एक जमीनी विवाद में फैसला दिए जाने को लेकर दी गई थी । इस रिश्वत से भरा हुआ एक बैग निर्मला यादव के घर भेजा जाना था लेकिन गलती से यह दूसरे जज के पास पहुँच गया और भेद खुल गया। वर्तमान में इस मामले की सुनवाई अंतिम चरण में बताई जा रही है। इसी तरह के एक और मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व जज एसएन शुक्ला और उनकी पत्नी पर आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में भी सीबीआई जाँच और मुकदमा चल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय हीरो का महोत्सव

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज रमेश के जीवन का सबसे महान दिन था। वह दिन जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। ऐसा खुशनुमा दिन उसकी किस्मत में होगा, ये तो उसने सपने में भी नहीं सोचा था। पर आज सब कुछ हकीकत था। रमेश बार-बार अपनी आंखें मसल रहा था, कहीं ये सपना तो नहीं। मंच, कुर्सियां, सजावट और बड़ी-बड़ी हस्तियों की भीड़... ये सब सच में उसके सामने थे। वह मंच पर खड़ा, सबको टकटकी लगाए देख रहा था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या ये वही लोग हैं, जो कल तक उसे देखकर भी अनदेखा कर देते थे? उसे ऐसा लग रहा था मानो वह कोई महान व्यक्तित्व है और ये सब उसकी पूजा-अर्चना करने आए हैं। मन में जो विचार उठे, जैसे कि वही होने लगा। माननीय मंत्रीजी ने पहले उसके माथे पर तिलक लगाया, फिर सुंदर माला पहनाई, और उसके बाद एक शानदार शॉल ओढ़ाई। धीरे-धीरे वहां मौजूद लोग उसके मुंह में मिठाई ठूंसने लगे। रमेश को कुछ समझ नहीं आया कि ये हो क्या रहा है। उसने सोचा कि कुछ पूछे, पर मुंह तो मिठाइयों से भरा था, बस आंखें फटी रह गईं। जैसे कोई फिल्म का सीन फ्रीज़ कर दिया गया हो। लेकिन अंदर ही अंदर जीभ बेचारे मुंह को व्यवस्थित करने का प्रयास कर रही थी, और रमेश अपने जीवन में पहली बार इतना मीठा स्वाद चखकर रोमांचित हो रहा था। कुछ समझ में तब आया जब लोग उससे हाथ मिलाकर उसे 'हीरो दिवस' की बधाई देने लगे। अब रमेश को समझ में आया कि मामला क्या है। कल तक जो लोग उससे ढंग से बात नहीं करते थे, आज उसे 'रमेशजी' कहकर संबोधित कर रहे थे। मन में शक पैदा हुआ कि कहीं बकरे को हलाल करने से पहले का ये तामझाम तो नहीं? पर हिम्मत करके कुछ बोलने का साहस नहीं हुआ। भीड़ में जोश था, मंच के सामने लंबी कतारें लगी थीं। सब मजदूर थे, ठीक उसकी तरह। धूप में तपते हुए लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, मानो उनके जीवन का सुनहरा अवसर आ गया हो। वह अपने दिल में एक ही सवाल लेकर खड़ा था: क्या आज हम सबका भी सम्मान होगा? इसी बीच नेताजी का भाषण शुरू हो गया। सारा माहौल एकदम शांत हो गया। नेताजी ने बड़ी ही शान से कहा, हमारे रमेश जैसे हीरो, हमारे देश की असली ताकत हैं।

मासिक शिवरात्रि के दिन इस शुभ संयोग में करें पूजा

इस बार मासिक शिवरात्रि का सोमवार के दिन पड़ना बहुत ही शुभ माना जाता है। क्योंकि इस दिन सोमवार के दिन और मासिक शिवरात्रि का विशेष संयोग बन रहा है। जिसमें पूजा करना बहुत ही उत्तम माना जा रहा है।

हिन्दू धर्म में मासिक शिवरात्रि का पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और घर में खुशहाली की कामना से भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए व्रत रखती हैं और कुंवारी लड़कियां शीघ्र विवाह और मनचाहा वर पाने के लिए मासिक शिवरात्रि पर महादेव संग मां पार्वती की पूजा करती हैं। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है और इस दिन विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं।

मासिक शिवरात्रि पर कुछ खास तरह का संयोग बनते है, जिसके कारण पूजा का समय सीमित हो जाता है। यह संयोग ग्रहों की स्थिति और तिथियों के मिलने से बनता है। ऐसा माना जाता है कि इस विशेष समय में की गई पूजा का फल बहुत अधिक होता है। इस बार मासिक शिवरात्रि पर शुभ संयोग में पूजा के लिए सिर्फ 48 मिनट का समय मिलेगा।

पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 30 सितंबर को शाम 07 बजकर 06 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 01 अक्टूबर को रात 09 बजकर 39 मिनट पर समाप्त होगी। मासिक शिवरात्रि पर निशा काल में शिव-शक्ति की पूजा की जाती है। 30 सितंबर को आश्विन माह की शिवरात्रि मनाई जाएगी। मासिक शिवरात्रि पर पूजा का समय देर रात 11 बजकर 47 मिनट से लेकर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। यानि पूजा के लिए सिर्फ 48 मिनट का समय मिलेगा।

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि

मासिक शिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करके साफ कपड़े धारण करें।

घर में किसी साफ स्थान पर भोलेनाथ का शिवलिंग स्थापित करें।

शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी आदि से अभिषेक करें।

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएं और धूप और दीपक जलाएं।

पूजा के समय ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते रहें।

भगवान शिव की आरती करें और फल-फूल चढ़ाएं।

पूजा के समय मासिक शिवरात्रि की कथा अवश्य सुनें।

पूजा के अंत में गरीबों और जरूरतमंद लोगों को दान भी करें।

इन मंत्रों का करें जाप

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात॥

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं
पुष्टिवर्धनम्उर्वारुकमिव बन्धनान
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात॥

शुभ संयोग का महत्व

मासिक शिवरात्रि का शुभ संयोग भगवान शिव की विशेष कृपा पाने का एक सुनहरा अवसर होता है। इस विशेष समय में की गई पूजा से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। क्योंकि इस संयोग में की गई पूजा का फल बहुत अधिक होता है। इस संयोग में की गई पूजा से लोगों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जाने वाले जीवन में सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

रुद्राक्ष पहनकर गलती से भी इन 5 जगहों पर न जाएं

रुद्राक्ष के नियम

शास्त्रों और धर्म पुराणों में रुद्राक्ष को बहुत ही शुभ माना गया है। कहते हैं कि रुद्राक्ष धारण करने से मनुष्य को मानसिक शांति के साथ ही कई परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है। लेकिन रुद्राक्ष तभी लाभदायक साबित होगा जब इससे जुड़े नियमों का सही प्रकार से पालन किया जाएगा।

मृत्यु वाली जगह पर न पहनें रुद्राक्ष

यदि किसी व्यक्ति ने रुद्राक्ष धारण किया हुआ है तो इस बात का खास ध्यान रखे कि रुद्राक्ष पहनकर मृत्यु वाली जगह पर नहीं जाना चाहिए। यानि यदि किसी रिश्तेदार या जानकार की शोक सभा में जाना है तो रुद्राक्ष को घर पर उतारकर ही जाना चाहिए।

मांस-मंदिरा वाले स्थान पर

रुद्राक्ष पहनकर ऐसी किसी जगह पर न जाएं जहां मांसमदिरा का सेवन किया जाता है। ऐसा करने से रुद्राक्ष अशुद्ध हो जाता है और आपको फायदे की बजाय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

बच्चे के जन्म के स्थान पर

धर्म शास्त्रों के अनुसार रुद्राक्ष पहनकर उस जगह पर भी नहीं जाना चाहिए, जहां किसी बच्चे का जन्म हुआ हो। क्योंकि जहां बच्चे का जन्म होता है वहां एक माह के लिए सौवर माना जाता है। इसलिए वहां रुद्राक्ष पहनना वर्जित माना गया है।

बिस्तर पर न पहनें रुद्राक्ष

यदि आपने रुद्राक्ष धारण किया हुआ है तो इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय रुद्राक्ष को गले से उतार देना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार सोते समय मनुष्य का शरीर अशुद्ध होता है इसलिए रुद्राक्ष पहनकर नहीं सोना चाहिए।

गलत जगहों पर

शास्त्रों के अनुसार रुद्राक्ष को गलती से भी ऐसी जगह पहनकर नहीं जाना चाहिए जहां गलत काम होते हों। ऐसा करने से रुद्राक्ष का प्रभाव समाप्त हो जाता है और वह अशुद्ध हो जाता है।

महाभारत : किस तरह नहाती थीं रानियां, कैसे होता था द्रौपदी का स्नान, क्या था अवभृत स्नान

महाभारत काल में रानियां स्नान करने के लिए दलबल के साथ नदी की ओर जाती थीं। कई स्नान अनुष्ठान पूर्वक हुआ करते थे। द्रौपदी के स्नान के लिए गंगा नदी जाने के बारे महाभारत में कई जगह बताया गया है। उस दौर के ग्रंथों में स्नान के बारे जो बताया गया है। वो हम आपको बताते हैं।

महाभारत की मुख्य स्त्री पात्रों में एक द्रौपदी अपनी भक्ति और अनुष्ठानों के लिए जानी जाती हैं। वह हस्तिनापुर में पांडेश्वर महादेव मंदिर के पास एक पवित्र जलधारा में प्रतिदिन स्नान करती थीं, जहां वह शिव की पूजा करती थीं। ये जगह अब भी हस्तिनापुर में मौजूद है। ये मंदिर उनकी आध्यात्मिक प्रथाओं के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान था, जो दिखाता है कि स्नान और शुद्धिकरण अनुष्ठान उनके दैनिक जीवन के महत्वपूर्ण पहलू थे।

सुबह तड़के ही होता था स्नान

द्रौपदी महल से सुबह दासियों के साथ नदी की ओर नहाने के लिए जाती थीं। आमतौर पर तब राजमहल की स्त्रियों के लिए एक घाट निश्चित होता था, जहां कोई और स्नान के लिए नहीं जा सकता था। रानियों के नहाने के समय आसपास सुरक्षा भी काफी बढ़ जाती थी। द्रौपदी आमतौर पर स्नान से पहले कुछ खास परंपराओं का पालन करती थीं। इसमें उबटन लगाने से लेकर सुगंधित लेप लगाना आदि होता है।

सुगंधित जल और फूलों का उपयोग

कई स्नान महल के अंदर खासतौर पर बनाए गए छोटे सरोवर या कुंड में होते थे। बार कुछ स्नान ऐसे होते थे जो मंत्रोच्चारण के बीच होते थे। स्नान खास अनुष्ठानों के बीच होता था। जिसमें सुगंधित जल और फूलों का उपयोग शामिल था। हम्पी में जहां रानी के स्नानगृह को इस तरह बनाया गया है कि शाही महिलाएं शानदार कक्ष में आराम से स्नान का आनंद ले सकें।

दैनिक स्नानः स्नान को एक आवश्यक दैनिक अनुष्ठान माना जाता था, विशेष रूप से सुबह (ब्रह्म मुहूर्त) जैसे शुभ समय पर। ऐसा माना जाता रानियां भी सुबह होने से पहले ही स्नान कर लेती थीं। क्योंकि इसके बाद रोजाना के काम और धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो जाते थे।

अनुष्ठान स्नानः स्नान न केवल स्वच्छता का मामला था, बल्कि एक अनुष्ठानिक अभ्यास भी था। धार्मिक कर्तव्यों या अनुष्ठानों को करने से पहले व्यक्तियों के लिए स्नान करना आम बात थी, क्योंकि ईश्वर से जुड़ने के लिए पवित्रता आवश्यक थी।स्नान शुभ समय और स्थितियों से जुड़े होते थे।

कई बार स्नान से पहले कई खास अनुष्ठान होते थे।

स्नान के बाद रानियों और दासियों से कुछ नियमों का पालन करने की अपेक्षा की जाती थी, जैसे कि तुरंत बाद अपने अंगों पर तेल नहीं लगाना। यह सुनिश्चित करना कि वे गीले कपड़े न पहनें।

महाभारत काल में होता था अवभृत स्नान

महाभारत काल में रानियों के स्नान कई तरह के होते थे। इसी में एक था अवभृत स्नान। अवभृत स्नान भी नदी के तट पर होने वाले महत्वपूर्ण वैदिक समारोहों का एक हिस्सा था। इस आयोजन को सार्वजनिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, जिसमें नागरिक और देवता स्नान समारोह में शामिल होने के दौरान आशीर्वाद और फूल बरसाते थे। इस अनुष्ठान में पानी, तेल, दूध, मक्खन और दही जैसे कई तरल पदार्थों का उपयोग किया जाता था, जिन्हें हल्दी और केसर के साथ मिलाकर उत्सव के माहौल को बढ़ाया जाता था। द्रौपदी सहित रानियों को रंगीन वस्त्र पहनाए जाते थे। गहनों से सजाया जाता था, फिर वो इस उत्सव में हिस्सा लेती थीं।

फिर नागरिक गंगा में स्नान करते थे

राजसी जोड़े के अवभृत स्नान के बाद हस्तिनापुर के नागरिक भी गंगा में स्नान करते थे। यह स्नान प्रथा न केवल व्यक्तिगत शुद्धि थी, बल्कि शाही आयोजनों के प्रति समर्पण और उत्सव का सार्वजनिक प्रदर्शन भी।

वैसे महाभारत काल में नदियों या झीलों के पानी में स्नान पवित्र माना जाता था। इन जल निकायों में स्नान करने का कार्य एक शुद्धिकरण अनुष्ठान और आध्यात्मिक अभ्यास दोनों रहा होगा।

महाभारत में द्रौपदी के स्नान से जुड़ा किस्सा

एक बार द्रौपदी अपने महल के पास एक नदी में स्नान करने जा रही थी। उसके साथ महल में उसके लिए काम करने वाली अन्य दासियां भी थीं। यह उनकी दैनिक दिनचर्या थी। उस दिन उसने एक ऋषि को उसी नदी में स्नान करते देखा, जहां वह स्नान करने जाती थीं। द्रौपदी ने दासियों के साथ ऋषि के बाहर आने तक प्रतीक्षा करने का फैसला किया। ऋषि ने उसे और अन्य लड़कियों को एक पेड़ की छाया में खड़े देखा। उन्होंने ऋषि के बाहर आने के लिए कुछ देर तक प्रतीक्षा की, लेकिन अधिक प्रतीक्षा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि दिन बहुत गर्म था। उन्होंने ऋषि से बाहर आने का अनुरोध किया।

ऋषि ने जवाब दिया, 'मेरे कपड़े, जो मैंने नदी के तट पर रखे थे, चोरी हो गए हैं। इसलिए मैं बाहर नहीं आ सकता'। द्रौपदी को छोड़कर सभी लड़कियां खिलखिलाकर हंसने लगीं। द्रौपदी ने कहा, 'मैं अपनी साड़ी का एक हिस्सा फाड़कर आपकी ओर फेंकूंगी ताकि आप उसे पकड़ें, अपने शरीर पर लपेटें और बाहर आ जाएं'। ऋषि सहमत हो गए।

द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक हिस्सा फाड़कर ऋषि की ओर फेंक दिया। ऋषि उसे पकड़ नहीं पाए। कपड़े का वह टुकड़ा नदी की धारा के साथ बह गया। उन्होंने अपनी साड़ी का दूसरा हिस्सा फाड़ा। फिर से ऋषि की ओर फेंका। ऋषि फिर उसे पकड़ नहीं पाए। जब वह तीसरी बार अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़ने जा रही थीं, तो ऋषि ने उसे रोक दिया।

उन्होंने कहा, 'यदि आप अपनी साड़ी का एक और हिस्सा फाड़ती हैं, तो आपके पास खुद को ढकने के लिए शायद ही कुछ बचेगा लेकिन फिर भी आप मेरी मदद करना चाहती हैं तो अपने साथ आई दासियों में से किसी से कपड़े का एक टुकड़ा मांग सकती थीं, लेकिन न तो आपने उनसे पूछा और न ही उनमें से किसी ने मदद की। इसके बजाय सभी मेरी स्थिति का मज़ाक उड़ा रही थीं।'

सभी लड़कियों ने हँसना बंद कर दिया और खेद महसूस करना शुरू कर दिया। ऋषि ने आगे कहा, 'द्रौपदी मैं तुम्हें वरदान देता हूं कि अगर कोई भी तुम्हारे कपड़े उतारकर तुम्हारा गौरव छीनने की कोशिश करेगा, तो वह कभी सफल नहीं होगा।'

द्यत क्रीड़ा सभागृह में जब दुशासन ने द्रौपदी की साड़ी खींचीं तो इसीलिए वो खींचती चली गई। हांलाकि महाभारत ये भी कहती है कि ऐसा भगवान श्रीकृष्ण की वजह से हुआ।

3 अक्टूबर से शुरू होगी आश्विन मास की नवरात्रि

गुरुवार, 3 अक्टूबर से शारदीय यानी आश्विन मास की नवरात्रि शुरू हो रही है। इस साल नवरात्रि की तिथियों में घट-बढ़ रहेगी, लेकिन नवरात्रि पूरे नौ दिन की ही रहेगी। 11 अक्टूबर को दुर्गा अष्टमी और दुर्गा नवमी एक ही दिन मनेगी। हालांकि की तिथियों की तारीखों को लेकर पंचांग भेद भी हैं।

देवी दुर्गा की पूजा के महापर्व में 7 और 8 अक्टूबर को पंचमी तिथि रहेगी। इसके बाद अष्टमी और नवमी तिथि एक ही दिन 11 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

अब जानिए किस दिन कौन सी देवी की करें पूजा

3 अक्टूबर को मां शैलपुत्री, 4 को मां ब्रह्मचारिणी, 5 को मां चंद्रघंटा, 6 को मां कूष्मांडा, 7 को मां स्कंदमाता, 8 को मां कात्यायनी, 9 को मां कालरात्रि, 10 को मां सिद्धिदात्री और 11 को मां महागौरी की पूजा करें। इसके बाद 12 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा।

देवी पूजा में किन बातों का ध्यान रखें

देवी दुर्गा की पूजा में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नवरात्रि के दिनों में घर की रोज साफ-सफाई जरूर करें। घर में गोमूत्र और गंगाजल का छिड़काव करें। घर के बाहर रंगोली बनाएं। मुख्य द्वार पर वंदनवार लगाएं। घर के मंदिर में गणेश जी, शिव जी और देवी दुर्गा का अभिषेक करें। अभिषेक जल और दूध से करें। भगवान को दूर्वा, बिल्व पत्र, फूलों का हार, गुलाब, कमल जरूर चढ़ाएं।

देवी दुर्गा के मंत्र ऊँ दुं दुर्गायै नमः का जप कम से कम 108 बार करें। मंत्र जप के लिए रुद्राक्ष की माला का उपयोग करें।

नवरात्रि के दिनों में देवी के शक्तिपीठों में दर्शन-पूजन करें। अपने शहर में या शहर के आसपास के देवी के पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में दर्शन करें।

देवी पूजा के साथ ही छोटी कन्याओं की भी पूजा करें। कन्याओं को भोजन कराएं, उन्हें पढ़ाई की चीजें दान करें।

रोज सूर्यास्त के बाद घर के बाहर दीपक लगाएं। तुलसी के पास दीपक जलाएं।

देवी दुर्गा को सुहाग का सामान जैसे चूड़ियां, लाल चुनरी, कुमकुम, सिंदूर, बिंदिया अर्पित करें।

कई लोग नवरात्रि के नौ दिनों में व्रत-उपवास करते हैं। जो लोग भूखे नहीं रह पाते हैं, वे फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों के रस का सेवन कर सकते हैं।

पितृ पक्ष में कौए का घर में आना किस बात का संकेत? पानी पीते देखना भी विशेष, माना जाता है पितरों का संदेश

कौए का आपके घर आना

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कौए यदि आपके घर आते हैं तो जरूर कोई ना कोई संदेश लेकर आते हैं क्योंकि इन्हें धरती और यमलोक को जोड़ने वाला दूत भी माना जाता है। ये आपके पितरों का संदेश लाते भी हैं और आपका संदेश पितृ लोक तक पहुंचाते भी हैं।

कौए को पानी पीते देखना

यदि आप पितृ पक्ष के दौरान किसी कौए को पानी पीते हुए देखते हैं तो समझ जाइए कि आपकी जिंदगी की समस्याएं अब खत्म होने वाली हैं। इसके अलावा कौए को पानी पीते देखने का संकेत है कि आपके घर में शांति और सुख-समृद्धि आने वाली है।

कौए का सिर पर बैठने का संकेत

धार्मिक मान्यता है कि यदि कौआ किसी के सिर पर बैठता है तो उसकी मृत्यु टल जाती है। हालांकि, इसके लिए आपको उस व्यक्ति की

मृत्यु की झूठी खबर अपने रिश्तोदारों को देनी होगी। आपके ऐसा करने से उस पर आने वाला काल टल सकता है।

कौए का चोंच में रोटी दबाना

यदि आप किसी कौए को चोंच में रोटी दबाते हुए देखते हैं या फिर कोई कौआ अपनी चोंच में रोटी दबाकर आपके घर या आंगन में ले आया है तो यह संकेत है कि आपके पितर आपसे खुश हैं। यह संकेत देता है कि आने वाले दिनों में आप पर धन-धान्य की कमी नहीं रहने वाली है।

आइटम नंबर करने को लेकर अनन्या ने जाहिर की अपनी राय

अनन्या पांडे हिंदी फिल्मों के दुनिया की एक जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से एक हैं, जिन्हें काफी चर्चा मिलती हैं। वह बीते कुछ समय से लगातार अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी डेब्यू ओटीटी सीरीज कॉल मी बे को लेकर वह काफी चर्चा में रही थीं। अब वह नेटफ्लिक्स की अपनी आगामी फिल्म 'कंट्रोल' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने फिल्मों में आइटम नंबर करने को लेकर बात की है।

आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत - अनन्या

अपने पांच साल के फिल्मी करियर में अनन्या पांडे बॉलीवुड की सबसे चर्चित स्टार किड्स में से एक बन गई हैं। उन्होंने खो गए हम कहां, लाइगर, पति पत्नी और वो आदि कुछ फिल्मों में अपने अभिनय से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। हाल में ही उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक इंटरव्यू में आइटम नंबर करने को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के कई और तरीके हैं। उन्होंने कहा कि डांस नंबर के इरादे के आधार पर अपना फैसला लेंगी। उन्होंने आगे कहा उन आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है और ऐसे कई तरीके हैं जिनके माध्यम से इसे एक अलग और महत्वपूर्ण रूप में दिखाया जा सकता है।

अगर किरदार को सम्मान नहीं, तो नहीं करेंगी आइटम नंबर 'कॉल मी बे' स्टार ने कहा कि अगर उनका किरदार एक सशक्त लड़की का है, उसे बहुत ज्यादा अश्लील नहीं बनाया जा रहा है, तो वह आइटम नंबर कर सकती हैं। अगर उनके किरदार को सम्मान नहीं दिया जा रहा है, तो वह इसे करने से मना कर देंगी। अनन्या ने आगे कहा, ₹सेक्सी होने के कई तरीके हैं, लेकिन अश्लीलता या ऑब्जेक्टिफाइड नहीं होना चाहिए। पुरुषों के साथ भी यही होता है, आप उन्हें अपनी शर्ट उतारने के लिए कहते है, तो उन्हें भी ऑब्जेक्टिफाइड किया जाता है।₹ अभिनेत्री ने इसमें जोड़ते हुए कहा कि इसे मनोरंजन के रूप में भी देखा जा सकता है, लेकिन समस्या नकारात्मक तत्वों के महिमामंडन से है।

चार अक्तूबर को रिलीज होगी 'कंट्रोल'

अनन्या पांडे इन दिनों अपने आगामी फिल्म कंट्रोल को लेकर चर्चा में हैं। उनकी ये फिल्म एक साइबर थ्रिलर होने वाली है, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। फिल्म चार अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'कंट्रोल' में वह विहान सामत के साथ नजर आने वाली हैं। इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी डेब्यू प्राइम वीडियो सीरीज 'कॉल मी बे' में भी दोनों ने साथ काम किया था।

कल्कि ने किया चौंकाने वाला खुलासा
बोलीं- 'हां मैं शादीशुदा हूं और मेरी एक बेटी है'

अभिनेत्री कल्कि केकलां ने अपने बॉयफ्रेंड गाय हर्शबर्ग के साथ शादी करने को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने कहा कि वह शादीशुदा हैं और उनकी एक बेटी है। आपको बता दें कि हाल ही में कल्कि ने एक बातचीत के दौरान कहा था कि उनका अपने बॉयफ्रेंड से शादी का कोई प्लान नहीं है, लेकिन अब उन्होंने कहा है कि वह शादी कर चुकी हैं और अपनी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं।

कल्कि केकलां ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया है कि वह शादीशुदा हैं और उनकी चार साल की एक बेटी भी है। कल्कि ने कहा कि उन्होंने हर्शबर्ग से शादी कर ली है। मुझे बिना शादी के ही बच्ची होने को लेकर ट्रोल किया जाता था, लेकिन अब मेरे पास इस सब बातों के लिए समय नहीं है। कल्कि ने कहा, 'अब मैं शादीशुदा हूं और मेरी एक बेटी भी है। मुझे नहीं लगता कि मेरे पास इन सब बेकार बातों के लिए समय है। मुझे ऐसा लगता है कि ऐसा पहले होता था, हमारी अपनी कुछ सीमाएं और नियम होने चाहिए'। कल्कि ने कहा कि एक ऐसा इंसान मिलना बहुत मुश्किल है जिसके साथ आप अच्छा महसूस करें। साथ ही वो किनारे पर खड़ा हो, जब आपके साथ सेल्फी ली जा रही हो।

अनुराग कश्यप से शादी को लेकर बोलीं कल्कि

कल्कि केकलां ने अपनी पहली शादी को लेकर बात की है। कल्कि ने कहा, 'मैं मानती हूं, तब मैं बहुत छोटी थी और मुझे ये सब बहुत मुश्किल लगता था। मैं हमेशा उनके साथ एक ऐसी जगह पर जाना चाहती थी, जो किसी की भी पहुंच के बाहर हो, लेकिन अब मुझे लगता है कि ये सब जीवन का हिस्सा है। अब मैं अपने जीवन को बहुत ही निजी रखना पसंद करती हूं'। बता दें कि कल्कि केकलां ने निर्देशक अनुराग कश्यप से साल 2011 में शादी की थी। साल 2015 में दोनों का तलाक हो गया था।

निर्माता को अदालत ने सुनाई तीन साल की सजा
अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा पर चाकू से किया था वार

मुंबई की एक सत्र अदालत ने हाल ही में निर्माता योगेश सिंह को अक्टूबर 2020 में अंधेरी इलाके में मॉडल और टीवी अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा को चाकू मारने का दोषी पाया। इसके बाद उसे तीन साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में कहा कि आरोपी निर्माता और महिला एक-दूसरे से परिचित थे और महिला ने उसके साथ रोमांटिक संबंध शुरू करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

कोर्ट ने कही यह बात

इस मामले में सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नंदकिशोर एल मोरे ने योगेश सिंह को हत्या के प्रयास के आरोप में दोषी पाया। कोर्ट ने कहा, मालवी को अगर तुरंत चिकित्सा सुविधा नहीं मिलती तो उसकी मौत हो सकती थी। कोर्ट ने आगे कहा, घटना के समय आरोपी के हाथ में चाकू था और पीड़िता ने जब उसे अनदेखा किया तो उसने चाकू घोंप दिया गया। अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि घटना के समय आरोपी के पास चाकू होना और पीड़िता पर चाकू से कई वार करने की घटना से यह स्पष्ट है कि आरोपी का इरादा पीड़िता को गंभीर चोट पहुंचाने का था।

चार साल पुराना है मामला

यह मामला साल 2020 का है। मालवी 26 अक्टूबर को दुबई से लौटकर अपने घर जा रही थी, तभी रात करीब 9 बजे आरोपी ने कथित तौर पर उससे बात करने की कोशिश की। जब उसने मना किया तो योगेश ने कथित तौर पर चाकू निकाला और उसके पेट में तीन से चार बार वार किया और अपनी कार में भाग निकला। जिसके बाद वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने अभिनेत्री की गंभीर हालत को देखते हुए उसे ऑटोरिक्शा से अस्पताल पहुंचाया।

म्यूजिक वीडियो के लिए मिले थे योगेश-मालवी

योगेश सिंह ने मई-जून 2020 में मालवी से एक म्यूजिक वीडियो में काम करने के लिए संपर्क किया था। कई मुलाकातों के बाद जब मालवी को एहसास हुआ कि वह उसे काम देने के लिए गंभीर नहीं है तो उसने निर्माता को अनदेखा करना शुरू कर दिया। हालांकि, योगेश इस दौरान उसके साथ अंतरंग होने और शादी करने पर जोर देता रहा।

आईफा में छा गए शाहरुख खान
रणबीर की 'एनिमल' बनी सर्वश्रेष्ठ फिल्म

इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड 2024 (आईफा) का दूसरा दिन सितारों से सजा नजर आया। बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। हेमा मालिनी, रेखा, शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, बॉबी देओल, विक्की कौशल, शाहिद कपूर और कृति सनोन जैसे सितारे ने शामिल होकर इस कार्यक्रम में चार चांद लगाए।

महफिल में छा गए शाहरुख खान

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण में से एक बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान थे, जिन्होंने न केवल कार्यक्रम की मेजबानी की, बल्कि अपने खास अंदाज से दर्शकों का खूब मनोरंजन भी किया। मंच पर उनके साथ विक्की कौशल और करण जौहर भी नजर आए। इसके अलावा किंग खान ने 'झूमे जो पठान' पर एक शानदार डांस प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लिया। आइए, जानते हैं कि आईफा 2024 में किस श्रेणी में किसने पुरस्कार जीते...

आईफा 2024 विजेताओं की पूरी सूची

1. सर्वश्रेष्ठ फिल्म- भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, प्रणय रेड्डी वांगा- एनिमल
2. सर्वश्रेष्ठ निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा- 12वीं फेल
3. सर्वश्रेष्ठ एक्टर (महिला) रानी मुखर्जी- मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे
4. सर्वश्रेष्ठ एक्टर (पुरुष) शाहरुख खान- जवान
5. सर्वश्रेष्ठ सहायक भूमिका (महिला) शबाना आजमी - रॉकी और रानी की प्रेम कहानी
6. सर्वश्रेष्ठ सहायक भूमिका (पुरुष) अनिल कपूर- एनिमल
7. नकारात्मक भूमिका- बॉबी देओल- एनिमल
8. संगीत निर्देशन- प्रीतम, विशाल मिश्रा, मनन भारद्वाज, श्रेयस पुराणिक, जानी, भूपिंदर बब्बल, आशिम केमसन, हर्षवर्धन रामेश्वर- एनिमल
9. प्लेबैक सिंगर- भूपिंदर बब्बल- अर्जन वैली- एनिमल
10. पार्श्व गायिका (महिला) शिल्पा राव- चलेया- जवान

आईफा रॉक्स से खत्म होगा तीन दिवसीय समारोह

बता दें कि तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत 27 सितंबर को आईफा उत्सवम के साथ हुई थी जो दक्षिणी फिल्म उद्योगों- तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ को समर्पित एक कार्यक्रम है। आईफा 2024 का समापन 29 सितंबर को आईफा रॉक्स के साथ होगा। इस कार्यक्रम में हनी सिंह, शिल्पा राव और शंकर-एहसान-लॉय जैसे दिग्गज कलाकार दर्शकों के लिए लाइव प्रस्तुति देंगे।

एक वक्त पर अभिनय छोड़ना चाहती थीं वामिका, अब कई भाषाओं की फिल्मों में करती हैं काम

भारतीय अभिनेत्री वामिका गब्बी, आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। मुख्य रूप से पंजाबी फिल्मों में नजर आने वाली वामिका, हिंदी फिल्मों और सीरीज में भी नजर आती हैं। 29 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ के एक पंजाबी परिवार में जन्मीं अभिनेत्री ने बतौर बाल कलाकार अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने आठ साल की उम्र में ही टीवी पर एक धारावाहिक में नजर आई थीं, जिससे उन्होंने अपने लिए काफी अच्छी लोकप्रियता भी हासिल कर ली थी। इसके बाद वह साल 2007 में रिलीज हुई इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'जब वी मेट' में भी नजर आई थीं।

चंडीगढ़ में ही पली-बढ़ीं वामिका बचपन से ही कला के प्रति काफी आकर्षित रहीं। उन्हें डांस, मिमिक्री और यात्रा करना काफी पसंद है। महज आठ साल की उम्र में टीवी पर काम करने के बाद उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत 'जब वी मेट' से की। उन्हें साल 2013 में रिलीज हुई पंजाबी फिल्म 'तू मेरा 22 मैं तेरा 22' से काफी पहचान मिली। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला था।

'सिक्सटीन' में बतौर मुख्य अभिनेत्री आईं नजर

वह 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'सिक्सटीन' में बतौर मुख्य अभिनेत्री नजर आईं। इसके बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया। वह तेलुगु फिल्मों में भी नजर आईं। उन्होंने इस बीच 'इश्क ब्रांडी', 'इश्क हाजिर है', 'भले मांची रोजु', 'मलाई नेरथु मायक्कम', 'नाढ़ु खान', 'दिल दिया गल्लान', 'परहुना', '83', 'निक्का जैलदार' आदि कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने इस दौरान तमिल फिल्म में भी काम किया। 'इरावाकालम' में वह एसजे सूर्या और शिवदा के साथ नजर आईं।

अभिनय छोड़ना चाहती थीं वामिका

अभिनेत्री ओटीटी पर भी काफी काम कर चुकी हैं। की साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'खुफिया', जिसे विशाल भारद्वाज ने निर्देशित किया था, नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने उस साल ही अमेजन प्राइम वीडियो की रिलीज हुई सीरीज जुबली में भी नजर आईं। इसके अलावा उनके 'मॉडर्न लव' और 'मुंबई' जैसे प्रोजेक्ट्स भी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हो चुके हैं। अभिनेत्री एक समय पर अभिनय को छोड़ना चाहती थीं, क्योंकि उन्हें लगता था कि वह अभिनय के लिए, नहीं बनी हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी शानदार अभिनय क्षमता से खुद को साबित किया।

'बेबी जॉन' में वरुण धवन संग आएंगी नजर

बात करें वामिका के वर्क फ्रंट की, तो इन दिनों वह कई तमिल, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम कर रही हैं। उनके पास 'जीनी' नाम की एक तमिल फिल्म है। इसके अलावा वह पंजाबी फिल्म किकली में भी नजर आएंगी। इसके साथ ही बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता वरुण धवन के साथ भी वह फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म इस साल की क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली है।

करीना ने साझा कीं 'व्हाट वीमेन वांट सीजन' 5 की झलकियां, कैटरीना समेत कई सितारों ने की तारीफ

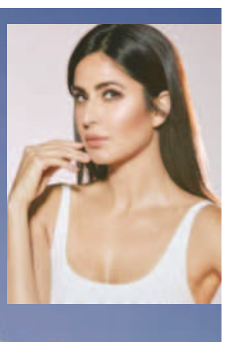

करीना कपूर खान हिंदी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई शानदार फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़ कर एक फिल्में और यादगार किरदार किए हैं। 'जब वी मेट', 'ओमकारा', 'कभी खुशी कभी गम' जैसी फिल्मों में उनकी बहुमुखी अभिनय क्षमता का सबूत हैं। वह इन दिनों अपने शो, 'व्हाट वीमेन वांट' के आगामी सीजन की शूटिंग कर रही हैं। हाल में ही अभिनेत्री ने पर्दे के पीछे की कुछ झलकियां अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा की हैं, जिस पर कैटरीना कैफ ने भी प्रतिक्रिया देते हुए उनकी तारीफ की है।

शनिवार को करीना ने 'व्हाट वीमेन वांट' के सेट से अपना एक मजेदार बिहाइंड द शूट वीडियो साझा किया। इस वीडियो क्लिप की शुरुआत में करीना शूटिंग के लिए तैयार होती और अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलते नजर आती हैं। इस दौरान वह भूरे रंग के ऑफ-शोल्डर जंपसूट पहने दिखाई देती हैं। इस ड्रेस में वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं। इस दौरान उनका हाव-भाव काफी शानदार नजर आता है।

अगले पल में करीना को आदित्य रॉय कपूर का इंटरव्यू लेने के लिए इंतजार करते देखा जा सकता है। इस दौरान वह कहती नजर आती हैं, ₹इसका शॉट लेलो।₹ इसके बाद वह भूमि पेडनेकर के गले लगती भी नजर आती हैं। भूमि भी उनके शो की मेहमानों में से एक हैं। इस पोस्ट के साथ करीना ने ब्रूनो मार्स का मशहूर गाना, अपटाउन फंक भी लगाया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ₹आप सभी ने इसके लिए कहा था। अब जाकर मीम्स बनाएं। व्हाट वीमेन वॉन्ट सीजन 5।

करीना के इस पोस्ट पर कई सितारों ने भी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने भी उनके इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने द बेस्ट बताया है। इनके अलावा सबा पटौदी ने भी उनकी पोस्ट पर टिप्पणी की। सबा ने लिखा, आप खतरनाक हैं। छाए हुए हैं। उनके अलावा, अर्जुन कपूर, रिया कपूर और शिखा तलसानिया ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

बात करें करीना के वर्क फ्रंट की, तो हाल में ही वह हंसल मेहता निर्देशित फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' में नजर आई हैं। इसके अलावा वह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में भी नजर आने वाली हैं। अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, अर्जुन कपूर आदि कई अन्य सितारों से सजी फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म इस साल एक नवंबर को रिलीज होगी।

विदेश से एमबीबीएस के अब क्या हैं विकल्प, किन देशों में सस्ती है पढ़ाई

भारत से प्रति वर्ष तकरीबन 25 हजार युवा विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में दाखिला लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद ज्यादातर छात्र जिनको भारत में सीट नहीं मिली विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं। लेकिन इस वर्ष भारत में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी वाले मामले के कारण सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित रहा और तकरीबन 50 दिन बर्बाद हो गए। ऐसे में विदेशी यूनिवर्सिटीज की दाखिला प्रक्रिया जोकि जून-जुलाई में शुरू हो जाती है, बिना किसी व्यवधान के सुचारू रूप से चलती रही। इस वर्ष भी विदेश में एमबीबीएस सीटों के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्रों ने अपना पंजीकरण करा लिया है। वहीं बाकी छात्र एमसीसी काउंसिलिंग के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। जैसा कि विदित है कि अंतराष्ट्रीय यूनिवर्सिटीज अपनी प्रवेश प्रक्रिया की तिथियों में भारत में आई अनिश्चितता से बदलाव नहीं करेंगे। तो अब भारत में नीट क्वालीफाइड छात्रों के पास एक ही विकल्प बचा है कि एमसीसी काउंसिलिंग राउंड में भाग लें और विदेश में एमबीबीएस के लिए अपनी सीट आरक्षित करें। इससे यह तो तय होगा कि अगर आपको भारत में सीट नहीं मिली तो कम से कम विदेश में तो एमबीबीएस सीट मिल जाएगी। जिससे आपके कॅरिअर का एक साल बच जाएगा। क्योंकि जॉर्जिया, कजाकिस्तान, रूस, चीन आदि देशों की ज्यादातर यूनिवर्सिटीज वीजा जारी करने से पहले ट्यूशन फीस का भुगतान नहीं लेतीं।

2024 में विदेश में एमबीबीएस के लिए आपके पास मौजूदा विकल्प

नीचे दी गई तालिका के अनुसार, हर साल 8 देशों में भारतीय छात्रों द्वारा लगभग 20,000 मेडिकल सीटें भरी जाती हैं। अगस्त के महीने में, विभिन्न देशों में उपलब्ध सीटें नीचे दी गई तालिका में दी गई हैं। सरकारी सलाह के अनुसार, बांग्लादेश और किर्गिस्तान छात्रों के लिए यात्रा करने के लिए सुरक्षित नहीं हैं और इसलिए कजाकिस्तान अक्तूबर, 2024 में एमबीबीएस विदेश में सीट की तलाश करने वाले अधिकांश छात्रों के लिए एक प्रमुख देश बन रहा है।

एमबीबीएस सीटें - ट्यूशन फीस - हॉस्टल + भोजन कुल लागत एडमिशन बजट

यदि आपका NEET स्कोर 500 से कम है और बजट 40 लाख रुपये से कम है, तो शुरुआत से ही विदेश में एमबीबीएस से लेकर पीपी तक के सभी विकल्पों के लिए 1800-571-0202 पर कॉल करें।

भारत में एमबीबीएस बनाम विदेश में एमबीबीएस

एनएमसी द्वारा प्रकाशित नए नियमों के अनुसार, प्रत्येक मेडिकल छात्र को नेशनल एग्जिट टेस्ट देना होगा। इसका मतलब है कि चाहे आप एम्स में पढ़ रहे हों या किसी डीम्ड यूनिवर्सिटी में भारी फीस देकर या फिर आप विदेश से स्नातक हों, सभी डॉक्टरों को प्रैक्टिस करने का लाइसेंस पाने के लिए भारत में NExT लाइसेंस परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। जब NMC भारत और विदेश से स्नातक करने वालों को समान मानता है, तो छात्र भारत में प्रबंधन/NRI सीटों के लिए भारी फीस क्यों चुकाए? भारत में 1 करोड़ रुपये की लागत वाली सीट भी आपको प्रैक्टिस करने का लाइसेंस नहीं दे सकती। भारत में सरकारी एमबीबीएस सीट के लिए MCC काउंसलिंग से गुजरने और विदेश में कम लागत वाले शीर्ष रैंक वाले कॉलेज में अपनी सीट आरक्षित करने के विकल्प को चुनना उचित ही है। एमसीसी काउंसलिंग राउंड के साथ-साथ विदेश में एमबीबीएस के लिए मार्गदर्शन पाने के लिए व्यक्तिगत परामर्श स्लॉट के लिए, कृपया एमबीबीएस अब्रॉड लिंक पर क्लिक कर रजिस्टर करें।

प्रवेश + निकास समाधान के लिए जाएं। जल्दबाजी में प्रवेश न लें

प्रवेश लेना केवल आधा काम पूरा करना है। स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम के अंत में, एक बार जब छात्र भारत वापस लौटता है, तो उसे FMGE की जगह राष्ट्रीय निकास परीक्षा के लिए उपस्थित होना पड़ता है। पिछले 10 वर्षों में लाइसेंस परीक्षा के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि एमबीबीएस में प्रवेश करने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन वास्तविक समस्या बाहर निकलने के दौरान है। स्थानीय एमबीबीएस सलाहकार केवल विदेश में एमबीबीएस में प्रवेश प्रदान करते हैं, निकास के लिए कोई समाधान नहीं है। आपको ऐसे पेशेवर सेवा प्रदाताओं के पास जाने की आवश्यकता है जो न केवल आपको प्रवेश दे सकते हैं बल्कि आपको नेशनल एग्जिट टेस्ट / USMLE जैसी लाइसेंस परीक्षाओं में मंजूरी की गारंटी दे सकते हैं। विदेश में एमबीबीएस में प्रवेश के लिए अपने समाधान के साथ-साथ एग्जिट परीक्षा कोचिंग के लिए आप अभी Safalta - MOKSH टोल फ्री नंबरः 1800-571-0202 पर कॉल कर सकते हैं।

कजाकिस्तान की कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी, कजाकिस्तान में लाइसेंस बैच की गारंटी

कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी कजाकिस्तान में एमबीबीएस के लिए एकमात्र विश्वविद्यालय है जो भारतीय छात्रों के लिए पेश किए गए अपने एकीकृत नेशनल एग्जिट टेस्ट बैच के कारण भारत में लाइसेंस के लिए गारंटी प्रदान करता है। इस विश्वविद्यालय में वर्तमान में लगभग 1,000 छात्र अध्ययन कर रहे हैं। इस विश्वविद्यालय में नेशनल एग्जिट टेस्ट में 100% उत्तीर्ण अनुपात के साथ सफलता का कारण एमबीबीएस पाठ्यक्रम में एकीकृत 6 साल की नेशनल एग्जिट टेस्ट कोचिंग है। छात्र पहले वर्ष से ही नेशनल एग्जिट टेस्ट के लिए अपनी तैयारी शुरू कर देते हैं और विश्वविद्यालय द्वारा हर सेमेस्टर के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाता है। विश्वविद्यालय केवल पहले 150 छात्रों को 100% छात्रवृत्ति के साथ यह पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

2024 में विदेश में एमबीबीएस के लिए 5 टिप्स

यदि आपका नीट स्कोर 500 से कम है और पूरे एमबीबीएस कोर्स का बजट 40 लाख रुपये से कम है। तो आपको तुरंत प्लान बी, विदेश से एमबीबीएस को मानना होगा। अन्यथा आप एनईईटी 2025 को दोहराकर एक और वर्ष बर्बाद करेंगे।

किसी ऐसे एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश न करें जो आपको नेशनल एग्जिट टेस्ट / USMLE जैसी लाइसेंस परीक्षाओं के लिए तैयार न करता हो। क्योंकि बिना लाइसेंस के इस बात की बहुत संभावना नहीं है कि आप भारत में डॉक्टर बन सकोगे।

यदि आपका लक्ष्य हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट, त्वचा विशेषज्ञ आदि जैसे विशेषज्ञ बनने का है, तो आपको शुरुआत से ही यूएसएमएलई की तैयारी के साथ यूएसए कार्यक्रम में एमबीबीएस + पीजी का विकल्प चुनना चाहिए।

वर्तमान में कजाकिस्तान में एमबीबीएस सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है, यहां आप शीर्ष रैंक वाले सरकारी कॉलेज कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी में इंटीग्रेटेड एनईएक्सटी प्रोग्राम में दाखिला ले सकते हैं। जहां आप एनईएक्सटी की तैयारी भी कर लेंगें। इस यूनिवर्सिटी में भारत से पहले 150 आवेदकों को नेशनल एग्जिट टेस्ट कोचिंग निःशुल्क कराई जाती है। यानी पूरी कोचिंग फीस माफ कर दी जाती है।

यदि आपका बजट अधिक है जैसे कि INR 45 लाख +, तो आप जॉर्जिया में एमबीबीएस + संयुक्त राज्य अमेरिका में पीजी के लिए जॉर्जिया विश्वविद्यालय में एकीकृत अमेरिकी कार्यक्रम के लिए आवेदन करना चुन सकते हैं।

भर रहे हैं रेलवे एनटीपीसी भर्ती का फॉर्म, तो जरूर रखें ये सावधानियां

रेलवे में 11,558 पदों पर भर्तियां निकली हैं। ऐसे में नौकरी पक्की करने के लिए फॉर्म का सही से भरा जाना और उचित दिशा में तैयारी करना जरूरी है। आवेदन करते समय की गई एक भी गलती आपके सपने को चकनाचूर कर सकती है। रेलवे में नौकरी करने का सपना संजोए छात्रों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार अब खत्म हो गया है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने स्टेशन मास्टर, जूनियर अकाउंट असिस्टेंट और क्लर्क आदि पदों के लिए कुल 11,558 रिक्तियां जारी की हैं। अंडर-ग्रेजुएट लेवल परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अक्तूबर और स्नातक स्तर के पदों के लिए अंतिम तिथि 13 अक्तूबर, 2024 निर्धारित है। आवेदन करते समय की गई एक भी गलती आपके सपने को चकनाचूर कर सकती है।

फॉर्म के लिए अनिवार्यता

यह केंद्र सरकार की नौकरी है। अतः आरक्षित वर्ग (एसी/एसटी/ओबीसी) का प्रमाण-पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित एवं वैध तिथि का होना चाहिए। फॉर्म भरने से पहले अपना विजन टेस्ट (चश्मा या बिना चश्मा) अवश्य करा लें, क्योंकि स्टेशन मास्टर या गुड्स ट्रेन मैनेजर जैसे पदों के लिए दृश्यता एक अनिवार्य निर्धारित मानक है।इसके बाद आधार-कार्ड, ईमेल एवं मोबाइल नंबर आदि विवरण भर कर वन टाईम रजिस्ट्रेशन के जरिये अकाउंट बना लें। इसके बाद संबंधित दस्तावेज अपलोड करने के बाद निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा करें। फाइनल सबमिट करने से पहले सभी जानकारियों की जांच अवश्य कर लें।

चयन का आधार

उम्मीदवारों का चयन दो चरणों में (पदानुसार) कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी), टाइपिंग कौशल परीक्षण, दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण के आधार पर किया जाएगा।

पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न को समझें

नवीनतम आरआरबी एनटीपीसी पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न को समझ लें, जिसमें सामान्य जागरूकता, गणित और सामान्य बुद्धि और तर्क जैसे विषय शामिल हैं। परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न शामिल होते हैं। सीबीटी एक और दो में क्रमशः 120 अंकों के लिए कुल 120 प्रश्न पूछे जाते हैं। गलत उत्तर के लिए एक-तिहाई अंक का नकारात्मक अंकन किया जाएगा।

मॉक टेस्ट और पिछले पेपर का अभ्यास करें

उम्मीदवारों को नियमित रूप से आरआरबी एनटीपीसी मॉक टेस्ट का अभ्यास करने और पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों को हल करने की सलाह दी जाती है। उम्मीदवारों को महत्वपूर्ण विषयों और सूत्रों पर संक्षिप्त नोट्स तैयार कर नियमित रूप से इन नोट्स को दोहराना चाहिए। इससे आपको महत्वपूर्ण अवधारणाओं को बेहतर ढंग से याद रखने में मदद मिलेगी।

अध्ययन योजना

एक अध्ययन योजना बनाएं, जिसमें प्रत्येक विषय के लिए समय आवंटित हो। कमजोर विषयों को ज्यादा प्राथमिकता दें। साथ ही मजबूत विषयों के अभ्यास में निरंतरता बनाए रखें। सामान्यजागरूकता अनुभाग के लिए समसामयिक मामलों से अपडेट रहें।

एनटीईटी परीक्षा का फॉर्म भरने के लिए चाहिए ये योग्यता, कौन कर सकता है आवेदन

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने राष्ट्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा 2024 के लिए आवेदन स्वीकार करना शुरू कर दिया है, जो भी अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं वे आधिकारिक वेबसाइट (exam.nta.ac.in) के माध्यम से अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

एनटीईटी 2024 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 अक्तूबर है, जिसके बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।आधिकारिक नोटिस के अनुसार, आवेदन शुल्क का भुगतान करने की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर है, आवेदन सुधार विंडो 16 अक्टूबर को खुलेगी। परीक्षा की तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।

इसके लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी) भारतीय चिकित्सा पद्धति या होम्योपैथी में मास्टर डिग्री होनी चाहिए।

इतने देने होंगे आवेदन शुल्क

सामान्य (UR) श्रेणी के आवेदकों को 4000 रुपये का शुल्क देना होगा, जबकि सामान्य-ईडब्ल्यूएस और ओबीसी-(एनसीएल) श्रेणियों के उम्मीदवारों से 3500 रुपये लिए जाएंगे। एससी/एसटी, पीडब्ल्यूडी और थर्ड जेंडर उम्मीदवारों के लिए शुल्क 3000 रुपये निर्धारित है। परीक्षा शुल्क का भुगतान केवल डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, ई चालान, ई वॉलेट, कैश कार्ड शुल्क मोड के माध्यम से कर सकते हैं।

आरआरबी तकनीशियन पदों के लिए दोबारा खुलेगी आवेदन विंडो, बोर्ड ने जारी किया नोटिस

रेलवे भर्ती बोर्ड ने घोषणा की है कि तकनीशियन रिक्तियों के लिए आवेदन विंडो 2 अक्तूबर को फिर से खुलेगी और 16 अक्तूबर, 2024 को बंद हो जाएगी। इस विंडो के दौरान नए उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी और मौजूदा उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र में कुछ बदलाव कर सकेंगे।

उम्मीदवारों को 17 से 21 अक्तूबर तक अपने आवेदन पत्र में संशोधन करने के लिए 250 रुपये प्रति संशोधन का भुगतान करना होगा। नए उम्मीदवार रोजगार अधिसूचना में निर्धारित शर्तों के अनुसार अपने फॉर्म में संशोधन कर सकते हैं।

आवेदन विंडो को फिर से खोलने से पहले, आरआरबी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक नोटिस जारी की है, जिसमें नए और मौजूदा दोनों उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं।

जिन उम्मीदवारों ने किसी एक या उससे ज्यादा श्रेणियों के लिए आवेदन किया है और अपेक्षित शुल्क का भुगतान किया है, उन्हें मौजूदा उम्मीदवार माना जाएगा। वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क का भुगतान किए इस विंडो का लाभ उठा सकते हैं। ये उम्मीदवार मौजूदा या नई जोड़ी गई श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं और पहले से चुनी गई श्रेणियों में बदलाव कर सकते हैं।

मौजूदा उम्मीदवारों के पास केवल शैक्षिक योग्यता संपादित करने, फोटोग्राफ और हस्ताक्षर पुनः अपलोड करने तथा आरआरबी और पद वरीयताएं बदलने का विकल्प होगा।

मौजूदा उम्मीदवारों को नये आवेदन प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।नए उम्मीदवार वे हैं जिन्होंने पहले ही अपना आवेदन जमा कर दिया था लेकिन शुल्क का भुगतान नहीं किया था, जिन्होंने श्रेणी 1 (तकनीशियन ग्रेड 1 सिग्नल) पद के लिए आवेदन किया है और शुल्क का भुगतान किया है लेकिन तकनीशियन ग्रेड 3 पद के लिए आवेदन नहीं किया है।

जिन उम्मीदवारों ने तकनीशियन के लिए आयोजित एक के अलावा इस साल आरआरबी द्वारा आयोजित अन्य भर्ती अभियानों के लिए आवेदन किया है और जिन्होंने इस साल आरआरबी द्वारा आयोजित किसी भी भर्ती अभियान के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें भी नए उम्मीदवारों के रूप में माना जाता है। दोबारा खोली गई आवेदन विंडो के दौरान नए अभ्यर्थी श्रेणी 2 से 40 के अंतर्गत तकनीशियन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आरआरबी तकनीशियन भर्ती से संबंधित किसी भी सहायता के लिए वे rrb.help@csc.gov.in पर ईमेल भी कर सकते हैं।

मन की बात : पीएम मोदी ने देश के क्रिएटर्स से किया आग्रह क्रिएट इन इंडिया' में आप भी लें भाग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 114वीं बार 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा बदलते समय में जॉब्स का स्वरूप बदल रहा है और नए-नए क्षेत्र उभर रहे हैं... जैसे गेमिंग, एनीमेशन, रील मेकिंग, फिल्म मेकिंग या पोस्टर मेकिंग। अगर आप इनमें से किसी भी स्किल में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं... तो आपके प्रतिभा को बहुत बड़ा प्लैटफॉर्म मिल सकता है...

अगर आप किसी बैंड का हिस्सा हैं या किसी सामुदायिक रेडियो के लिए काम कर रहे हैं, तो भी आपके लिए बहुत बड़ा अवसर है।

आपकी प्रतिभा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 'क्रिएट इन इंडिया' थीम के तहत 25 चैलेंज शुरू किए हैं। आपको ये चैलेंज निश्चित रूप से दिलचस्प लगेंगे। कुछ चैलेंज संगीत, शिक्षा और यहां तक कि एंटी-पायरेसी पर भी केंद्रित हैं।

इस उद्देश्य से जुड़े कई पेशेवर संगठन हैं जो इन चैलेंज को पूरा समर्थन दे रहे हैं। भाग लेने के लिए आप (wavesindia.org) पर लॉग इन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं देश के क्रिएटर्स से विशेष रूप से आग्रह करता हूं कि वे इसमें भाग लें और अपनी रचनात्मकता को सामने लाएं।

25 चैलेंज में क्या-क्या है शामिल

1. मीडिया एंड एंटरटेनमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एनीमे चैलेंज
2. डांसिंग एटम्स द्वारा एनिमेशन फिल्म निर्माता प्रतियोगिता
3. इंडिया गेम डेवलपर कॉन्फ्रेंस द्वारा गेम जैम
4. ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंट
5. सिटी क्वेस्टः शेड्स ऑफ भारत, ई-गेमिंग फेडरेशन द्वारा
6. इंडियन डिजिटल गेमिंग सोसाइटी द्वारा हैंडहेल्ड एजुकेशनल वीडियो गेम डेवलपमेंट
7. भारतीय कॉमिक्स एसोसिएशन द्वारा कॉमिक्स क्रिएटर चैम्पियनशिप
8. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल द्वारा युवा फिल्म निर्माताओं को चुनौती
9. वेवलैप्स और XDG द्वारा XR क्रिएटर हैकाथॉन
10. इनवीडियो द्वारा एआई फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता
11. वेव्स प्रोमो वीडियो चैलेंज इंडियन ब्रॉडकास्टिंग एंड डिजिटल फाउंडेशन
12. इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन द्वारा टुथटेल हैकाथॉन
13. सामुदायिक रेडियो एसोसिएशन द्वारा सामुदायिक रेडियो सामग्री चुनौती
14. भारतीय संगीत उद्योग द्वारा थीम संगीत प्रतियोगिता
15. वेव्स हैकाथॉनः एडवरटाइजिंग एजेंसीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एडस्पेंड ऑप्टिमाइजर
16. इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा वेव्स एआई आर्ट इंस्टॉलेशन चैलेंज
17. इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा वेव्स एक्सप्लोरर
18. इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा रील मेकिंग चैलेंज
19. फिल्म पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार – राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम
20. AVTR मेटा लैब्स द्वारा वर्चुअल इन्फ्लुएंसर क्रिएशन प्रतियोगिता
21. बैटल ऑफ द बैंड्स, प्रसार भारती
22. प्रसार भारती द्वारा सिम्फनी ऑफ इंडिया
23. भारतः एक विहंगम दृश्य, ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा
24. भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा एंटी-पायरेसी चुनौती
25. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा ट्रेलर मेकिंग प्रतियोगिता

जानें इसका उद्देश्य

भारत का सार्वजनिक प्रसारक प्रसार भारती द बैटल ऑफ द बैंड्स और द सिम्फनी ऑफ इंडिया चुनौतियों की मेजबानी करेगा, जिसका उद्देश्य आधुनिक संगीत को पारंपरिक लोक के साथ मिलाना और शास्त्रीय भारतीय संगीत का जश्न मनाना है।

चयनित होने पर क्या होगा?

चयनित विजेताओं को अपने क्षेत्र से संबंधित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों तक पहुंच प्राप्त होगी। उदाहरण के लिए, एनीमेशन फिल्म निर्माण प्रतियोगिता के विजेता को प्रमुख प्रोडक्शन हाउस के साथ मिलकर अपना प्रोजेक्ट पूरा करने और एनेसी एनीमेशन फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित समारोहों में अपना काम दिखाने के लिए समर्थन प्राप्त होगा। इसी तरह, एनीमे प्रतियोगिता विजेता को जापान के सबसे बड़े एनीमे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए समर्थन दिया जाएगा।

इस बीच, डांसिंग एटम्स उभरती प्रतिभाओं को पोषित करने और भारतीय एनीमेशन को आगे बढ़ाने के लिए एनीमेशन फिल्म निर्माता प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है।

इंडिया गेम डेवलपर कॉन्फ्रेंस (IGDC) गेम डेवलपमेंट में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए गेम जैम की मेजबानी करेगा, जबकि इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) AI आर्ट इंस्टॉलेशन चैलेंज चलाएगा, जो एआई के माध्यम से कला में नवाचार को प्रोत्साहित करेगा।

यह पहल भारत के रचनात्मक उद्योग को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें विकास, नेटवर्किंग और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इन चुनौतियों के माध्यम से, भारत का लक्ष्य एनीमेशन, गेमिंग और विजुअल आर्ट्स में वैश्विक नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना और एक जीवंत रचनाकारों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

बिहार लोक सेवा आयोग ने निकाली एसडीएम और अन्य अधिकारियों की भर्ती, आवेदन प्रक्रिया शुरू

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग ने इसका नोटिफिकेशन 23 सितंबर को जारी कर दिया था, लेकिन ऑनलाइन एप्लीकेशन की शुरुआत उस वक्त नहीं हुई थी। आवेदन प्रक्रिया 28 सितंबर, 2024 यानि कि आज से हुई है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार **18 अक्टूबर 2024 तक अप्लाई** कर सकते हैं। BPSC CCE प्रीलिम्स परीक्षा 17 नवंबर को आयोजित की जाएगी।

कुल 1957 रिक्तियों के लिए होगी भर्ती

बिहार लोक सेवा आयोग की इस भर्ती में कुल 1957 रिक्तियों के लिए उम्मीदवारों की नियुक्ति होगी, जिसमें एसडीएम (अनुमंडल पदाधिकारी) के 200 और डीएसपी (पुलिस उपाधीक्षक) के 136 पद शामिल हैं। इसके अलावा डीएम के लिए भी युवाओं की नियुक्ति होगी। 17 नवंबर को होने वाली प्रीलिम्स परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड नवंबर के दूसरे हफ्ते में जारी किए जाएंगे।

इन पदों पर होगी भर्ती

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने सब डिवीजन ऑफिसर / सीनियर डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक्षक, जिला कमांडेंट, अधीक्षक, सब रजिस्ट्रार, सब इलेक्शन ऑफिसर, असिस्टेंट डायरेक्टर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, गन्ना अधिकारी, रोजगार अधिकारी, सहायक योजना अधिकारी, अतिरिक्त जिला परिवहन अधिकारी, सिटी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, ग्रामीण विकास अधिकारी, राजस्व अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, ब्लॉक पंचायत राज अधिकारी, इंस्पेक्टर, ब्लॉक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी और ब्लॉक अल्पसंख्यक अधिकारी के पदों पर भर्ती होगी।

उम्र सीमा कितनी रखी गई है?

बिहार लोक सेवा आयोग ने इस भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता भी निर्धारित की है। उम्र सीमा की बात करें तो सब डिवीजन ऑफिसर, सीनियर डिप्टी कलेक्टर और बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के लिए उम्र सीमा कम से कम 22 साल है। वहीं बिहार पुलिस में डीएसपी, होम डिपार्टमेंट (पुलिस ब्रांच) के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार की उम्र 20 साल है। अन्य पदों के लिए होने वाली उम्मीदवारों की भर्ती की उम्र सीमा भी 20-22 साल है।

इस बार परीक्षा में एक बड़ा बदलाव किया गया है। अब तीन गलत उत्तर देने पर एक सही उत्तर का अंक काटा जाएगा, जो पहले चार गलत उत्तर पर लागू होता था। यह बदलाव संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की शैली के अनुसार किया गया है, जिससे छात्रों को अधिक सतर्क रहना होगा।

आईटीआई पास युवाओं के लिए ट्रेड अपरेंटिस पदों पर भर्ती

आईटीआई पास युवाओं के लिए अपरेंटिसशिप के पदों पर भर्ती निकाली गई है। यह भर्ती राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी ओर से निकाली गई है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया फिलहाल चल रही है, लेकिन बहुत जल्द समाप्त होने वाली है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक अपरेंटिसशिप पोर्टल apprenticeshipindia.gov.in. पर जाकर इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

रिक्ति विवरण

इस भर्ती के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2024 है। विभिन्न ट्रेड अपरेंटिस के कुल 120 पदों पर भर्ती की जानी है। जिसमें से 18 रिक्तियां एससी के लिए, 24 रिक्तियां एसटी और 18 ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) के लिए आरक्षित हैं।

पात्रता मानदंड

इस भर्ती में आवेदन के लिए अभ्यर्थी का संबंधित ट्रेड में आईटीआई उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 24 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आयु की गणना 6 सितंबर 2024 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

पात्रता मानदंड

इस भर्ती में आवेदन के लिए अभ्यर्थी का संबंधित ट्रेड में आईटीआई उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 24 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आयु की गणना 6 सितंबर 2024 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

आवेदन के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज

पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को कुछ दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता होगी, जोकि निम्न प्रकार हैंः

10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की अंक सूची

आईटीआई की अंक सूची और ट्रेड सर्टिफिकेट

आधार कार्ड

पासपोर्ट आकार की फोटो

हस्ताक्षर

जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)

दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)

कितना मिलेगा स्टाइपेंड

उम्मीदवारों को योग्यता के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। शॉर्टलिस्ट किये गए उम्मीदवारों की मेरिट सूचित वेबसाइट पर 14 अक्तूबर, 2024 को प्रसारित की जाएगी। चयनित होने वाले उम्मीदवारों को 11,600 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। भर्ती से जुड़ी विस्तृत डिटेल के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक अधिसूचना देख सकते हैं।

सोमवार, 30 सितंबर-2024 वित्त-वाणिज्य स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

इस बार ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं

लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी; एमपीसी की मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली इस मीटिंग में ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा। पिछली मीटिंग अगस्त को हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 9वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अक्टूबर में होने वाली मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

मीटिंग के फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास 9 अक्टूबर को देंगे। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25% बढ़ाकर 6.5% की थीं। इससे पहले 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5% की कटौती की थी। चार साल बाद की गई इस कटौती के बाद ब्याज दरें 4.75% से 5.25% के बीच हो गई थी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी है, ऐसे में इसके सेंट्रल बैंक के हर बड़े फैसले का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कोरोना के दौरान (27 मार्च 2020 से 9 अक्टूबर 2020) दो बार ब्याज दरों में 0.40% की कटौती की। इसके बाद अगले 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50% की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15% पर था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा कि भारत में मार्च 2025 तक 0.50% की कटौती हो सकती है। RBI ने 8 फरवरी 2023 के बाद से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अभी रेपो रेट 6.50% है। वॉलफोर्ट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के फाउंडर विजय भराड़िया ने कहा की कि दर में कटौती एक साहसिक कदम है जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सहित अन्य वैश्विक केंद्रीय बैंकों को सॉफ्टर मॉनेटरी स्टांस अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

ट्रांजेक्शन फीस में बदलाव किया इस हफ्ते सोना 1,547 महंगा हुआ

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। कल की बड़ी खबर शेयर मार्केट से जुड़ी रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) ने कैश और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेड के लिए लगने वाली ट्रांजैक्शन फीस में बदलाव किया है। NSE में कैश मार्केट के लिए अब ट्रांजैक्शन फीस 2.97 रुपए/लाख ट्रेडेड वैल्यू होगी। वहीं इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में फ्यूचर्स में ट्रांजैक्शन फीस 1.73 रुपए/लाख ट्रेडेड वैल्यू होगी।

वहीं, इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 21 सितंबर को सोना 74,093 रुपए पर था, जो अब (28 सितंबर) को 75,640 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,547 रुपए बढ़ी

रसोई गैस से लेकर क्रेडिट कार्ड तक बदल जाएंगे ये 5 नियम

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। दो दिन बाद यानी एक अक्टूबर से कई नियमों में बदलाव हो रहा है। ये बदलाव आपकी जेब पर सीधा असर डालेंगे। इनमें एलपीजी की कीमत, पीपीएफ, क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम आदि शामिल हैं। आपको इन नियमों के बारे में पता होना चाहिए। कई ऐसे नियम हैं जिनमें हर महीने बदलाव होता है। साथ ही बैंकिंग आदि से जुड़ी कई कंपनियां महीने के बीच में कुछ बदलाव करती हैं। ज्यादातर से नियम अगले महीने की एक तारीख से लागू होते हैं। इस बार भी कई नियम एक तारीख से लागू हो रहे हैं।

एलपीजी में बदलाव

हर महीने की पहली तारीख को ऑइल कंपनियां एलपीजी का मूल्यांकन करती हैं। इसके आधार पर कंपनियां इनकी कीमत में बदलाव भी कर सकती हैं। एक तारीख को घरेलू या कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव होता है। हालांकि यह जरूरी नहीं कि कंपनियां इनमें बदलाव ही करें। पिछले महीने की कीमत को आगे भी जारी रख सकती हैं। एलपीजी पर रेट बढ़ेंगे या कम होंगे या पिछले महीने वाले ही रहेंगे, इसके बारे में एक अक्टूबर को सुबह ही पता चल जाएगा।

महीने की पहली तारीख को ऑइल कंपनियां एयर टर्बाइन फ्यूल ( ) और सीएनजी-पीएनजी के दाम भी संशोधित करती हैं। कंपनियों के दाम भी बढ़ा या कम कर सकती हैं। रेट बढ़ने पर हवाई यात्रा महंगी हो सकती है। वहीं जीएनजी महंगी होने पर बस या ऑटो में सफर महंगा हो सकता है। पीएनजी महंगी होने से पाइप के जरिए घर में आने वाली गैस महंगी हो जाएगी।

एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड

अगर आप एचडीएफसी बैंक का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं तो एक अक्टूबर से आप पर भी असर पड़ेगा। एचडीएफसी बैंक ने अपने कुछ क्रेडिट कार्ड के लायल्टी प्रोग्राम को लेकर बदलाव किए हैं। एचडीएफसी बैंक ने स्मार्टबाय प्लेटफॉर्म पर एप्पल प्रोडक्ट के लिए रिवार्ड पॉइंट के रिडम्पशन को एक प्रोडक्ट हर कैलेंडर तिमाही तक सीमित कर दिया है। ये नए नियम एक अक्टूबर से लागू होंगे।

बढ़ी हुई मिलेगी न्यूनतम मजदूरी

एक अक्टूबर से श्रमिकों को अब बढ़ी हुई मजूदरी मिलेगी। केंद्र सरकार ने श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर बढ़ाकर 1035 रुपये प्रतिदिन तक कर दी है।निर्माण, साफ-सफाई, समान उतारने और चढ़ाने आदि काम करने वाले श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी दर 783 रुपये प्रतिदिन मिलेगी। अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 868 रुपये प्रति दिन होगी।कुशल, लिपिक और बिना हथियार वाले चौकीदार या गार्ड के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 954 रुपये प्रतिदिन होगी। चौकीदारी या गार्ड का काम करने वालों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 1035 रुपये प्रतिदिन होगी। अत्यधिक कुशल और हथियारों के साथ चौकीदारी या गार्ड का काम करने वालों के लिए न्यूनतम वेतन दर 1035 रुपये प्रति दिन होगी।

सुकन्या समृद्धि योजना के नियम में बदलाव

एक अक्टूबर से सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटियों का अकाउंट सिर्फ कानूनी अभिभावक ही संचालित कर सकेंगे। पहले ऐसा नहीं था। अगर बच्ची का अकाउंट ऐसे शख्स द्वारा खोला गया है जो उसका कानूनी अभिभावक नहीं है तो उसे एक अक्टूबर से यह अकाउंट बच्ची के माता-पिता या कानूनी अभिभावक को ट्रांसफर करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो अकाउंट को बंद कर दिया जाएगा।

अडाणी एंटरप्राइजेज जल्द चॉकलेट बेचेगी

कोकोकार्ट वेंचर्स में 74% हिस्सेदारी खरीदेगी, 200 करोड़ रुपए में हो सकती है डील

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का जॉइंट वेंचर कोकोकार्ट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड में 74% हिस्सेदारी खरीदेगी। कंपनी ने शुक्रवार (27 सितंबर) को इस बात की जानकारी दी। अडाणी एंटरप्राइजेज की स्टेप-डाउन सब्सिडियरी अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की जॉइंट वेंचर अप्रैल मून रिटेल प्राइवेट लिमिटेड यह हिस्सेदारी खरीदेगी।

200 करोड़ रुपए की यह खरीदारी शेयर पर्चेज और सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट्स के जरिए होगी। इस अधिग्रहण के लिए शेयर पर्चेज एग्रीमेंट शेयर सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट और जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट पर 27 सितंबर 2024 को साइन हो चुके हैं।

शेयर पर्चेज एग्रीमेंट के तहत अप्रैल मून रिटेल 14,73,518 शेयर खरीदेगी जो कोकोकार्ट वेंचर्स की 36.96% इक्विटी हिस्सेदारी है। वहीं शेयर सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट के तहत अप्रैल मून रिटेल 14,76,471 शेयर सब्सक्राइब करेगी जो कोकोकार्ट वेंचर्स की 37.04% इक्विटी हिस्सेदारी के बराबर है। यह डील 31 अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

कोकोकार्ट वेंचर्स को करण और अर्जुन आहूजा ने सितंबर 2020 में शुरू किया था। यह कंपनी विदेशों से चॉकलेट मंगाकर यहां सेल करती है। कोकोकार्ट वेंचर्स को करण और अर्जुन आहूजा ने सितंबर 2020 में शुरू किया था। यह कंपनी विदेशों से चॉकलेट मंगाकर यहां सेल करती है। इस खरीदारी के जरिए अडाणी ग्रुप के रिटेल कारोबार का विस्तार होगा। इसके जरिए अडाणी एंटरप्राइजेज की रिटेल और फूड एंड बेवरेज सेक्टर में एंट्री होगी। कोकोकार्ट वेंचर्स को करण और अर्जुन आहूजा ने सितंबर 2020 में शुरू किया था। यह कंपनी विदेशों से चॉकलेट मंगाकर यहां सेल करती है। देश भर में इसके कैफे हैं। इसका टर्नओवर तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2021 में इसका टर्नओवर 6.89 करोड़ रुपए था जो वित्त वर्ष 2022 में 51.61 करोड़ रुपए और फिर वित्त वर्ष 2023 में 99.63 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

देश की दूसरी सबसे अमीर महिला रोहिका साइरस मिस्त्री, रतन टाटा के साथ खास कनेक्शन

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। रोहिका साइरस मिस्त्री भारत की दूसरी सबसे अमीर महिला हैं। फोर्ब्स की वार्षिक अमीरों की सूची के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 77,000 करोड़ रुपये है। रोहिका को यह संपत्ति अपने पति और टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री से विरासत में मिली है। 2022 में एक कार दुर्घटना में साइरस मिस्त्री की मौत हो गई थी।

साइरस मिस्त्री 2012 से 2016 तक टाटा समूह के चेयरमैन रहे। 2016 में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। इसके बाद रतन टाटा और मिस्त्री परिवार के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। हालांकि, साइरस मिस्त्री ने समूह में अपनी 18.4% हिस्सेदारी बरकरार रखी थी। अब यह उनकी पत्नी रोहिका के पास है।

1992 में हुई थी साइरस मस्त्रिी से शादी

रोहिका मिस्त्री का जन्म एक संपन्न परिवार में हुआ था। उनके दादा एम करीम छागला जाने-माने न्यायविद और राजनीतिज्ञ थे। रोहिका के पिता इकबाल छागला सीनियर एडवोकेट हैं। रोहिका ने 1992 में साइरस मिस्त्री से शादी की थी।

रोहिका मिस्त्री के अलावा, फोर्ब्स की अमीरों की सूची में दो और भारतीय महिलाओं ने जगह बनाई है। ये हैं सरोज रानी गुप्ता और रेखा झुनझुनवाला। फोर्ब्स की वार्षिक अमीरों की सूची दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची है। यह सूची हर साल मार्च में प्रकाशित की जाती है।

ऐसे खट्टे हुए थे रतन टाटा और मस्त्रिी के रश्तिे

टाटा ग्रुप भारत के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित समूहों में से एक है। इस समूह ने कई दशकों तक भारतीय उद्योग जगत में प्रमुख भूमिका निभाई है। हालांकि, इस समूह के इतिहास में एक ऐसा समय भी आया जब समूह के भीतर ही एक बड़ा विवाद पैदा हो गया था। यह विवाद रतन टाटा और साइरस मिस्त्री के बीच हुआ था।

रतन टाटा और साइरस मिस्त्री के बीच विवाद का मुख्य कारण टाटा समूह के भविष्य को लेकर अलग-अलग नजरिया था। रतन टाटा का मानना था कि ग्रुप को पारंपरिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। वहीं, साइरस मिस्त्री चाहते थे कि टाटा समूह को आधुनिक समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए बदलाव करने चाहिए। साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया। इस घटना ने भारतीय उद्योग जगत में काफी हलचल मचाई थी।

कपड़ा क्षेत्र में 2030 तक छह करोड़ नौकरियां देने की तैयारी; जनवरी से 7% तक महंगी होगी कूरियर सेवा

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र में 2030 तक 4.5 से 6 करोड़ नौकरियां पैदा करने के लिए रोड मैप तैयार किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, इस क्षेत्र का आकार 165 अरब डॉलर है। इसे 350 अरब डॉलर तक ले जाने का प्रयास है। हमने जो 100 दिवसीय रोड मैप तैयार किया है उससे लाखों करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा, पहले स्वीकृत सात पीएम-मित्र एकीकृत मेगा टेक्सटाइल पार्क के पूरी तरह शुरू होने पर 70,000 करोड़ का निवेश आएगा। इससे 21 लाख नौकरियां पैदा होंगी। 350 अरब डॉलर के आकार तक पहुंचने के लिए हमें मानव निर्मित कपड़े की जरूरत है। सरकार ने 2030 तक कपड़ा उत्पादों के लिए 100 अरब डॉलर का निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

नए साल से कूरियर सेवा सात फीसदी महंगी हो सकती है। लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सप्रेस ने शुक्रवार को कहा, जनवरी से भारत में कूरियर का किराया औसत 6.9 फीसदी महंगा हो जाएगा। वैश्विक स्तर पर महंगाई को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

पहले चरण में अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण सरकार विशेष स्टील के लिए फिर से उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लेकर आएगी। इस पर काम चल रहा है। स्टील सचिव संदीप पौड्रिक ने कहा, विशेष स्टील अब भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां और अधिक काम करने की जरूरत है। सरकार इसको प्रोत्साहित करने के लिए पीएलआई ले आई, लेकिन उम्मीद के मुताबिक रिस्पांस नहीं मिला।

माजदा अमेरिकी बाजार में खराबी के चलते 77,670 वाहनों को वापस मंगाएगी। कंपनी ने बताया कि वाहनों के सॉफ्टवेयर में खराबी आई है जिससे सामने वाला एयरबैग पर असर पड़ सकता है। जिन वाहनों को वापस मंगाया है उनमें एमएक्स 5 सहित अन्य हैं। यह 2016 से 2023 के बीच बने हैं।

शेयर बाजार की ब्रोकिंग कंपनी एंजल वन ने फ्रंट रनिंग मामले में 21.64 लाख रुपये भरकर सेबी के साथ मामले का निपटान कर लिया है। एंजल वन ने 15 मई को सेबी के पास अपील दायर किया था। सेबी ने बताया, जनवरी, 2021 से अक्तूबर, 2022 के बीच एंजल वन की जांच हुई थी। कंपनी एनएसई के इक्विटी (कैश) में भारत कनैयालाल शेठ फैमिली ट्रस्ट सहित बड़े ग्राहकों को ऑर्डर दे कर उसका भुगतान कर रही थी। इसके बाद सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को चेन्नई में प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स की एक नई विनिर्माण इकाई की आधारशिला रखी। इस संयंत्र पर 9,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस परियोजना का भूमिपूजन समारोह चेन्नई से लगभग 115 किलोमीटर दूर इस जिले के पनपक्कम में आयोजित किया गया। इस सुविधा से 5,000 नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

रिस्क है तो इश्क है: शेयर बाजार में युवा कैसे रिवेंज और फोमो ट्रेडिंग के जाल में फंस रहे हैं?

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आजकल शेयर बाजार में ट्रेडिंग का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है, खासकर युवाओं में। पहले के मुकाबले अब बड़ी संख्या में युवा शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। इनमें से कुछ युवा रिसर्च करके और सलाह लेकर निवेश कर रहे हैं तो कई ऐसे भी हैं जो रातों रात पैसा कमाने के चक्कर में निवेश कर रहे हैं। इनमें से कई बाजार के जोखिम को भी नहीं समझते और उधार लेकर भी पैसा निवेश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सेबी की एक रिपोर्ट बताती है कि इंट्राडे ट्रेडिंग में 71% लोग पैसे गंवा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आसानी से पैसा कमाने के चक्कर में युवा पीढ़ी अपना भविष्य दांव पर लगा रही है?

यह गलती पड़ सकती है भारी

पिछले साल असम के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट रोशन अग्रवाल के पास एक अजीबोगरीब मामला आया। आनंद (बदला हुआ नाम) उम्र 18 साल और बीटेक का छात्र, ऑनलाइन ट्रेडिंग में 20 लाख रुपये गंवा बैठा था। उसने अपने दोस्तों से पैसे उधार लिए थे और कुछ संदिग्ध ऐप्स से भी लोन लिया था। आनंद ने बताया कि उसके एक दोस्त ने ट्रेडिंग से एक साल में ही एक करोड़ रुपये कमाने का दावा किया था। वो दोस्त की बातों में आकर ट्रेडिंग करने लगा और Telegram ग्रुप्स जॉइन कर लिए जहां उसे शेयर मार्केट के अंदरूनी टिप्स मिलते थे। अग्रवाल ने उसे समझाया कि पहले उसे कम पैसे से निवेश करना चाहिए, लेकिन एक साल बाद आनंद फिर से उनके पास आया, इस बार 26 लाख रुपये गंवा कर।

रिस्क है तो इश्क है... सिर्फ सुनने में ही ठीक

रिस्क है तो इश्क है- ये डायलॉग भले ही फिल्मों में अच्छा लगता हो, लेकिन असल जिंदगी में ये बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। सेबी की रिपोर्ट के अनुसार, FY19 में जहां 15 लाख लोग इंट्राडे ट्रेडिंग करते थे, वहीं FY23 में ये संख्या बढ़कर 69 लाख हो गई है। इसमें भी 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या 18% से बढ़कर 48% हो गई है। लेकिन चिंता की बात ये है कि FY23 में 71% इंट्राडे ट्रेडर्स को नुकसान हुआ है।

इंट्राडे ट्रेडिंग में एक ही दिन में शेयर खरीदे और बेचे जाते हैं। लेकिन सिर्फ यही एक प्रकार की ट्रेडिंग नहीं है जो लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। फ्यूचर्स और ऑप्शन्स (F&O) सेगमेंट में भी ट्रेडिंग का चलन तेजी से बढ़ा है, और साथ ही नुकसान भी। पिछले तीन सालों में 93% रिटेल ट्रेडर्स को F&O में नुकसान हुआ है, जिसमें हर व्यक्ति को औसतन 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

ऐसे फिनफ्लुएंसर से जरा बचके

आसान भाषा में समझें तो फ्यूचर्स ट्रेडिंग में आप भविष्य में शेयर की कीमत को लेकर अनुमान लगाते हैं। मान लीजिए कि एक शेयर की कीमत आज 100 रुपये है और आपको लगता है कि भविष्य में इसकी कीमत बढ़ेगी।

तो आप 100 शेयर खरीदने का फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट लेते हैं। अगर कीमत बढ़ती है तो आपको मुनाफा होता है और अगर घटती है तो आपको नुकसान।

ये सब सुनने में थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन आजकल कई सारे ऐप्स आ गए हैं जो ट्रेडिंग को बहुत आसान बना देते हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर ऐसे बहुत से लोग हैं जो खुद को 'फिनफ्लुएंसर' कहते हैं और लोगों को ट्रेडिंग से जल्दी अमीर बनने का तरीका बताते हैं। इन सब चीजों को देखकर हर कोई ट्रेडिंग की तरफ आकर्षित हो रहा है, फिर चाहे वो गृहिणी हो, रिटायर्ड व्यक्ति हो या फिर छात्र।

धीरे-धीरे ऐसे पड़ जाती है लत

Reddit जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई लोग गुमनाम तरीके से अपनी आपबीती शेयर करते हैं कि कैसे ट्रेडिंग की लत ने उन्हें कर्ज में डुबो दिया है। लेकिन इसके बावजूद वो लोग ट्रेडिंग करना बंद नहीं कर पा रहे हैं। डॉ. पार्थ सोनी, जो वडोदरा के अल्फा हीलिंग सेंटर में मनोचिकित्सक हैं, उनका कहना है कि ट्रेडिंग से मिलने वाला 'डोपामाइन हिट' जुए की लत जैसा ही होता है। शुरुआत में जब लोगों को मुनाफा होता है तो उन्हें अच्छा लगता है और वो और ट्रेडिंग करने लगते हैं। फिर धीरे-धीरे ये एक लत में बदल जाता है। उन्हें लगता है कि एक दिन वो अपना सारा नुकसान कवर कर लेंगे।

इस तरह की चीजों समझाने के लिए कुछ नए शब्द भी इस्तेमाल किए जाते हैं जैसे 'रिवेंज ट्रेडिंग' और 'FOMO ट्रेडिंग'। 'रिवेंज ट्रेडिंग' तब होता है जब लोग नुकसान होने के बाद भी ट्रेडिंग करते रहते हैं, ये सोचकर कि वो अपना नुकसान पूरा कर लेंगे। जबकि 'FOMO ट्रेडिंग' तब होता है जब लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों को ट्रेडिंग से पैसे कमाते देखकर खुद भी ट्रेडिंग करने लगते हैं।

अब क्लिनिक आने की पड़ गई है जरूरत

बेंगलुरु के 'सर्विस फॉर हेल्दी यूजऑफ टेक्नोलॉजी' क्लिनिक के कोऑर्डिनेटर डॉ. मनोज कुमार शर्मा का कहना है कि लोग अब समझने लगे हैं कि ट्रेडिंग की लत भी जुए या शराब की लत की तरह एक बीमारी है और इसका इलाज संभव है। हमें ऐसा पहला मामला 2021 में मिला था। मरीज को उसके परिवार ने हमारे पास भेजा था। महामारी के कारण उसकी नौकरी चली गई थी और उसने अपने फोन पर ट्रेडिंग शुरू कर दी थी। जल्द ही, वह खुद को रोक नहीं पाया।

डॉ. शर्मा, जिनकी टीम ने ऐसे कई मामलों पर काम किया है जो लोग ट्रेडिंग की लत के इलाज की मांग कर रहे हैं। पिछले साल, एक 39 वर्षीय व्यक्ति को उसके परिवार के सदस्यों ने डी-एडिक्शन क्लीनिक में लाया था, जब उसने ट्रेडिंग में 30 लाख रुपये गंवा दिए थे। आनंद की तरह, उस व्यक्ति को पहले ही भारी नुकसान हो चुका था। उपचार आमतौर पर दो से छह महीने के बीच रहता है, और इसमें कई तरह के उपाय किए जाते हैं।

यहां भी एक्सपीरियंस की पड़ती है जरूरत

अनुभवी निवेशक विवेक बजाज इसे एक बड़ी समस्या से जोड़ते हैं। उनका मानना है कि एक समस्या यह भी है कि बेरोजगारी बढ़ी है। साथ ही कई सारे विज्ञापन भी युवाओं को इस ओर ले जाते हैं। उन्होंने नकली ऐप्स की ओर भी ध्यान दिया और कहा कि अनुभवहीन निवेशक जैकपॉट हिट करने के चक्कर से लालच में आ जाते हैं। बजाज कहते हैं कि वे भूल जाते हैं कि जिस तरह एक डॉक्टर या वकील को अपनी नौकरी में अच्छा बनने के लिए कम से कम सात साल का अभ्यास करना पड़ता है, उसी तरह ट्रेडिंग एक ऐसा कौशल है जिसे सीखने में कई साल लगते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-09 सूर्यास्त- 18-02
भोग्य कति वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 19 -06 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - आश्विन कृष्ण , सोमवार 30 September
नक्षत्र - मघा 06 -18 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - शुभ 01-17 तक उप शुक्ल
करण- वणिज 19-06 तक उप विष्टि
विशेष:- त्रयोदशी श्राद्ध
व्रत -त्योहार -प्रदोष व्रत मास शिवरात्रि

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-15 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	तुला...	07-20 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-30 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-44 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-50 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-40 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-18 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-55 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-39 बजे
			मिथुन	22-40 बजे
			कर्क--	00-52 बजे
			सिंह---	03-04 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:37 से 09:07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:09 - 07:37	शुभ	चंचल	18:02 - 19:35	शुभ
काल.	07:37 - 09:07	अशुभ	रोग	19:35 - 21:05	अशुभ
शुभ..	09:07 - 10:36	शुभ	काल	21:05 - 22:36	अशुभ
रोग.	10:36 - 12:06	अशुभ	लाभ	22:36 - 00:06	शुभ
उत्पात	12:06 - 13:35	अशुभ	उत्पात	.00:06 - 01:36	अशुभ
चंचल	13:35 - 15:05	शुभ	शुभ	01:36 - 03:07	शुभ
लाभ.	15:05 - 16:35	शुभ	अमृत	03:07 - 04:37	शुभ
अमृत	16:35 - 18:02	शुभ	चंचल	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोनत्ति मिल सकती है , हालाँकि समय कैसा भी हो , ईर्ष्या के कारण कार्यालय राजनीति चलती रहेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे । इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें । अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे । आज अप्रत्याशित स्रोतों से धन प्राप्ति के संकेत है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तिरुपति लड्डू विवाद के बाद यूं ही नहीं उठी मंदिर मुक्ति की आवाज

तिरुपति, 29 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। तिरुपति मंदिर के लड्डू पर छिड़ा विवाद हिंदू मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण खत्म करने की मांग को फिर से हवा दे रहा है। विश्व हिंदू परिषद ने देशव्यापी अभियान का ऐलान किया है। वीएचपी का कहना है कि मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण मुस्लिम आक्रांताओं और अंग्रेजी औपनिवेशिकता की मानसिकता को दर्शाता है। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंदिरों की पवित्रता भंग किए जाने, भूमि विवाद और अन्य धार्मिक प्रथाओं को लेकर जुड़े विषयों पर गौर करने के लिए 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' बनाने का आह्वान किया है।

मुस्लिम-ईसाई को अलग ट्रीटमेंट क्यों?

भारत में मुस्लिम और ईसाई समुदाय अपने धार्मिक स्थलों और संस्थानों का प्रबंधन सामुदायिक बोर्ड या ट्रस्टों के माध्यम से करते हैं। लेकिन हिंदुओं, सिखों, जैनियों और बौद्धों के प्रमुख धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में सरकार का काफी दखल रहता है। कई राज्यों ने विशेष कानून बनाए हैं जो उन्हें हिंदू मंदिरों के प्रशासन, उनकी आय-व्यय में दखल या नियंत्रण करने का अधिकार देते हैं। यह नियंत्रण बोर्ड और ट्रस्टों के माध्यम से किया जाता है जिनमें सरकारी प्रतिनिधि होते हैं या जिनकी अध्यक्षता स्वयं एक सरकारी अधिकारी करता है।

मंदिरों पर कब्जे में तमिलनाडु सरकार सबसे आगे

द इंडियन एक्सप्रेस की वेबसाइट पर प्रकाशित एक विश्लेषण में कहा गया कि तमिलनाडु में शायद सबसे ज्यादा हिंदू मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं। इन मंदिरों के प्रबंधन के लिए 'हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग' के नाम से यहां एक अलग विभाग ही है। तिरुपति मंदिर का संचालन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) आंध्र प्रदेश सरकार के अधीन है। टीटीडी प्रमुख की नियुक्ति राज्य सरकार करती है।

ज्यादातर राज्य जो मंदिरों को नियंत्रित करते हैं, चढ़ावे और दान के रूप में प्राप्त आय का एक हिस्सा लेते हैं। इसका उपयोग मंदिरों के प्रशासन और रखरखाव, छोटे मंदिरों के रखरखाव और कल्याणकारी गतिविधियों के लिए किया जाता है। बड़ी बात है कि ये कल्याणकारी गतिविधियां जरूरी नहीं कि मंदिर से ही जुड़ी हैं। सरकार मंदिरों के धन से मंदिर से बाहर और गैर-हिंदुओं की भलाई का काम भी करती है। इन कल्याणकारी गतिविधियों में अस्पताल, अनाथालय या स्कूल चलाना और ऐसी शिक्षण संस्थाएं चलाना शामिल हो सकता है जहां धर्मनिरपेक्ष शिक्षा दी जाती हो।

इन राज्यों में मंदिर प्रबंधन के कानून

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लगभग 30 लाख पूजा स्थल हैं जिनमें से ज्यादातर हिंदू मंदिर हैं। कुछ राज्य जिनमें मंदिरों के प्रबंधन को लेकर कानून हैं, वे हैं तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान। कई राज्यों में विशिष्ट संस्थानों पर भी कानून हैं, जैसे जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी माता मंदिर। यह मंदिर 1988 के 'जम्मू और कश्मीर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन अधिनियम' के प्रावधानों से शासित होता है। ये सभी कानून संविधान के अनुच्छेद 25 से अपनी विधायी शक्ति प्राप्त करते हैं जो 'अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म की स्वतंत्रतापूर्वक आचरण, अभ्यास और प्रचार' से संबंधित है। धार्मिक संस्थानों पर कानून बनाने की शक्ति समवर्ती सूची का हिस्सा है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों का साझा अधिकार क्षेत्र है।

मंदिरों की संपत्ति पर हमेशा से रही नजर

राजा अक्सर मंदिरों को जमीन और दौलत दान करते थे, जो उस समय संस्कृति और अर्थव्यवस्था दोनों के केंद्र हुआ करते थे। मंदिरों के आसपास शहर विकसित हुए जिनसे क्षेत्र का विकास हुआ। आईआईएम, बैंगलोर में सेंटर ऑफ पब्लिक पॉलिसी के प्रोफेसर जी. रमेश के मंदिर प्रबंधन पर लिखे एक रिसर्च पेपर के अनुसार, ऐतिहासिक साक्ष्य इस ओर इशारा करते हैं कि मंदिरों की भागीदारी कृषि, खेती और सिंचाई को बढ़ावा देने में उस स्तर पर थी जिसकी तुलना राज्य से की जा सकती है।

द इंडियन एक्सप्रेस के विश्लेषण में कहा गया है कि अंग्रेजों ने मंदिरों को न केवल सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव के प्रवेश द्वार बल्कि विशाल संपत्ति के भंडार के रूप में भी देखा और इस प्रकार आधिकारिक निरीक्षण की आवश्यकता महसूस की। 1810 से 1817 तक उन्होंने बंगाल, मद्रास और बॉम्बे के प्रेसीडेंसी में कई कानून बनाए, जिन्होंने उन्हें मंदिर प्रशासन में हस्तक्षेप करने का अधिकार दिया।

प्रोफेसर रमेश लिखते हैं, 'इन नियमों ने ब्रिटिश सरकार को ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व बोर्ड के माध्यम से अपने संप्रभु अधिकार का दावा करने की अनुमति दी। दावा किया गया था कि दान से होने वाली आय का दुरुपयोग और उसका गलत इस्तेमाल प्रभारी व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था। इस प्रकार सक्रिय पर्यवेक्षण की वैधानिक रूप से पुष्टि की जानी थी।'

अंग्रेजों के जमाने से बनने शुरू हुए कानून

एक ईसाई सरकार को हिंदू मंदिरों का संचालन किए जाने का विरोध हुआ जिसके बाद 1863 का धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम बनाया गया और मंदिरों का नियंत्रण अधिनियम के तहत नियुक्त समितियों को सौंप दिया गया। हालांकि, सिविल प्रक्रिया संहिता का विस्तार, मंदिरों के लिए आधिकारिक ट्रस्टी अधिनियम, 1920 का धर्मार्थ और धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम आदि से मंदिर प्रशासन पर नियमों-कानूनों का प्रभाव बढ़ता गया और सरकार का अधिकार बढ़ता गया। हिंदू मंदिरों पर पहला विशिष्ट कानून 1925 में मद्रास हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम के माध्यम से आया।

इसने 1919 के भारत सरकार अधिनियम से ताकत हासिल की, जिसने प्रांतीय सरकारों को बंदोबस्ती के मामलों पर कानून बनाने में सक्षम बनाया। आईआईएम के शोध पत्र में कहा गया है, 'इस कानून (1925 का कानून) और इसके बाद के कई संशोधनों ने व्यापक शक्तियों वाले आयुक्तों के एक बोर्ड के माध्यम से मंदिरों के प्रबंधन की निगरानी का प्रावधान किया, और कुछ मामलों में बोर्ड पूरी तरह से एक मंदिर के प्रबंधन को अपने हाथ में ले सकता था।'

स्वतंत्र भारत ने मंदिरों पर अंग्रेजों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले अधिकांश विधायी नियंत्रण को बरकरार रखा। विभिन्न राज्यों ने 1925 के कानून को आधार बनाकर नए अधिनियम पारित किए। इस तरह का पहला उदाहरण 1951 का मद्रास हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम था। उस समय बिहार में भी इसी तरह का एक कानून पारित किया गया था। मद्रास कानून को अदालतों में चुनौती दी गई थी जिसने इसे रद्द कर दिया था और अंत में कुछ संशोधनों के साथ 1959 में एक नया अधिनियम आया। ज्यादातर दक्षिणी राज्य मंदिरों को नियंत्रित करने के लिए समान कानूनी ढांचे का पालन करते हैं। कई राज्यों ने हिंदू पूजा स्थलों में समाज और जातियों के सभी वर्गों के प्रवेश को सुनिश्चित करने के लिए मंदिरों के प्रबंधन में सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता का तर्क दिया।

आरएसएस ने शुरू की मंदिर मुक्ति की मांग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 1959 में मंदिरों का नियंत्रण समुदाय को वापस सौंपे जाने की मांग करते हुए पहला प्रस्ताव पारित किया। काशी विश्वनाथ मंदिर पर एक प्रस्ताव में आरएसएस की शीर्ष निर्णय लेने वाली बैठक में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने कहा, 'सभा उत्तर प्रदेश सरकार से इस मंदिर को हिंदुओं को वापस करने के लिए कदम उठाने का आग्रह करती है। सरकार की जीवन के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना नियंत्रण और एकाधिकार स्थापित करने की प्रवृत्ति पिछले कुछ वर्षों में बढ़ती जा रही है।'

संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल ने 1988 में इस विषय को फिर से उठाया। इन प्रस्तावों से पहले दक्षिण भारत में मंदिरों पर धार्मिक नेताओं के नियंत्रण के विरुद्ध विरोध-प्रदर्शन हुए थे। वीएचपी 1970 के दशक की शुरुआत से ही यह मुद्दा उठाता रहा है। इसने 2021 में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए एक केंद्रीय कानून की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

बीजेपी भी बुलंद कर रही आवाज

बीजेपी भी पिछले 10 वर्षों से इस मांग को दोहरा रही है। पिछले साल तेलंगाना में एक चुनावी रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु सरकार पर हिंदू मंदिरों को अपने नियंत्रण में लेने का आरोप लगाया, एक ऐसा आरोप जिसका तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कड़े शब्दों में खंडन किया था। 2017 और 2019 में तत्कालीन भाजपा सांसद सत्यपाल सिंह ने इस मुद्दे पर एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया था। भाजपा नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत की उत्तराखंड सरकार ने चार धाम मंदिरों और 49 अन्य मंदिरों के प्रबंधन के लिए एक बोर्ड स्थापित करने के लिए दिसंबर 2019 में उत्तराखंड चार धाम देवस्थानम प्रबंधन अधिनियम बनाया। हालांकि, 2021 में पुष्कर सिंह धामी की भाजपा सरकार ने पुजारियों, स्थानीय लोगों और राजनीतिक दलों के विरोध के कारण अधिनियम को वापस ले लिया और बोर्ड को समाप्त कर दिया।

इसी तरह, शिवराज सिंह चौहान की मध्य प्रदेश सरकार ने 2023 में मंदिरों पर राज्य के नियंत्रण को कम कर दिया जबकि कर्नाटक में बसवराज बोम्मई सरकार ने इसी तरह के उपायों की घोषणा की, लेकिन उनके कार्यान्वयन से पहले ही पद छोड़ दिया। हालांकि, इस पर एक केंद्रीय कानून अभी तक लागू नहीं हुआ है।

मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के पक्ष में कानूनी तर्क दिए गए हैं। वरिष्ठ वकील फली नरीमन और राजीव धवन ने एक बार मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण की आलोचना 'धार्मिक बंदोबस्ती के राष्ट्रीयकरण' के रूप में की थी। उन्होंने कहा था कि अदालतें इस मामले में हस्तक्षेप करने से काफी हद तक कतराती रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं और फैसले

तत्कालीन भाजपा प्रवक्ता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने 2022 में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की। हालांकि, अदालत ने यथास्थिति के पक्ष में तर्क दिया। उसने कहा कि वर्तमान व्यवस्था के तहत मंदिरों ने केवल अपने मंदिर ही नहीं, बल्कि समाज की बड़ी जरूरतों को भी पूरा किया है। अदालत ने कहा कि इसे उलटने से समय पीछे चला जाएगा उन दिनों में जब ये सभी मंदिर... धर्म के ये केंद्र, धन के स्थान बन गए थे।' सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी पर उपाध्याय ने अपनी याचिका वापस ले ली थी।

हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने 1954 के शिरूर मठ मामले में माना था कि एक ऐसा कानून जो धार्मिक संप्रदाय को प्रशासन का अधिकार पूरी तरह से छीन लेता है और उसे किसी अन्य प्राधिकरण में निहित कर देता है, अनुच्छेद 26(डी) के तहत मिले अधिकार का उल्लंघन है। हालांकि, यह माना गया कि राज्य को धार्मिक या धर्मार्थ संस्थान या बंदोबस्ती के प्रशासन के अधिकार को विनियमित करने का सामान्य अधिकार है।

फिर सर्वोच्च न्यायालय ने रतीलाल पानाचंद गांधी बनाम बॉम्बे राज्य और अन्य मामले में कहा कि एक धार्मिक निकाय को दिया गया प्रबंधन का अधिकार एक गारंटीकृत मौलिक अधिकार था जिसे कोई भी कानून छीन नहीं सकता है। दूसरी ओर, इसने कहा कि एक धार्मिक संप्रदाय को कानून के अनुसार अपनी संपत्ति का प्रबंधन करने का अधिकार है। इसका मतलब था कि राज्य वैध रूप से बनाए गए कानूनों के माध्यम से ट्रस्ट संपत्तियों के प्रशासन को विनियमित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 1996 के पन्नालाल बंसीलाल पिट्टी और अन्य बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में उस कानून की वैधता को बरकरार रखा जिससे आंध्र प्रदेश सरकार ने एक हिंदू धार्मिक संस्थान या बंदोबस्ती का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर वंशानुगत अधिकारों को समाप्त करने के लिए अधिनियमित किया था। इसने इस दलील को भी खारिज कर दिया कि कानून को सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होना चाहिए और तर्क दिया कि सरकार ने एक समिति की सिफारिशों के बाद कानून लाया था जिसमें मौजूदा व्यवस्था में कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार पाया गया था।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

सीआरपीएफ के पांच जवान घायल; अस्पताल में भर्ती

बीजापुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के तररेम और गुंडम क्षेत्र में रविवार की सुबह सर्चिंग पर निकले सीआरपीएफ जवान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया है। इस घटना के बाद किसी भी तरह से कोई फायरिंग नहीं हुई। यह पूरी घटना चिन्नागलूर कैम्प से करीब 350 मीटर की दूरी पर हुई है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए आला अधिकारियों ने बताया कि रविवार की सुबह सीआरपीएफ 153 बटालियन के जवान सर्चिंग पर निकले हुए थे, कैप से जैसे ही 350 मीटर की दूरी पर पहुंचे कि अचानक से ब्लास्ट हो गया। पीछे चल रहे साथी मोर्चा संभालते हुए तुरंत तैनात हो गए। लेकिन इस दौरान किसी भी तरह से कोई भी गोलीबारी नहीं हुई। जवानों ने तत्काल ही घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस आईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 153 बटालियन के पांच जवान घायल हुए हैं।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन में लापरवाही बरतने पर की बड़ी कार्रवाई

32 ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी

बेमेतरा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जल जीवन मिशन के कार्य में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्य को शुरू नहीं करने पर तीन फर्म की अमानत राशि राजसात करने व ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही 32 ठेकेदार को कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जानकारी अनुसार, जिले के साजा, नवागढ़ ब्लॉक में स्वीकृत जल जीवन मिशन के कार्य शुरू नहीं करने व लापरवाही बरतने पर संबंधित फर्म, ठेकेदार पर कार्रवाई की गई है। कार्य को 16 माह बीतने के बाद भी शुरू न करने पर तीन फर्म मेसर्स वीरन कंस्ट्रक्शन, रुद्राक्ष अर्थ मूवर्स व भार्गव कंस्ट्रक्शन के अनुबंध रद्द कर दिए गए। इन फर्म की अमानत राशि राजसात कर उन्हें ब्लैक लिस्टेड भी किया गया।

इसके साथ ही 32 अन्य ठेकेदार जिनकी कार्य प्रगति धीमी रही या जिन्होंने कार्य में रुचि नहीं दिखाई, को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जल जीवन मिशन के कार्य में गुणवत्ता और समय सीमा का पालन सुनिश्चित करने के लिए कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जेपी गोड़ ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयावधि व उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। इस कार्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

25 सितंबर को कलेक्टर ने की था समीक्षा

बता दे कि कलेक्टर रणबीर शर्मा ने इसी माह 25 सितंबर को जल जीवन मिशन के कार्य की समीक्षा बैठक ली थी। इस दौरान उन्होंने 16 माह बीत जाने के बावजूद कार्य की शुरुआत न होने पर नाराजगी जताई थी। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि तीन दिनों के भीतर सभी स्वीकृत कार्य की शुरुआत नहीं हुई, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उनके आदेश के बाद पीएचई विभाग बेमेतरा के कार्यपालन अभियंता द्वारा यह कार्रवाई की गई। जल जीवन मिशन को सफलतापूर्वक लागू करने व क्षेत्र के नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

झारखंड में चुनाव लड़ेगी चिराग की लोजपा

केंद्रीय मंत्री बोले- अकेले या गठबंधन में? इस पर चर्चा जारी

रांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टि (रामविलास) या लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को बताया कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के अकेले और गठबंधन में चुनाव लड़ने समेत सभी विकल्पों पर चर्चा जारी है। बता दें कि झारखंड में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने वाला है। चिराग पासवान के इस बयान से पहले असम के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि भाजपा झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा आजसू और जनता दल (यूनाईटेड) के साथ गठबंधन में लड़ने वाली है। सीएम सरमा के इस बयान के ही चिराग पासवान ने रविवार को अपना बयान जारी किया। दरअसल, लोजपा (रामविलास) केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन का हिस्सा है।

गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने के विकल्पों पर चर्चा जारी: चिराग पासवान

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, ₹लोजपा (रामविलास) गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर चर्चा कर रही है।: रविवार को वह धनवाद में एक रैली को संबोधित करने वाला हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड में लोजपा (रामविलास) का मजबूत जनाधार था। जब मैं पैदा हुआ, तब झारखंड बिहार का हिस्सा था। यह मेरे पिता की कर्मभूमि रही है। राज्य में पार्टी का मजबूत जनाधार था। ऐसे में यह तय हो गया है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा था, ₹भाजपा आजसू और जनता दल (यूनाइटेड) के साथ गठबंधन में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी। सहयोगी दलों के साथ 99 फीसदी सीटों पर सीट बंटवारे का समझौता हो चुका है। बाकी के एक-दो सीटों पर चर्चा जारी है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।₹ उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में औपचारिक घोषणा पितृ पक्ष (दो अक्तूबर) के बाद की जाएगी।

झारखंड में डेंगू पर लगेगा लगाम

रिम्स में क्लीनिकल ट्रायल शुरू, 20 को लगा टीका

रांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन मेडिकल रिसर्च सेंटर(आइसीएमआर) और 'पैनेशिया बायोटेक' के सहयोग से तैयार स्वदेशी डेंगू वैक्सीन 'डेंगीऑल' का क्लीनिकल ट्रायल रिम्स में शुरू हो गया है. इस वैक्सीन के तीसरे चरण का यह पहला क्लीनिकल ट्रायल है. इसके तहत 20 से ज्यादा लोगों को डेंगू की वैक्सीन दी गयी है. वैक्सिनेशन के सात दिन बाद उनकी दोबारा स्क्रीनिंग कर स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया गया है, जिसमें किसी प्रकार की समस्या नहीं पायी गयी है. ट्रायल में शामिल लोगों को दो साल फॉलोअप में रखा जायेगा.

'डेंगीऑल' के क्लीनिकल ट्रायल की पूरी जिम्मेदारी रिम्स के पीएसएम विभाग को दी गयी है. विभाग के डॉ मिथलेश इसकी अगुआई कर रहे हैं. वहीं, टीम में विभागाध्यक्ष डॉ विद्यासागर और डॉ देवेश कुमार भी शामिल हैं. डॉ देवेश कुमार ने बताया कि क्लीनिकल ट्रायल के तहत रांची शहरी क्षेत्र के डोरंडा और धुर्वा इलाके के लोगों को वैक्सीन दी गयी है. वहीं, इसमें अन्य लोगों को शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है. पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल में किसी को कोई साइड इफेक्ट नहीं मिला है. वहीं, इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं.

क्लीनिकल ट्रायल में पहले चरण में लोगों को वैक्सीन के बारे में समझाया जाता है और उनकी सहमति ली जाती है. दूसरे चरण में सहमत लोगों की स्क्रीनिंग होती है और उनके खून की जांच की जाती है. इसमें सफल पाये लोगों को वैक्सीन लगायी जाती है.

डेंगू के बढ़ रहे मामलों पर लगेगी लगाम

पिछले दो दशकों से डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ा है. देश और राज्य में हर साल इससे सैकड़ों लोग डेंगू की चपेट में आते हैं. झारखंड में इस साल अगस्त तक 450 से ज्यादा डेंगू के मरीज मिले थे. वहीं, पिछले साल एक व्यक्ति की मौत भी डेंगू से हुई थी. अगर यह टीका पूर्ण परीक्षण के बाद आता है, तो उम्मीद है कि डेंगू के मामलों में कमी आयेगी.

बच्चों को मोबाइल की लत से बचाने के लिए स्कूल ने निकाला अनोखा तरीका, हो रहा वायरल

बलरामपुर रामानुजगंज, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर रामानुजगंज में स्कूल के असेंबली में जैसे ही दो बच्चों के आंखों में पट्टी लगी हुई एवं खून बहता हुआ पहुंचे तो पूरे स्कूल के बच्चों के बीच अफरा- तफरी मच गई बच्चे रोने लगे स्कूल की अध्यापिका दोनों बच्चों को लेकर बच्चों के बीच से गुजरने लगी तो बच्चों को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर में हुआ कैसे कुछ। देर में पता चला कि लगातार मोबाइल देखने के कारण आंखों में ऐसा हुआ।

यह पूरा वाक्या कन्हर वेली पब्लिक स्कूल का है यहां बच्चों को मोबाइल की लत से बचाने के लिए स्कूल प्रबंधन के द्वारा इस प्रकार का ड्रामा रचा गया।

आजकल बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत अभिभावकों के लिए चिंता का विषय हो गया है अभिभावकों के लाख समझाने के बाद भी बच्चे मोबाइल देखने से बाज नहीं आ रहे हैं अभिभावकों के द्वारा स्कूल में हमेशा शिकायत की जाती है कि बच्चे दिनभर मोबाइल देख रहे हैं स्कूल के द्वारा भी समझाइए देने की पूरी कोशिश की जाती है परंतु बच्चों पर कोई असर नहीं पड़ता है।

बच्चों के दिलों दिमाग में गहरा असर छोड़ने के लिए नगर के कनहर वैली पब्लिक स्कूल के द्वारा एक नायाब ड्रामा रचा गया अचानक से स्कूल के असेंबली में स्कूल की अध्यापिका दो बच्चों को लेकर बच्चों के बीच आई जिनकी एक आंख में पट्टी लगी हुई थी एवं खून बह रहा था बच्चे देखते के साथ सभी रोने लगे तभी मैडम ने बताया कि उनके द्वारा मोबाइल बहुत देखा जाता था जिसके कारण ऐसा हुआ।

मोबाइल छूने से भी डरने लगे बच्चे

जब दोनों बच्चों को स्कूल की असेंबली के बीच से ले जाया जाने लगा इसी बीच जब स्कूल के अन्य स्टाप के द्वारा बच्चों को मोबाइल दिया जाने लगा तो बच्चे मोबाइल छूने से भी डरने लगे।

कन्हर वैली पब्लिक स्कूल के प्राचार्य राहुल सोनी ने बताया कि बच्चों को मोबाइल की लत से बचाने के लिए हम लोगों ने ऐसा किया।

66 लोगों की मौत, 69 लापता और 226 घर तबाह

नेपाल में बारिश का कहर, अब भी हालात बेकाबू

काठमांडू, 29 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में बारिश से त्राहिमाम मचा हुआ है। नेपाल में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बारिश से हुए नुकसान की जानकारी अधिकारियों ने शनिवार (28 सितंबर) को दी। बताया गया कि 69 लोग लापता हैं और 226 घर तबाह हुए हैं। नेपाल के कई हिस्सों में गुरुवार (26 सितंबर) से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण आपदा अधिकारियों ने अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। नेपाल पुलिस के उप प्रवक्ता बिश्वो अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण नेपाल में हुई 59 लोगों की मौत 34 काठमांडू घाटी में हुई हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ में 36 लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में कुल 44 लोग लापता हैं जिनमें से 16 काठमांडू घाटी में लापता हैं। बताया गया कि एक हजार से ज्यादा लोगों को बचाया भी गया है।

ब्लॉक हुए मेन हाईवे

अधिकारियों ने बतया कि नेपाल में बारिश का सितम जारी है जिसकी वजह से सड़क यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। बताया गया कि देशभर में 44 स्थानों पर मुख्य हाईवे ब्लॉक हो गए हैं। इस बीच, कार्यवाहक प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाश मान सिंह ने गृह मंत्री, गृह सचिव और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों समेत विभिन्न मंत्रियों की एक आपात बैठक बुलाई है और उन्हें खोज तथा बचाव अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

बिजली आपूर्ति भी हुई प्रभावित

नेपाल में बाढ़ के कारण ने पावर लाइव बाधित हो गई है जिसकी वजह से काठमांडू में पूरे दिन बिजली गुल रही लेकिन शाम को बिजली आपूर्ति बहाल हो गई। पुलिस ने बताया कि काठमांडू में 226 मकान जलमग्न हो गए हैं और प्रभावित इलाकों में नेपाल पुलिस की ओर से लगभग तीन हजार सुरक्षाकर्मियों की बचाव टीम तैनात की गई है। युद्धस्तर पर बचाव और राहत कार्य जारी है। वहीं लोगों से भी सावधानी बरतने और सतर्क रहने की अपील की गई है।

अमेरिका में हेलेन तूफान की तबाही से मातम दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में 64 लोगों की मौत

पेरी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में हरिकेन 'हेलेन' तूफान ने भारी तबाही मचाई है। हेलेन तूफान के कारण अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज आंधी देखने को मिली है। इससे जुड़ी घटनाओं में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। 'हेलेन' तूफान ने क्षेत्र में व्यापक तबाही मचाई है। जगह-जगह घर, दुकान, मकान और पेड़ व पोल उखड़े पड़े हैं। भारी बारिश के कारण लोग अब भी बीच रास्ते में फंसे हुए हैं और लाखों लोगों को बिना बिजली के अंधेरे में रहना पड़ रहा है। फ्लोरिडा के स्टीनहैची की निवासी जनालेया इंग्लैंड ने कहा, ''मैंने पहले कभी इतने लोगों को बेघर होते नहीं देखा जितने मैं अब देख रही हूं।'' फ्लोरिडा के बिग बेंड गांव में बृहस्पतिवार देर रात 'हेलेन' तूफान ने दस्तक दी थी और उस दौरान 225 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। इसके बाद तूफान ने जॉर्जिया की ओर रुख किया। 'हेलेन' तूफान के कारण कैरोलाइना और टेनेसी में मूसलाधार बारिश हुई, हालांकि वहां तूफान अब कमजोर पड़ गया है।

नॉर्थ कैरोलिन में भूस्खलन

पश्चिमी नॉर्थ कैरोलिना के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन और बाढ़ के कारण इंटरस्टेट 40 और अन्य सड़कों पर यातायात अवरुद्ध हो गया है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने बताया कि 'हेलेन' तूफान अब एक उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात बन गया है। इसके शनिवार और रविवार को टेनेसी पहुंचने की संभावना है। 'हेलेन' तूफान के कारण फ्लोरिडा, जॉर्जिया, उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया में लोग मारे गए हैं, जिनमें से दक्षिण कैरोलाइना में कम से कम 25 लोगों की मौत हुई है।

बलूचिस्तान में पंजाब के 7 मजदूरों की हत्या, संदिग्ध आतंकवादियों की कायराना हरकत; सीएम से रिपोर्ट तलब

मुलतान, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों ने रविवार को कम से कम सात पंजाबी मजदूरों की हत्या कर दी। ये वारदात अशांत क्षेत्र में इस तरह की हत्या की ताजा घटना है। पुलिस ने बताया कि ये मजदूर पंजगुर शहर के खुदा-ए-अबादन इलाके में एक मकान के निर्माण के लिए काम पर रखे गए थे। पीड़ित पंजाब प्रांत के मुल्तान जिले के रहने वाले थे और हमले के समय वे दिन भर की मेहनत के बाद एक ही छत के नीचे सो रहे थे। जानकारी के मुताबिक स्वचालित हथियारों से लैस हमलावर परिसर में घुसे और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

किसी संगठन ने लगी हमले की जिम्मेदारी

पुलिस महानिरीक्षक मोअज्जम जाह अंसारी ने डॉन को बताया, सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मृतकों की पहचान साजिद, शफीक, फैयाज, इफ्तिखार, सलमान, खालिद और अल्लाह वासिया के रूप में हुई है। अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन पंजगुर के एसएसपी फाजिल शाह बुखारी ने कहा कि यह एक आतंकवादी हमला है और कहा कि जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने की हमले की निंदा

वहीं पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की। जबकि प्रधानमंत्री ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती से इस मामले में रिपोर्ट मांगी। उन्होंने आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हर संभव कदम उठाने का संकल्प भी दोहराया।

यूक्रेन के सुमी में रूस ने बरपाया कहर ड्रोन अटैक में 9 लोगों की मौत

सुमी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन के सुमी शहर में एक बार फिर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरपूर्वी यूक्रेन के शहर सुमी में एक मेडिकल सेंटर पर लगातार दो रूसी हमलों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। पहले हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि रूस ने फिर से हमला किया, जबकि मरीज और कर्मचारी बाहर निकल रहे थे। सुमी में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमले में शाहिद ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। सुमी के कार्यवाहक मेयर आर्टेम कोबज़ार ने बताया कि 21 अन्य लोग घायल हुए हैं।

सुमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र से लगभग 20 मील (32 किमी) दूर है, जहां यूक्रेन के सैनिकों ने 6 अगस्त से ही आश्चर्यजनक रूप से घुसपैठ की है, ताकि क्रेमलिन के सैन्य फोकस को यूक्रेन में अग्रिम पंक्ति से दूर किया जा सके। खार्किव क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि यूक्रेन के उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र में, शनिवार को स्लेटीन गांव पर रूसी हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। सिनीहुबोव ने यह भी कहा कि कोजाचा लोपन के नज़दीकी गांव में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि उसने रात को लॉन्च किए गए 73 रूसी ड्रोन में से 69 को मार गिराया और साथ ही चार मिसाइलों में से दो को भी मार गिराया। कीव में शहर के अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेनी राजधानी और उसके बाहरी इलाकों में लगभग 15 ड्रोन को मार गिराया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के गृह शहर क्रिवी रिह में, स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि शुक्रवार को रूसी मिसाइल से प्रभावित एक प्रशासनिक भवन के मलबे के नीचे एक व्यक्ति का शव मिला, जिससे उस हमले में मरने वालों की संख्या चार हो गई।

रूस में, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयर डिफेंस ने रात भर बेलगोरोड क्षेत्र में चार यूक्रेनी ड्रोन और कुर्स्क क्षेत्र में एक को मार गिराया, दोनों ही क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से लगे हुए हैं। बेलगोरोड क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि रूसी सीमावर्ती शहर शेबेकिनो में यूक्रेनी गोलाबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। दो अन्य लोग घायल हो गए।

बेरूत में हुए इजरायली हमले में 33 लोगों की मौत, 195 घायल, लेबनान ने दी जानकारी

तेल अवीव, 29 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है। हिज्बुल्लाह के सफाया के लिए लेबनान पर इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। लेबनान की राजधानी बेरूत में शनिवार को इजरायल के हमले में 33 लोग मारे गए। लेबनान ने बताया कि हमले में 195 लोग घायल भी हुए हैं। इजरायली रक्षा बलों के हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत हो गई। हमले के कुछ देर बाद ही इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने नसरल्लाह को मार गिराया है। बेरूत के दहिह में किए गए हमले में एक के बाद एक कई भीषण विस्फोट से काफी संख्या में इमारतें ध्वस्त हो गईं और आसमान में नारंगी व काले धुएं का गुबार छा गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस हमले में 33 लोग मारे गए और 195 लोग घायल हो गए। इजराइल के प्रमुख टीवी चैनलों के अनुसार, हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला को निशाना बनाने के लिए ये हमले किए गए। हालांकि, सेना ने इस पर टिप्पणी से इनकार कर दिया।

हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला

वहीं, हिजबुल्लाह ने शनिवार शाम बताया कि शुक्रवार रात 9:30 बजे इजराइल के हवाई हमलों में नसरल्लाह की मौत हो गई। इजराइली सेना ने राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला किया था। बताया जा रहा है कि नसरल्लाह अपनी बेटी के साथ यहीं मौजूद था। इजरायली सेना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, अब दुनिया को नसरल्लाह से डरने की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा। नसरल्लाह के मारे जाने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है।

नॉर्थ कैरोलिना हवाई अड्डे पर लैंडिंग करते वक्त दुर्घटना का शिकार हुआ विमान, कई लोगों की मौत

मैंटिओ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में निजी विमानों की दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। आए दिन यहां कोई न कोई विमान दुर्घटना का शिकार होता रहता है। इस बार नार्थ कैरोलिना के मैंटिओ में एक विमान दुर्घटना का शिकार हो गया है। बताया जा रहा है कि 'राइट ब्रदर्स नेशनल मेमोरियल्स फर्स्ट फ्लाइट एयरपोर्ट' में एक इंजन वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस विमान में कुल कितने लोग सवार थे और कितने लोगों की मौत हुई है,

इस बारे में कोई सटीक जानकारी अभी सामने नहीं आ सकी है। नेशनल पार्क सर्विस ने जानकारी देते बताया कि विमान में सवार सभी लोगों के मारे जाने की आशंका है। विमान के मलबे को बरामद कर लिया गया है। नेशनल पार्क सर्विस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि दुर्घटना शाम पांच बजे हुई, उस वक्त विमान हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश कर रहा था। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। किल डेविल हिल्स जिले के दमकल विभाग और अन्य स्थानीय दमकल विभागों ने आग बुझाई।

दुर्घटना का बाद हवाई अड्डे को किया गया बंद

बयान में कहा गया कि विमान दुर्घटना होने के बाद हवाई अड्डे के संचालन को फिलहाल बंद कर दिया गया है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस पूरी दुर्घटना की जांच करेगा। साथ ही संघीय विमानन प्रशासन को भी सूचित कर दिया गया है। अभी तक विमान में दुर्घटना होने की कोई ठोस वजह का पता नहीं चल सका है। तकनीकि खामियों से दुर्घटना होने की आशंका जाहिर की गई है।

नसरल्लाह की हत्या के बाद हाशिम सफीद्दीन बना हिजबुल्लाह का नया चीफ

बेरूत, 29 सितंबर (एजेंसियां)। सैय्यद हसन नसरल्लाह की इजरायली हमले में मौत हो जाने के बाद अब हाशिफ सफीद्दीन को हिजबुल्लाह का नया चीफ बनाया गया है। वह हसन नसरल्लाह का चचेरा भाई है। नसरल्लाह की हत्या होने के बाद सफीद्दीन को ही हिजबुल्लाह का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। आज हाशिम सफ़ीद्दीन को हिज़्बुल्लाह चीफ बनाए जाने का ऐलान कर दिया गया। वह हिजबुल्लाह के सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक हैं और शिया मुस्लिम आंदोलन के संरक्षक ईरान के साथ उनके गहरे धार्मिक और पारिवारिक संबंध हैं। सफीद्दीन अपने करिश्माई नसरल्ला से काफी मिलता-जुलता है, लेकिन वह उससे कई साल छोटा है। हिज़्बुल्लाह के एक करीबी सूत्र ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है। मगर सूत्र ने बताया कि सफीद्दीन ग्रे-दाढ़ी रखता है और चश्मा लगाता है। वह ही हिजबुल्लाह के इस शीर्ष पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार था।

अमेरिका और सऊदी अरब की हिट लिस्ट में है सफीद्दीन

संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब ने 2017 में सफ़ीद्दीन को आतंकवादियों की नामित सूची में डाल दिया था, जो हिज़्बुल्लाह की शक्तिशाली निर्णय लेने वाली शूरा परिषद का सदस्य है। अमेरिकी वित्त विभाग ने उसे हिज़्बुल्लाह संगठन में एक वरिष्ठ नेता और इसकी कार्यकारिणी का प्रमुख सदस्य बताया है। जबकि नसरल्लाह की मौत के बाद हिज़्बुल्लाह के उप प्रमुख नईम कासेम ने स्वचालित रूप से हिज़्बुल्लाह का नेतृत्व संभाल लिया था। अब शूरा परिषद को एक नए महासचिव का चुनाव करने के लिए बैठक करनी होगी। पवित्र शहर क़ोम में धार्मिक अध्ययन करने के बाद से ही सफ़ीद्दीन के ईरान के साथ मजबूत संबंध हैं।

सफीद्दीन का बेटा है ईरान जनरल का दामाद

साउथ चाइन मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार खास बात यह है कि सफीद्दीन का बेटा ईरानी जनरल का सगा दामाद है। सफीद्दीन के बेटे की शादी ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की विदेशी ऑपरेशन शाखा के कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की बेटी से हुई है। वर्ष 2020 इराक में अमेरिकी हमले में जनरल कासिम मारे गए थे। सफ़ीद्दीन के पास सैय्यद की उपाधि उनकी काली पगड़ी है, जो उसे नसरल्लाह की तरह पैगंबर मोहम्मद के वंशज के रूप में चिह्नित करती है। वर्षों तक छुपे रहने वाले नसरल्लाह के विपरीत सफ़ीद्दीन हाल के राजनीतिक और धार्मिक आयोजनों में खुले तौर पर दिखाई देता रहा है।

चीन में हुआ कुछ ऐसा कि बीच सड़क लोगों पर हो गई गंदगी की बारिश

नाननिंग, 29 सितंबर (एजेंसियां)। चीन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो चीन के शहर नाननिंग का बताया जा रहा है, जहां लोगों को इंसानों के मल-मूत्र से नहाना पड़ गया। दरअसल, यहां एक सीवेज पाइप में विस्फोट हो गया। इस दौरान मानव मल-मूत्र का फव्वारा आसमान में कुछ फीट ऊपर तक उड़ने लगा। इसके बाद यह मल-मूत्र आसमान से सड़कों पर जा रहे लोगों और वाहनों पर बरसने लगा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियों में देखा जा सकता है कि कैसे गंदगी के फव्वारे ने कारों, पैदल चलने वालों और बाइक सवारों को गंदा कर दिया। बताया जा रहा है कि इंजीनियर सीवेज लाइन का प्रेशर टेस्ट कर रहे थे। इस दौरान यह घटना हुई। घटना के बाद संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद साफ-सफाई का काम शुरू किया गया।

पाकिस्तानी मरीज के लिए देवदूत बना भारतीय डॉक्टर! श्रीलंका के अस्पताल में जाकर किया इलाज

इस्लामाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। इस दुनिया में डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया गया है। इसका ताजा मामला श्रीलंका में देखने को मिला। जहां मुंबई के आंखों के सर्जन डॉ। कुरेश मस्कती ने एक पाकिस्तानी मरीज का कोलंबो के एक अस्पताल में सफल ऑपरेशन कर उसकी वीरान पड़ी जिंदगी में खुशियों के रंग भर दिए। दरअसल, आज से 4 साल पहले एक हादसे में पाकिस्तान लाहौर के रहने वाले व्यक्ति की बाई आंख खराब हो गई थी। इसके बाद उसने 2 बार ऑपरेशन भी कराया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

तब वहां के डॉक्टरों ने मुंबई के रहने वाले आई सर्जन डॉ। कुरेश मस्कती से बात की और पूरा मामला समझाया। बता दें कि पाकिस्तानी मरीज को श्रीलंका में आंखों का ऑपरेशन इसलिए करवाना पड़ा क्योंकि, उसे भारत का वीजा मिलने में मुश्किल हो रही थी। तब नाजुक मौके पर डॉ। कुरेश मस्कती ने श्रीलंकाई मेडिकल काउंसिल से बात कर ऑपरेशन का इंतजाम कराया। अधिकारियों से इजाजत मिलने के बाद बीते 13 सितंबर को स्थानीय आई सर्जन डॉ। कुसुम रथनायके के मदद से कोलंबो के आई स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में उसके ऑपरेशन का अंजाम दिया और महज 48 घंटो के भीतर उसकी आंखों की रौशनी वापस आ गई।

डोनाल्ड ट्रंप ने लॉन्च की लग्जरी घड़ियां, लोगों ने दिया 'मेड इन चाइना' का टैग! एक्सपर्ट के दावे ने खोल दी पोल

वॉशिंगटन, 29 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक सफल बिजनेस मैन है। ये बात पूरी दुनिया जानती है। हालांकि, वो काफी सालों से राजनीति में भी सक्रिय हैं। इस बार वो दोबारा राष्ट्रपति के चुनाव में किस्मत आजमाने के लिए उतरे है, जहां उनकी मुख्य प्रतिद्वंदी कमला हैरिस है। इस बीच उन्होंने ट्रंप नाम की लग्जरी घड़ियां मार्केट में उतारी हैं। जिसको लेकर कई लोग उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रंप ने जो घड़ियां बाजार में बेचने के लिए उतारा है वो चीन में बनी हुई है। इसके बावजूद वॉच की कीमत काफी ज्यादा रखी गई है। जिसमें एक मॉडल की कॉस्ट \$100,000 (83 लाख) तक है।

'घड़ियों की कीमत बहुत ज्यादा'

डोनाल्ड ट्रंप की घड़ियों को देखकर एक्सपर्ट्स प्रभावित नहीं हुए। बता दें कि हाल में जिन दो वॉच को मार्केट में लाया गया है। उसमें से एक 'द फाइटर' और दूसरा बिलेनियर है। द फाइटर मॉडल की कीमत 499 डॉलर से 799 डॉलर के बीच है। वहीं बिलेनियर की कीमत \$100,000 (83 लाख) है। हालांकि, विशेषज्ञों ने घड़ियों की कमजोर डिजाइन और बढ़ी हुई कीमत के लिए उनका मजाक उड़ाया है। ए ब्लॉग टू वॉच के संस्थापक और संपादक एरियल एडम्स ने हॉलीवुड रिपोर्टर को बताया कि ट्रंप की घड़ियां बहुत अधिक कीमत की है। बीते गुरुवार को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि उनकी घड़ियां वास्तव में विशेष हैं। क्रिसमस गिफ्ट के लिए सबसे अच्छी च्वाइस हैं। रुको मत तेजी से आगे बढ़ें और खरीदें। हालांकि, एक्सपट्र्स का कहना है कि ट्रंप की वॉच एक व्हाइट-लेबल कंपनी बनाती होगी। ये एक ऐसी निर्माता कंपनी होती है, जो सामानों को दोबारा तैयार करती है। इसके बाद उसे दूसरे ब्रांड के तौर पर मार्केट में बेचती हैं। कोई भी आदमी एक सफेद लेबलर के पास जा सकता है और कह सकता है मुझे एक प्रोडक्ट तैयार करना है, जिसे बाद में अपने कहे अनुसार ब्रांड का नाम चिपका देगा।

प्रिंसेस डायना पर पूर्व हेयर ड्रेसर के संस्मरण में नया खुलासा; वान गॉग की पेंटिंग पर फेंका गया सूप

लंदन, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजकुमारी डायना के हेयर ड्रेसर ने प्रिंस हैरी और उनके राइडिंग इंस्ट्रक्टर जेम्स हेविट से जुड़े विवाद पर अपनी राय दी है। कई सालों से चल रही अफवाहों और अटकलों के बाद कि प्रिंस हैरी के जैविक पिता किंग चार्ल्स नहीं बल्कि उनके राइडिंग इंस्ट्रक्टर जेम्स हेविट हैं, एक नए संस्मरण ने उनके रिश्ते की प्रकृति पर कुछ प्रकाश डाला है। कई सालों से, हेविट और हैरी के बीच कुछ समानताएं - दोनों के बाल के रंग और झाइयां - ऐसी अफवाहों को जन्म देती रही हैं। डायना के हेयर ड्रेसर रिचर्ड डाल्टन ने अब इस विवाद पर अपनी राय दी है और यहा तक कि एक नए संस्मरण, 'इट्स ऑल अबाउट द हेयर' में दिवंगत राजकुमारी के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी विस्तार से बताया है। डाल्टन ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि यह संभव नहीं है। यह मुश्किल था, हैरी का जन्म हेविट के साथ उनके रिश्ते से कुछ समय पहले ही हो चुका था।

मोहम्मद अल-फयाद के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों पर बेटे ने दी प्रतिक्रिया, कहा- कोई भी कानून से ऊपर नहीं

लंदन, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हैरोड्स के भूतपूर्व बॉस मोहम्मद अल-फयाद जिन पर कई कर्मचारियों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया था, इस पर उनके बेटे उमर फयाद ने कहा है कि इन आरोपों ने उनके साथ मेरे मन में उनके प्रति जो अच्छी और प्यारी यादें थी, उस पर सवालिया निशाना लगा दिया। बता दें कि वकीलों का कहना है कि लगभग 60 महिलाओं ये आरोप लगाने के लिए आगे आई हैं कि मोहम्मद अल-फयाद ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। एक टेलीविजन डॉक्यूमेंट्री के बाद महिलाओं ने उन पर दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। वहीं उमर फयाद ने एक बयान में कहा कि मैं अपने पिता के खिलाफ हाल ही में लगाए आरोपों से काफी डरा और बहुत चिंतित हूं। उन्होंने कहा, आरोपों की सीमा और स्पष्ट प्रकृति चौंकाने वाली है और इससे मेरी मेरे पिता से जुड़ी प्यारी यादों पर सवालिया निशान लग गया है। उन्होंने कहा, यह मामला इतने लंबे समय तक कैसे छिपाया जा सका और इतने तरीकों से यह और भी परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है। मिस्र अरबपति के खिलाफ आरोपों की झड़ी पिछले हफ्ते एक न्यूज एजेंसी की तरफ से किए गए खुलासे के बाद लगी है, जिसमें महिलाओं ने बताया कि जब वे लंदन में हैरोड्स नामक लक्जरी डिपार्टमेंट स्टोर में काम करती थीं, तो फयाद ने उन्हें निशाना बनाया था। मोहम्मद अल-फयाद 25 साल तक लंदन में हैरोड्स का मालिक था। उनके बेटे ने कहा कि हालांकि वह अपने पिता से बहुत प्यार करते थे और वह एक बेहतरीन पिता थे, लेकिन हमारे रिश्ते का यह पहलू।।। मुझे परिस्थितियों के वस्तुनिष्ठ आकलन से नहीं रोकता है। उन्होंने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि कथित पीड़ितों को पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही मिलनी चाहिए। मैं सत्य, न्याय, जवाबदेही और निष्पक्षता के सिद्धांतों का समर्थन करना जारी रखूंगा, चाहे यह यात्रा किसी भी दिशा में क्यों न जाए। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। फयाद के खिलाफ आरोप लगाने वाली महिलाओं का कहना है कि लंदन में उनके अपार्टमेंट और पेरिस में उनकी अन्य ठिकानों पर उनके साथ दुर्व्यवहार हुए, जिसमें रिट्ज होटल भी शामिल है। महिलाओं ने कहा कि जब उन्होंने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में शिकायत करने की कोशिश की, तो उन्हें वरिष्ठ सुरक्षा कर्मचारियों की तरफ से धमकाया गया। उनके पदों को बदल दिया गया और झूठे आरोपों के बाद उनके पास हैरोड्स छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

600 साल पुरानी छतरी को लेकर गरमाई सियासत

राजेंद्र राठौड़ ने सीएम भजनलाल को पत्र लिखकर रखी मांग

बूंदी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए कोटा विकास प्राधिकरण की ओर से बूंदी के राजा राव सूरजमल हाड़ा की छतरी तोड़े जाने को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। राठौड़ ने कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त की गई छतरी का यथास्थान पर पुनर्निर्माण करवाये जाने के मांग की है।

गौरतलब है कि बूंदी के राजा राव सूरजमल हाड़ा की छतरी तुलसी गांव में स्थापित है। यह करीब 600 साल पुरानी छतरी है। जिसे लेकर राजपूत समाज ने सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही 8 अक्टूबर को छतरी की जगह समाज को एकजुट होने का आह्वान किया गया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने सीएम भजनलाल को पत्र लिखते हुए कहा कि 'दिनांक 20 सितंबर को बूंदी जिले के पूर्व महाराजा राव सूरजमल हाड़ा की 600 वर्ष पुरानी प्राचीन छतरी को कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त किये जाने से जनभावनाएं आहत हुई है। बूंदी के पूर्व नरेश राव सूरजमल हाड़ा ना केवल प्रजावत्सल राजा थे। बल्कि बलिदान के बाद वे समाज में एक लोकदेवता की तरह पूजनीय है रियासत कालीन छतरी सामाजिक समरसता एवं संपूर्ण भारत क्षेत्र की वीरता, शौर्य एवं गौरव गाथा की प्रतीक है एवं पवित्र भावनात्मक आस्था का स्थल है।'

यथावत स्थान पर बने छतरी-राठौड़

उन्होंने कहा कि 'इस संबंध में मैंने दिनांक 28 सितंबर को आपसे फोन पर वार्ता कर जनभावनाओं से अवगत करते हुए उसी जगह पर छतरी का पुनर्निर्माण करवाने की मांग भी रखी है। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्य सरकार द्वारा जन भावनाओं का सम्मान करते यथास्थान पर ही सूरजमल जी की भव्य छतरी वापस बनाई जाएगी।'

राजेंद्र राठौड़ ने आगे कहा कि 'आपसे निवेदन है कि जनभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए ऐतिहासिक व गौरवशाली संस्कृति के प्रतीक बूंदी के पूर्व नरेश राव सूरजमल हाड़ा जी की भव्य छतरी का सनातन धर्म की परंपरा के अनुरूप यथास्थान पर पुनर्निर्माण करवाये जाकर अनुगृहित करावें।'

इन दिग्गजों ने जताया विरोध

कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा छतरी तोड़े जाने का बाद विवाद गहरा गया। रियासतकालीन छतरी को ध्वस्त किये जाने पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह, कोटा के पूर्व सांसद एवं राजपरिवार के सदस्य इज्यराज सिंह, बूंदी के ब्रिगेडियर (रिटा.) भूपेश सिंह हाड़ा और स्थानीय विधायक हरिमोहन शर्मा ने विरोध जताया।

जिला समाप्त किया तो करेंगे आंदोलन

नए जिले से उठी चिंगारी; विधायक घनश्याम महर ने दी चेतावनी

करौली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। करौली जिले के नादौती उपखण्ड मुख्यालय पर गंगापुर सिटी जिले को यथावत रखने सहित विभिन्न मांगों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस तत्वावधान में कांग्रेसियों द्वारा एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया। धरने की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष लोकेश खटाना ने की। मुख्य अतिथि विधायक घनश्याम महर थे।

मांगों को लेकर राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उप जिला कलक्टर कार्यालय में सौंपा। इस दौरान विधायक महर ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा नेताओं द्वारा की गई अनर्गल टिप्पणी को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित नेताओं के विरूद्ध संवैधानिक कार्यवाही की मांग की।

जिले को यथावत रखने की मांग

विधायक महर ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर आमजन की समस्याओं को लेकर संवेदनहीन होने का आरोप लगाते हुए कहा कि नादौती में उप जिला कलक्टर व तहसीलदार का पद लंबे समय से रिक्त है। उप जिला कलक्टर का पद गत फरवरी माह से रिक्त चल रहा है। इससे प्रशासनिक, न्यायिक व कानून व्यवस्था के साथ आमजन से जुड़ी समस्याओं का समय पर निस्तारण नहीं हो पा रहा है। दूरदराज गांवों से उपखण्ड मुख्यालय पर फरियाद लेकर आने वाले ग्रामीणों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। उन्होंने क्षेत्र में लंबे समय से हो रही बरसात के कारण किसानों की खरीफ की फसल बर्बाद हो गई है। फसलों में हुए नुकसान का सर्वे करवाने की लगातार मांग की जा रही है, लेकिन अब तक भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। विधायक व कांग्रेसियों ने गंगापुर जिले को यथावत रखने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि सरकार द्वारा जिले को समाप्त किया गया तो क्षेत्र की जनता आंदोलन करेगी।

ब्लॉक कांग्रेस के उपाध्यक्ष मुरारीलाल नेता, सेवादल के बत्तू सिंह गुर्जर ने चेतावनी दी कि सरकार द्वारा नादौती में एसडीएम व तहसीलदार के पदों को शीघ्र नहीं भरा गया तो इसके विरोध में आम जनता सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगी। उन्होंने आमजन की समस्याओं के निराकरण को लेकर सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया।

धरने में युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखलेश खटाना, समाजसेवी दिनेश खटाना, दयाराम खटाना, पंचायत समिति सदस्य शिवराम गढ़खेड़ा, सुरज्ञानी मीणा, युवक कांग्रेस के शेरसिंह खटाना, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष केदार खटाना, बत्तू लाल खटाणा मेंढे का पुरा कप्तान सिंह, रमेश पटेल, ब्लॉक कांग्रेस के मीडिया प्रभारी हिम्मत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधी वाटिका के उद्घाटन से पहले गरमाई सियासत!

मंत्री मदन दिलावर ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सेंट्रल पार्क में बने गांधी वाटिका म्यूजियम निर्माण में भ्रष्टाचार का खेल हुआ है। अशोक गहलोत ने गांधी जैसे सच्चे इंसान के नाम पर भ्रष्टाचार किया। मंत्री दिलावर के बयान से राजस्थान की राजनीति गरमाई हुई है।

गांधी वाटिका के निरीक्षण करने पहुंचे मदन दिलावर ने कहा कि म्यूजियम को देखकर मुझे दुख हुआ है कि गांधी के नाम पर पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार किया है। कोटा स्टोन की जन्मस्थली रामगंज मंडी है, मैं वहां से चुनकर आता हूं। यहां पर घटिया किस्म के पत्थर लगाए गए हैं। दिलावर ने कहा कि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वाटिका म्यूजियम का उद्घाटन करेंगे, यहां जो भी अब छोटी-मोटी कमियां है उसे ठीक किया जाएगा।

गांधी वाटिका में महापुरुषों की चर्चा नहीं

दिलावर ने कहा कि गांधी वाटिका में भगवान राम, महाराणा प्रताप और मीरा बाई के बारे में कोई चर्चा नहीं की गई है, नाम तो इसका ठीक है लेकिन जिस तरीके से गांधी के नाम का इस्तेमाल किया गया है वैसा इस वाटिका में कुछ नहीं है। यहां चित्रों को देखा है केवल उन विदेशियों का महिमा मंडन किया गया जिन्होंने हमारे ऊपर राज किया है। कांग्रेस की स्थापना ही विदेशियों ने की थी इसलिए इनके प्रति कांग्रेस में कूट-कूट कर श्रद्धा भरी है।

एक और क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी घोटाला

एफडी के नाम पर 50 करोड़ की ठगी, किसान-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जैसे 2 हजार लोग फंसे

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक और क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी घोटाला सामने आया है। फिक्स डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट में निवेश का झांसा देकर हजारों लोगों से 50 करोड़ रुपए से अधिक ठग लिए गए। गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में रजिस्टर्ड निम्बल क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने साल 2014 में जयपुर में ऑफिस खोला था। ठगी का मास्टरमाइंड ब्रह्मपाल बताता था कि उसकी सोसाइटी केंद्र सरकार से रजिस्टर्ड है। कंपनी 6 साल में पैसा डबल कर देगी। बड़े स्तर पर ठगी को अंजाम देने के लिए उसने भारी कमीशन का लालच देकर एजेंट का नेटवर्क तैयार किया। एजेंटों ने मल्टीलेवल मार्केटिंग की तर्ज पर सेमिनार बुलाकर लोगों को अपने नीचे निवेश करवाने पर रॉयल एनफील्ड से लेकर लग्जरी कार गिफ्ट करने का झांसा दिया।

एजेंट भरोसा दिलाने के लिए निवेश का बॉन्ड देते थे। लोगों ने मोटी कमाई के चक्कर में ब्याज पर रुपए लेकर निवेश करना शुरू कर दिया था। जैसे ही फिक्स डिपॉजिट मैच्योर होने का समय आया, कंपनी भाग गई। पीड़ित अपने पैसों की वापसी के लिए थानों के चक्कर लगा रहे हैं।

जमवारामगढ़ की प्रेम शर्मा के पास एक वक्त पर अच्छी खासी जमा पूंजी थी। पैसे दोगुने होने के लालच में सब गंवा बैठीं। ठगों के झांसे में कैसे आईं, इसकी वे पूरी कहानी बताते हुए रो पड़ती हैं। चौमूं निवासी मोहर सिंह से उनकी जान पहचान थी। मोहर सिंह खुद को निंबल क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी का स्टेट हेड बताता था। वर्ष 2015, जनवरी में मोहर सिंह ने ब्रह्मपाल नाम के शख्स से मिलवाया। वो सूट-बूट पहने था और खुद को कंपनी का एमडी बता रहा था। उसने बताया कि वह हजारों करोड़ की कंपनी का मालिक है। निंबल सोसाइटी भी उसी की है। उसमें एफडी और आरडी करने पर बाकी बैंकों से अच्छा ब्याज मिलेगा। छह साल के भीतर पैसे डबल हो जाएंगे। मैंने उसके कहने पर 5 लाख अपने इन्वेस्ट करवा दिए। इसके बदले मुझे एक बॉन्ड दिया दिया गया। कहा कि इस बॉन्ड को दिखाकर देश में कहीं भी अपना पैसा निकलवा सकते हैं।

इन्वेस्ट किए कुछ दिन ही गुजरे थे। मोहर सिंह ने लालच दिया कि चेन सिस्टम बनाकर और लोगों से पैसा इन्वेस्ट करवाओ। नीचे वाले जैसे-जैसे पैसा निवेश करेंगे, आपका कमीशन बनेगा। मैंने अपने जानकार, रिश्तेदार और गांव वालों को प्लान के बारे में बताया। उनकी मुलाकात मोहर सिंह से करवाई। ठग ने उन सभी से 95 लाख रुपए निवेश करवा लिए।

जमवारामगढ़ में रहने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संतोष गुप्ता बताती हैं कि पति के गुजर जाने के बाद पाई-पाई जोड़कर रुपए इकट्ठा किए थे। बेटी की शादी के लिए दस हजार रुपए का निवेश निंबल क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी में जमा करवाए थे। लेकिन, कुछ दिनों बाद उन्हें मालूम चला कि कंपनी ताला लगा कर भाग गई है। कंपनी के चक्कर काटे, लेकिन हमारे रुपए नहीं मिले। जिसके चलते लोगों से उधार लेकर बेटी की शादी करनी पड़ी। मैंने किसी तरह की स्कीम में निवेश करना ही बंद कर दिया है।

ठगी का मास्टरमाइंड ब्रह्मपाल है, जो मूल रूप से गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसकी निंबल क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी वर्ष 2012 में रजिस्टर्ड हुई थी। उसके साथ ठगी में कंपनी के सीईओ संदीप जैन, कंपनी का राजस्थान प्रबंधक विजय शर्मा और राजस्थान हेड मोहर सिंह शामिल है। संदीप, विजय शर्मा और मोहर सिंह फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश किए गए रुपए को दोगुना करने का झांसा देते थे।

ब्रह्मपाल ने राजस्थान में ठगी को अंजाम देने के लिए वर्ष 2014 में जयपुर की संसार चंद्र रोड पर आलीशान ऑफिस खोला था। कंपनी के कार्यालय का उद्घाटन एमडी ब्रह्मपाल ने खुद ही किया। ऑफिस का किराया ही हर माह लाखों रुपए था। जयसिंहपुरा खोर थाने के जांच अधिकारी सतीश शर्मा के अनुसार पुलिस को रिपोर्ट प्राप्त हुई है कि निंबल क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी प्राइवेट लिमिटेड पॉलिसी मैच्योर होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों के रुपए नहीं लौटाए हैं। कई दस्तावेज कंपनी के पास हैं, इसलिए मामले की जांच पूरी होने के बाद रुपए का आकलन लगाया जा सकेगा। आरोपियों के खिलाफ अन्य थानों में भी मुकदमे दर्ज हैं। वहीं ठगी को अंजाम देने के लिए निवेशकों को ऑफिस बुलाना शुरू कर दिया।

3 घंटे तक भभकती रही टायर फैक्ट्री

8 दमकलों और 8 टैंकर ने पाया काबू

सीकर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। सीकर के पलसाना इलाके में रीको इंडस्ट्रियल एरिया में एक टायर फैक्ट्री में भयंकर आग लग गई। आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियों और पानी के टैंकरों ने मिलकर 3 घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग दोपहर करीब 12:30 बजे लगी थी।

पलसाना में रीको स्थित टायर फैक्ट्री ई-107 में शॉर्ट-सर्किट से आग लगी। धुआं 10 किमी दूर से सीकर-जयपुर हाईवे पर भी नजर आ रहा था। हालांकि, आग लगने की इस घटना में अभी तक कोई जनहानि की सूचना नहीं मिली है। मौके पर पलसाना पुलिस, डीवाईएसपी जाकिर अख्तर पुलिस टीम के साथ पहुंचे। फैक्ट्री के चारों ओर बनी दीवारों को तोड़ कर अंदर पानी की बौछार की गई।

मौके पर पहुंचे तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत ने बताया- आग पर काबू पा लिया गया है। सिलेंडर यहां मजदूरों के खाना बनाने के लिए रखे गए थे।

सबसे युवा सांसद संजना जाटव को मिली नई जिम्मेदारी

भरतपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सबसे कम उम्र की सांसद संजना जाटव को लोकसभा और राज्यसभा के 31 सांसदों वाली संसदीय स्थायी समिति 'जल संसाधन समिति' का स्थाई सदस्य नियुक्त किया गया है। सदस्य नियुक्त होने पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस समिति के अध्यक्ष सारण सांसद राजीव प्रताप रुडी बने हैं। जिन्होंने शुक्रवार को अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभाला है। सांसद संजना का कहना है मुझे समिति ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन ईमानदारी से करूंगी।

सांसद संजना जाटव ने बताया कि में लगातार क्षेत्र में पानी की समस्या को संसद में उठने का कार्य कर रही थीं। यही वजह है कि जल संसाधन समिति का स्थाई सदस्य नियुक्त किया गया है। इस समिति के माध्यम से लोकसभा क्षेत्र और राजस्थान में पानी की समस्या से अवगत कराने का कार्य करूंगी।

उन्होंने बताया कि जल संसाधन समिति संसद की स्थायी समितियों में से एक है जिसके अन्तर्गत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प के कार्य है। समिति का कार्य संबंधित मंत्रालय को मार्गदर्शन प्रदान करना समिति का मूल कार्य है। समिति विभिन्न अनुदान मांगों पर विचार करने के साथ ही उस पर रिपोर्ट बनाती है। साथ ही समिति उन बिलों की भी जांच करती है जिनमें समिति को संदर्भित किया जाता है। समिति के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं आती हैं, जिनका कार्यान्वयन और भविष्य की योजनाओं की प्लानिंग भी इसके द्वारा किया जाता है।

देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुने गए सांसदों में चार महिलाएं सबसे कम उम्र की हैं। इनमें से एक नाम है संजना जाटव। संजना को भरतपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस ने मैदान में उतारा था। पूरे दमखम से चुनाव लड़ा और भाजपा के रामस्वरूप कोली को करीब 50 हजार वोट से हरा दिया था।

अज्ञात कारणों से फंदे पर झूला भाजपा मंडल अध्यक्ष का बेटा

नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

अलवर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में कल देर रात एक युवक ने अपने ही घर के कमरे में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक भाजपा मंडल अध्यक्ष का बेटा है। पुलिस को अब तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके।

जानकारी के अनुसार सोनावा डुंगरी निवासी राजेन्द्र सैनी, जो भाजपा के मंडल अध्यक्ष हैं, के 22 वर्षीय बेटे गौरव उर्फ अंशुल सैनी ने कल देर रात अज्ञात कारणों के चलते अपने कमरे में फांसी का फंदा लगा लिया। सुबह देर तक जब गौरव अपने कमरे से बाहर नहीं आया तो परिवार के लोगों को शक हुआ। उसके कमरे में देखने पर गौरव पंखे से लटका हुआ दिखाई दिया।

परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के आधार पर अरावली विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। परिवार के लोगों ने पुलिस को लिखित शिकायत भी दी है। अभी तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लग पाया है। कोई सुसाइड नोट तक भी नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का पता लग सके। पुलिस गहनता से मामले की जांच कर रही है।

सूचना मिलने के बाद भाजपा कार्यकर्ता व राज्य सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भी वहां पहुंचकर परिवार के लोगों से पूरे मामले की जानकारी ली और परिवार के लोगों का ढांढस बंधाया। युवक की आत्महत्या के कारण केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी आज अलवर दौरे के सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं।

45 दिन बाद बेटियों ने कब्र से बाहर निकलवाया पिता का शव

दौसा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां बेटियों की शिकायत पर पिता की मौत के करीब डेढ़ माह बाद पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में कब्र से शव निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद वापस शव को दफना दिया गया। हालांकि, शहर में दिनभर यह चर्चा का विषय बना रहा।

दौसा के कोतवाली थाना प्रभारी हीरालाल सैनी ने बताया कि आरपीएफ से सेवानिवृत्त एसआई रफीक अहमद (82) पुत्र रमजान खान निवासी नागौरी मोहल्ला पुराने सिनेमा के पीछे हाल निवासी मदीना कॉलोनी सिंगवाड़ा रोड की गत 15 अगस्त को मौत हो गई थी। 18 सितबर को मृतक की दो बेटी रुकसाना व साजना निवासी नागौरी मोहल्ला के परिवाद पर मुकदमा दर्ज किया गया।

रिपोर्ट में मृतक की दोनों बेटियों ने आशंका जताई है कि भाई वसीम खान, उसकी पत्नी व पुत्र आदि ने पिता को मारपीट व प्रताड़ित करते हुए जहर देकर मार दिया। साथ ही बुआ, चाची, भाभी आदि पर भी संदेह जताया है।

प्रकरण में कार्यवाही करते हुए एसडीएम से अनुमति के बाद तहसीलदार लोकेन्द्र मीना, सदर शमीम अहमद, मृतक के परिजनों व समाज के प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में लालसोट रोड स्थित कब्रिस्तान में कब्र से वापस शव को निकालकर मेडिकल बोर्ड से मौके पर ही पोस्टमार्टम कराया गया। विसरा लेकर एफएसएल लैब में भेजा गया है।

पूर्व विधायक से धोखाधड़ी, फर्जी लेटरपेड बनाकर भेजी अनुशंसा, मामला दर्ज

सिरोही, 29 सितंबर (एजेंसियां)। दो सरकारी कार्मिकों की ओर से फर्जी व कूटरचित लेटरपेड बनाकर व फर्जी हस्ताक्षर कर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री को अनुशंसा प्रस्तुत करने का मामला सामने आया है। इस मामले में भीनमाल के पूर्व विधायक पूराराम चौधरी ने भंवराराम, अधिशासी अधिकारी-तृतीय नगर परिषद सिरोही व हनुमानराम, कनिष्ठ अभियन्ता नगर निगम कोटा (उत्तर) के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस निरीक्षक रामेश्वरलाल भाटी ने बताया कि पूर्व विधायक पूराराम चौधरी ने मामला दर्ज करवाया कि भंवराराम, अधिशासी अधिकारी-तृतीय नगर परिषद सिरोही व हनुमानराम, कनिष्ठ अभियन्ता नगर निगम कोटा (उत्तर) ने उनके नाम का फर्जी व कूटरचित लेटरपेड बनाकर उस पर फर्जी हस्ताक्षर कर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा को अनुशंसा प्रस्तुत कर अपना नाम लिस्ट में जुड़वा दिया।

उनके निजी सचिव से यह जानकारी मिलने पर डिजायर की कॉपी मांगी तो लेटरपेड व हस्ताक्षर फर्जी पाए गए। इधर, भंवराराम वर्तमान में सिरोही नगर परिषद में रेवेन्यू ऑफिसर पद पर कार्यरत हैं।

चार साल पहले की लेटरपेड

मुझे नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग से जो लेटरपेड मिली है, वह चार साल पहले की है। अभी मैं जो लेटरपेड उपयोग कर रहा हूं, उसमें जयपुर का पता ही नहीं है। साथ ही मेरे हस्ताक्षर भी फर्जी है। इस सबन्ध में पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

बकाया भुगतान के बदले मांगी 10 हजार की रिश्वत

नगर परिषद का जमादार रंगे हाथों गिरफ्तार

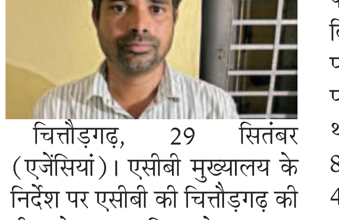

चित्तौड़गढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की चित्तौड़गढ़ की टीम ने नगर परिषद के जमादार जयराज कण्डारा को परिवादी से 10 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। परिवादी के बकाया वेतन सहित अन्य कार्यों को लेकर यह रिश्वत ली गई थी। एसीबी चित्तौड़गढ़ की टीम ने आरोपित जमादार के आवास की भी तलाशी ली है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की चित्तौड़गढ़ इकाई को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी हाजिरी भरने, नोटिस फाइल करवाने एवं बकाया वेतन दिलाने की ऐवज में आरोपित नगर परिषद का जमादार जयराज कण्डारा परिवादी से रिश्वत की मांग कर रहा था। साथ ही उसने कहा कि प्रतिमाह 8 हजार रुपये के हिसाब से पिछले 4-5 माह की मंथली के रूप में 40 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर उसे परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी उदयपुर के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन और एसीबी की चित्तौड़गढ़ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रमसिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसमें रिश्वत की मांग करना पुख्ता पाया। इसके बाद एसीबी की टीम ने मय टीम के ट्रेप कार्रवाई की।

स्कूल से निकली नाबालिग बच्ची को अगवा करने आ धमके छह बाबा

शोर मचाने पर भागे, लोगों ने ढूंढ निकाला

झुंझुनू, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनू से हैरान करने वाली खबर सामने आयी है। यहां एक स्कूल में पढ़ने वाली नाबालिग बच्ची के अपहरण की कोशिश की गई। वह स्कूल से निकल कर अपनी सहेलियों के साथ घर आ रही थी। तभी बाइक से बाबाओं के वेश में आये, कुछ युवकों ने उसे पकड़ लिया। वह शोर मचाने लगी। उसकी सहेलियों ने भी शोर मचाना शुरू किया, तो वे बच्ची को छोड़कर भाग निकले। घटना के बाद परिवार वालों और इलाके के लोगों ने उन्हें ढूंढ निकाला। मामले में पुलिस पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि 13 साल की बच्ची स्कूल की छुट्टी के बाद दोपहर में अपनी दो सहेलियों के साथ घर वापस जा रही थी। इसी बीच अचानक अलग-अलग बाइक सवार बाबाओं के वेश में तकरीबन छह युवक आए। उन्होंने राह चलती बच्ची को पीछे से पकड़कर मुंह दबाना चाहा, लेकिन बच्ची ने चीख-पुकार मचा दी। उसके सहेलियां भी चीखने लगीं।

धोखा देने में बीआरएस और कांग्रेस में कोई अंतर नहीं : बंडी संजय

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने सांसद लक्ष्मण के साथ सेवा पखवाड फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार एक बार फिर हाइड्रा हमलों को लेकर सरकार पर हमलावर हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार हाइड्रा हमलों की समीक्षा नहीं करती है तो भाजपा संघर्ष के लिए तैयार है। इस मौके पर उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, लोग...बीजेपी आपके पीछे है। हम आपकी संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हैं। हम आपके हथियार बनेंगे। भाजपा गरीबों के लिए हथियार बनने जा रही है। अगर हाइड्रा बुलडोजर आपके घरों पर उतरना चाहते हैं तो उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं और हम पर बुलडोजर उतरने के बाद ही आपके घरों को छूना चाहिए। हम उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। इससे पहले कि सरकार गरीबों का घर तोड़ दे, इसकी तैयारी कर लें। उन्होंने साफ किया कि हम इस मामले में कड़ा संघर्ष करने को तैयार हैं।

बरकतपुरा स्थित भाजपा शहर मध्य जिला कार्यालय में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. गंगीडी मनोहर रेड्डी के निर्देशन में आयोजित सेवा पखवाड़ा फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण, उपाध्यक्ष चिंताला रामचंद्र रेड्डी, जिला अध्यक्ष गौतम राव और अन्य ने किया। इस अवसर पर उनके साथ मीडिया से बात करते हुए, वे हाइड्रा हमलों, कांग्रेस द्वारा 6 गारंटी के कार्यान्वयन, बीआरएस और कांग्रेस द्वारा किए गए धोखाधड़ी के बारे में गुस्से में थे। आपका क्या मतलब है? आज की फोटो प्रदर्शनी हर किसी को अवश्य देखनी चाहिए।

2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में व्यापक सेवा कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया गया है। तेलंगाना के सुदूर गांव में कोई भी जाए या किसी व्यक्ति को ले जाए, हाइड्रा हमले की चर्चा जरूर होती है। हाइड्रा के आक्रमण से लोग दुःखी है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि सरकार इसकी समीक्षा क्यों नहीं कर रही है। इसके अलावा लोगों को डराने के लिए दुष्प्रचार किया जा रहा है। क्या इदिराम्मा का साम्राज्य गरीबों के घर तोड़ने के लिए है? क्या इन्दिरम्मा का राज्य गरीबों से सूद लेने के लिए है? क्या इंदिराम्मा का राज्य 6 गारंटी लागू किए बिना धोखा देने के लिए है? जब गरीब रो रहे होते हैं तो क्या आपको दिखाई नहीं देता? बीआरएस, क्या चीज आपको अलग बनाती है? बीआरएस ने पहले भी ऐसा किया था। आप वही पाठ्यक्रम जारी नहीं रखेंगे। बीआरएस ने पूर्व सरपंचों के बिलों का भुगतान न करके उन्हें धोखा दिया। अब कांग्रेस भी उन्हें धोखा दे रही है। बीआरएस ने दी गई गारंटियों को लागू न करके धोखा दिया है। कांग्रेस ने 6 गारंटियों को लागू करने के नाम पर वोट चुराकर भी लोगों को धोखा दिया है। बीआरएस सरकार ने गरीब जगहों पर कलेक्ट्रेट और घाट स्टेशन बनाने के नाम पर गरीब जगहों पर कब्जा कर लिया। अब मुसी सौंदर्यीकरण के नाम पर गरीबों के घरों को तोड़ रही है। इसीलिए भाजपा गरीबों के साथ खड़े होने और लोगों की संपत्ति की रक्षा के लिए कड़ा संघर्ष करने को तैयार है। हम किशन रेड्डी के नेतृत्व में एक योजना बनाकर जल्द ही इसे लागू करने जा रहे हैं।

स्तनपान को बढ़ाने और सी-सेक्शन को कम करने के लिए प्रतिबद्ध

स्तनपान प्रबंधन और स्तन दूध बैंकिंग सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को अमीरपेट के एक होटल में 4वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दक्षिण एशियाई लैम्बकॉन 2024 नामक दो दिवसीय सबसे बड़ा स्तनपान प्रबंधन और स्तन दूध बैंकिंग सम्मेलन आयोजित किया गया। आर.वी. कर्णन, आयुक्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एमडी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ. श्रीधर प्रहलाद रयावंकी, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए यूनिसेफ फील्ड ऑफिस डॉ. जेलेलम बिरहानू तफ़ेसे, उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

आर.वी. कर्णन ने कहा कि सी-सेक्शन उन कारणों में से एक है जो समय से पहले स्तनपान को प्रभावित करते हैं। तेलंगाना सरकार का मुख्य ध्यान सी-सेक्शन की संख्या को कम करना है। समय से पहले स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए नर्सों और अन्य लोगों को प्रशिक्षित करने के प्रयास भी जारी हैं।

हर विधानसभा क्षेत्र में आईटीआई स्थापित करेगी तेलंगाना सरकार

राज्य के 119 में से 64 निर्वाचन क्षेत्रों में कोई सरकारी आईटीआई नहीं

सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवाओं को व्यावहारिक कौशल से लैस करने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार कथित तौर पर राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक आईटीआई स्थापित करने की योजना बना रही है। वर्तमान में राज्य में 65 आईटीआई कार्यरत हैं और सरकार चरणबद्ध तरीके से 40 और आईटीआई स्थापित करने की तैयारी कर रही है। श्रम एवं रोजगार विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि राज्य के कुल 119 में से 64 निर्वाचन क्षेत्रों में कोई सरकारी आईटीआई नहीं है। विधायकों के अनुरोध पर हर विधानसभा क्षेत्र में आईटीआई स्थापित करने की पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कथित तौर पर अधिकारियों को युद्ध स्तर पर आईटीआई स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा है। सरकार की योजना अगले शैक्षणिक वर्ष से इन आईटीआई को शुरू करने की है।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार इन आईटीआई को वन-स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है, जिसमें छात्रों को न केवल नौकरी के बाजार के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि एक ही छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे। राज्य सरकार ने उद्योगों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने 65 आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) में अपग्रेड करने के लिए पहले ही 2,324 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। सरकार ने राज्य में 65 आईटीआई को एटीसी के रूप में अपग्रेड करने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) के साथ 10 साल का समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है।

सरकार इस पहल के तहत इन एटीसी में इंडस्ट्री 4.0 पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है, जिसमें दीर्घकालिक और अल्पकालिक कार्यक्रम तथा औद्योगिक कौशल की मांग को पूरा करने के लिए ब्रिज कोर्स शामिल हैं। कुछ अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों में उत्पाद डिजाइन विकास, उन्नत विनिर्माण, प्रोसेस कंट्रोल ऑटोमेशन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, आधुनिक ऑटोमोटिव रखरखाव, प्रोटोटाइपिंग औद्योगिक रोबोटिक्स, एआई-आधारित वर्चुअल वेल्डिंग और पेंटिंग शामिल हैं।

ग्रुप-I मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए निर्देश जारी

प्रत्येक परीक्षा के दिन नई डाउनलोड की प्रति लाने की अनुमति नहीं

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 21 अक्टूबर से शुरू होने वाली ग्रुप-I मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को शेष 6 परीक्षाओं के लिए परीक्षा के पहले दिन इस्तेमाल किया गया हॉल टिकट ही साथ लाना होगा। प्रत्येक परीक्षा के दिन, प्रत्येक अभ्यर्थी को हॉल टिकट पर, निरीक्षक की उपस्थिति में, दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर करना होगा, जिस पर निरीक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किए जाएंगे। यदि अभ्यर्थी प्रत्येक परीक्षा के दिन नई डाउनलोड की गई प्रति लेकर आते हैं, तो उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) 21 अक्टूबर से ग्रुप-I मुख्य परीक्षा आयोजित करेगा, जिसकी शुरूआत सामान्य अंग्रेजी के पेपर से होगी, जो एक योग्यता परीक्षा है। योग्यता परीक्षा सहित सभी सात पेपर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दोपहर 12.30 बजे शुरू होगा और अंतिम प्रवेश दोपहर 1.30 बजे होगा। दोपहर 1.30 बजे गेट बंद होने के बाद किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ग्रुप-I मुख्य में सामान्य अंग्रेजी (अर्हता परीक्षा), और सामान्य निबंध (पेपर-I), इतिहास, संस्कृति और भूगोल (पेपर-II), भारतीय समाज, संविधान और शासन (पेपर-III), अर्थव्यवस्था और विकास (पेपर IV), विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और डेटा व्याख्या (पेपर-V) और तेलंगाना आंदोलन और राज्य गठन (पेपर-VI) शामिल हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर हॉल टिकट के साथ कम से कम एक मूल वैध फोटो पहचान पत्र (भौतिक रूप में)- पासपोर्ट, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, सरकारी कर्मचारी पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस-सरकार द्वारा जारी और काला/नीला बॉल प्वाइंट पेन, पेंसिल और इरेजर ले जाना होगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर आने से पहले मुद्रित हॉल टिकट पर निर्धारित स्थान पर परीक्षा तिथि से तीन महीने के भीतर ली गई अपनी पासपोर्ट आकार की फोटो चिपकाने को कहा गया है।

परीक्षा आयोजित करने वाली टीजीपीएससी, अभ्यर्थियों को परीक्षा के प्रत्येक दिन सभी प्रश्नपत्रों के लिए विशिष्ट उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराएगी तथा अभ्यर्थियों को कोई अतिरिक्त प्रश्नपत्र नहीं दिया जाएगा।

रफ कार्य केवल उत्तर पुस्तिका में दिए गए स्थान पर ही करना होगा तथा परीक्षा हॉल में खुली शीट या कागज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, इसके अलावा उत्तर पुस्तिका से कोई भी कागज अलग नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को केवल चप्पल पहनने का निर्देश दिया गया है, जूते नहीं।

अलियाबाद स्थित भायल परिवार द्वारा आयोजित सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सहसचिव हिराराम खंडाला, शिक्षा समिति सचिव चेलाराम भायल, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, सहसचिव रमेश परिहार, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य रामलाल वरपा, रामलाल परिहार, गौशाला सचिव हुक्माराम सनपरा, विज्ञापन लाभार्थी गौतमचन्द हाम्बड़, ओमप्रकाश सोलंकी, नेमाराम बर्फा, गेनाराम काग, गणेशराम बर्फा, सोहनलाल कुमावत, आनन्द राठौड़, शंकरलाल बर्फा व समाज बन्धु।

दशहरा सम्मेलन समितियों की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं मेला के प्रधान संयोजक गोविंद राठी की अध्यक्षता में हसमत गंज में विभिन्न समितियों की बैठक हुई। घट स्थापना संयोजक रमेश चंद्र व्यास ने बतलाया कि घट स्थापना 3 अक्टूबर को सायंकाल 6:00 बजे शंकर जी मेमोरियल स्कूल में होगा। इसके साथ ही मेला का शुभारंभ किया जाएगा मानव झांकियां के संयोजिका श्यामा नावंनदर तथा श्रीमती सुरेखा सारडा ने बताया कि दशहरा के दिन राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, सीता हनुमान जी तथा वशिष्ठ की मानव झांकियां बनाई जाएंगी। मेला संयोजक श्रीमती कलावती जाजू, शकुंतला नावनदर ने भी अपने विचार रखें और सभी को इस मेले में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर कलावती जाजू, गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, सुमित राठी, रामदेव नागला, श्रीमती कमला राठी, श्रीमती सुरेखा शारडा, श्रीमती श्यामा नावनदर, सविता सोनी, रमेश चंद्र व्यास, छगनलाल लवंदर भी उपस्थित रहे।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर बिहार एसोसिएशन की बैठक

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के कार्यकारिणी मंडल महापर्व छठ की तैयारी में जुट गया है, छठ घाटों की सफाई हेतु क्षेत्र-वार कमेटी गठन पर चर्चा की गई। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बिहार एसोसिएशन हैदराबाद यहां के प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सहयोग से समस्त छठ घाटों को सौंदर्यीकरण हेतु काम करने की योजना बना रहा है।

टैंक बॉन्ड, उपल छठ घाट, एलबी नगर, काटे दान, मियांपुर, अयोध्या नगर, सुभाष नगर इत्यादि जगहों पर छठ महापर्व की तैयारी की योजना है। मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार के अनुसार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व में मानवेंद्र मिश्रा, उपाध्यक्ष, उत्तम यादव, रविशंकर सिंह, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, विनोद गुप्ता, अखिलेश सिंह, दिनेश सिंह, ए के मोरिया, रमेश, शत्रुघन राम, गोपाल शाह, जितेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अजय ओझा, नंदलाल चौहान, उत्तम कुमार, हरे राम ने छठ घाट के सौंदर्यकरण पर अपनी राय रखी। अध्यक्ष हरेराम सिंह ने कहा है कि समय रहते हम सभी को अपने-अपने क्षेत्र में तैयारी शुरू कर देना है ताकि सभी जगहों पर राज्य सरकार के सहयोग से व्रतियों को अधिक से अधिक सुविधा पहुंच सके। इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों से भी सहयोग लिया जाएगा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा सप्तदिवसीय शिवकथा का पूर्णाहुति

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य गुरु अशुतोष महाराज द्वारा स्थापित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में 22 से 28 सितंबर तक मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल), काचीगुड़ा में आयोजित सप्तदिवसीय शिवकथा का आज वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ पूर्णाहुति की गई।

पूर्णाहुति में मुख्य यजमान, दैनिक यजमान और उत्सव यजमानों सहित सभी ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया गया और ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में आगे भी सहभागी बनने का आग्रह किया गया, जिससे समाज में आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार हो सके।

पुलिस की निगरानी में चल रहे जिम सेंटर

दो गुटों के बीच संघर्ष की वजह से पुलिस अलर्ट

शहर की शांति व्यवस्था को पहुंच रहा नुकसान

मंचेरियल, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दो गुटों के बीच झड़प के बाद कस्बे के जिम सेंटर अब पुलिस की जांच के दायरे में आ गए हैं। कांग्रेस नेता जगनमोहन राव के सहयोगी संजीव की 23 सितंबर को शहर में बाईपास रोड स्थित उनके घर पर कथित तौर पर हत्या का प्रयास करने के आरोप में गुरुवार को 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी जी राकेश को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित कर तलाश शुरू कर दी है। राकेश एक जिम का मालिक है। पुलिस टीम ने शुक्रवार को शहर के तीन मशहूर जिमों का निरीक्षण किया और सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई। दोनों गुटों के बीच लंबे समय से वर्चस्व की होड़ लगी हुई है। वे नियमित अंतराल पर एक-दूसरे से भिड़ते रहते हैं। दोनों समूहों के बीच संघर्ष से शहर की शांति और सौहार्द बिगड़ रहा है।

मंचेरियल इंस्पेक्टर आर बंसीलाल ने कहा कि शहर के कुछ जिम पर नजर रखी जा रही है, क्योंकि हाल ही में गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपी व्यक्ति जिम के सदस्य थे। यह पता चला है कि युवा और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग बॉडी बिल्डिंग और शारीरिक फिटनेस में सुधार के लिए जिम में शामिल हो रहे हैं। कथित तौर पर वे इन जिम में गांजा और शराब पीने के आदी हो रहे हैं। कथित तौर पर वे गैंगवार में शामिल हैं, जो जिला मुख्यालय में एक नई समस्या बन गई है। शहर के कई इलाकों में पुरुषों और महिलाओं के लिए करीब 20 जिम सेंटर संचालित हैं। इनमें से ज़्यादातर सेंटर प्रशिक्षित फिटनेस कोचों द्वारा संचालित हैं, जबकि कुछ सेंटर इंजीनियरिंग और दूसरे डिग्री कोर्स में स्नातक युवाओं द्वारा संचालित हैं।

एक संचालक ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों में अधिकांश जिमों में फिटनेस चाहने वालों की संख्या में गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप मालिकों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि दो गुटों के बीच झड़प और जिमों पर पुलिस के विशेष ध्यान के मद्देनजर फिटनेस चाहने वाले अब जिम जाने से कतराने लगे हैं।

पित्ती ट्रस्ट का 135वां निशुल्क मेडिकल कैंप संपन्न

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा सर्वोदय विचार प्रचार ट्रस्ट के सहयोग से 135वां निशुल्क मेडिकल कैम्प कोठी स्थित गांधी ज्ञान मंदिर में संपन्न हुआ।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर एलसीएस डूंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली, किम्स सनशाइन अस्पताल, भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। किम्स सनशाइन हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन, हृदयरोग, अस्थिरोग विशेषज्ञ ने अपनी सेवा दी। साथ ही ईसीजी 2डी इको बीएमडी बीपी, आरबीएस की जांच डॉ. आशा बी ए, डॉ. जैकिन प्रसाद, डॉ. कुमार रेड्डी, नर्सिंग स्टाफ ज्योति बरेली, सुजा बरेली, प्रणिता सुनार, प्रिया थापा, बीएमडी तकनीशियन आर.विष्णु, मार्केटिंग के उदय कुमार भी थे। एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात 87 जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और 25 रोगियों के निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई जिसमें के श्रीनिवासुलु, मैनेजर डी वेंकटेश्वर राव, तकनीशियन हसन अली खान ने सहयोग दिया। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की गई।

भगवान महावीर विकलांग सहायता द्वारा एक विकलांग रोगी की सेवा की गई।

अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शरद बी पित्ती, शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय सहयोगी सर्वोदय विचार प्रचार ट्रस्ट के रविंदर कपाड़िया, श्याम सुंदर अग्रवाल, अंशुल कपाड़िया, रफीक, रमेश, अजय तुलशन, पवन भराड़िया, श्याम सुंदर शर्मा, विजय नंदन काबरा, नामदेव शिम्पी, राजेंद्र यादव, राजेश तोतला, मनीष विजयवर्गीय, मूलचंद, उमेश मालानी, बंसी, जगदीश, अरुणा तुलस्यान, सतीश गर्ग, बबीता गर्ग, सुनयना नरसरिया, राधेश्याम बियानी, मनोज सिंह, आगरा महिला मंच दीपा गर्ग, वंदना अग्रवाल, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लेमिनेशन के सदस्य ने अपनी सेवा प्रदान की।

बस ने बाइक को रौंदा, एक व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को चादरघाट में सड़क दुर्घटना में एक व्यापारी की मौत हो गई। पीड़ित दसकोंडा उमेश (35), दबीरपुरा निवासी, बाइक से जा रहा था, तभी चादरघाट पर एक नर्सिंग कॉलेज की मिनी बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि उमेश सड़क पर गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई। उसकी तत्काल मौत हो गई। बस के ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

तीन संशोधन विधेयक...

इस विधेयक के जरिए स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर मतदाता सूची तैयार की जाएगी। जिसके लिए चुनाव आयोग (ईसी) को राज्य चुनाव आयोगों (एसईसी) के साथ परामर्श करना होगा। जिसके बाद ईसी इन चुनावों को लेकर मतदाता सूची तैयार करेगा।

संवैधानिक रूप से चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग अलग-अलग निकाय हैं। चुनाव आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राज्य विधान परिषदों के लिए चुनाव कराता है, जबकि एसईसी को नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कराने का अधिकार है। प्रस्तावित दूसरा संविधान संशोधन विधेयक में एक नया अनुच्छेद 324ए जोड़कर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ नगर पालिकाओं और पंचायतों के एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान किया जाएगा।

तीसरा विधेयक एक साधारण विधेयक होगा। जो विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों जैसे- पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर से संबंधित होगा। जो तीन कानूनों के प्रावधानों में संशोधन करेगा। ताकि इन सदनों की शर्तों को अन्य विधानसभाओं और लोकसभा के साथ सरेखित किया जा सके। जिसे पहले संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्तावित किया गया है।

इसमें जिन कानूनों में संशोधन करने का प्रस्ताव है, वे हैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम-1991, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम-1963 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019। प्रस्तावित विधेयक एक साधारण कानून होगा, जिसके लिए संविधान में बदलाव की आवश्यकता नहीं होगी और राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की भी आवश्यकता नहीं होगी।

उच्च स्तरीय समिति ने तीन अनुच्छेदों में संशोधन करने, मौजूदा अनुच्छेदों में 12 नए उप-खंडों को शामिल करने और विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित तीन कानूनों में फेरबदल करने का प्रस्ताव दिया था। 'एक देश एक चुनाव' के लिए संविधान में संशोधनों और नए सम्मिलनों की कुल संख्या 18 है।

वर्धमान ग्रुप के...

ठग ने कॉल किया, अरेस्ट वारंट-प्रॉपर्टी सील करने की बात कही :

पुलिस को दी शिकायत मुताबिक एसपी ओसवाल ने बताया कि उन्हें पिछले दिनों उनके मोबाइल पर एक फोन आया। आरोपी ने बोला कि वह दिल्ली से है और उनके नाम पर सुप्रीम कोर्ट की तरफ से अरेस्ट वारंट निकला है। इसके साथ ही उनकी प्रॉपर्टी सील करने के ऑर्डर निकले हैं। शातिर ठगों ने सुप्रीम कोर्ट के साथ-साथ ईडी, सीबीआई, कस्टम विभाग का भी हवाला दिया।

एसपी ओसवाल ने पुलिस को बताया कि एक दिन शातिर ठगों ने उन्हें वीडियो कॉल की, जिसमें एक आरोपी वीडियो कॉल पर था। आरोपी अंग्रेजी में उनसे बात कर रहा था। बात करने का तरीका भी ऐसा था कि वह काफी वेल एजुकेटेड लग रहा था। वह बार-बार वर्धमान रूप और उनका नाम ले रहा था।

आरोपियों ने एसपी ओसवाल से फोन कर कहा कि जिस केस में सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर हुए हैं, उसमें उनका नाम भी शामिल है। जब उन्होंने यकीन नहीं किया तो फिर उन्हें सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उनकी प्रॉपर्टी सील करने के ऑर्डर के साथ-साथ उनकी गिरफ्तारी के भी वारंट भेज दिए गए। जिसके बाद उन्हें थोड़ा यकीन हुआ और धीरे-धीरे करके ठगों ने उन्हें शातिर तरीके से अपने ट्रैप में ले लिया।

वर्धमान के मालिक एसपी ओसवाल को जब पूरा यकीन हो गया कि उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट निकले हैं तो उन्होंने शातिर ठगों से बचाव की बात कही। जिसके बाद शातिर ठगों ने उन्हें बचाने और केस से निकालने के लिए 7 करोड मांगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित बोले- उम्र के कारण टी-20 से संन्यास नहीं लिया

अब भी तीनों फॉर्मेट आराम से खेल सकता हूं

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के वनडे और टेस्ट फॉर्मेट के कप्तान रोहित शर्मा ने टी-20i से लिए रिटायरमेंट को लेकर कहा है कि टी-20 क्रिकेट से संन्यास लेने की वजह उम्र नहीं थी, अभी भी तीनों फॉर्मेट खेल सकता हूं।

एक यूट्यूब चैनल को दिए गए इंटरव्यू में रोहित ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बारे में कहा, मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। टी20 क्रिकेट से इसलिए संन्यास लिया है क्योंकि इस फॉर्मेट में मेरा समय पूरा हो गया था।

रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को दी गई थी।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से जब यूट्यूब के एफआईटीटीआर चैनल की एक वीडियो में उनके रिटायरमेंट को लेकर पूछा गया तो

उन्होंने कहा,

नहीं मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहा हूं और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के पीछे कारण ये था कि मैनें उस फॉर्मेट में अपना समय पूरा कर लिया था। मुझे इस टी-20 में खेलने में मजा आया मैनें 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता और आगे बढ़ने का वहीं सबसे अच्छा समय था क्योंकि कई ऐसे युवा खिलाड़ी हैं जो भारतीय टीम में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता टी20 वर्ल्ड कप

साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भारत ने कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती थी। इसके बाद साल 2023 में शानदार फॉर्म में में चल रही टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारकर बाहर हो गई थी।

इसके बाद साल 2024 में हुए टी20 वर्ल्ड कप को रोहित शर्मा की कप्तानी में जीतकर टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया था। टीम ने फ़ाइनल में साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया था। भारत के लिए यह दूसरा टी20 वर्ल्ड कप टाइटल था। इससे पहले 2007 के पहले टी-20 वर्ल्ड कप को भारत ने जीता था।

विराट के बाद रवींद्र जडेजा और रोहित ने लिया था रिटायरमेंट

टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा तीनों ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। सबसे पहले विराट ने प्रेजेंटेशन सेरेमनी में रिटायरमेंट लिया था। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कप्तान रोहित शर्मा ने संन्यास का ऐलान किया था। वहीं जडेजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया था। फिलहाल ये तीनों खिलाड़ी बांग्लादेश के साथ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 टीम में मयंक यादव को मौका

वरुण चक्रवर्ती की वापसी, सैमसन और जितेश विकेटकीपर; सूर्या को कमान

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम में ज्यादातर सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है। वहीं IPL में 150 किमी की स्पीड से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव को पहली बार मौका मिला।

टीम में वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा की वापसी हुई है। वहीं संजू सैमसन और जितेश शर्मा को विकेटकीपर के रूप में चुना गया। हार्दिक पंड्या भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज 6 अक्टूबर से शुरू होगी।

बुमराह, शुभमन को आराम

टी-20 सीरीज की टीम से सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है। इनमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज शामिल हैं। सभी प्लेयर्स

बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज में भी टीम इंडिया का हिस्सा हैं।

150 केएमपीएच की रफ्तार से गेंद फेंकते हैं मयंक

लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए आईपीएल खेलने वाले मयंक यादव को पहली बार इंडियन टीम में मौका मिला है। उन्होंने लखनऊ से खेलते हुए 150 किमी से ज्यादा की स्पीड से गेंदबाजी कर सभी को चौंकाया था। वह 4 मैच में 7 विकेट लेने के बाद इंजर्ड हो गए थे। रिकवरी के बाद उन्हें अब इंडियन टीम में मौका मिल गया।

अभिषेक और चक्रवर्ती की वापसी

जिम्बाब्वे के खिलाफ इसी साल जुलाई में टी-20 डेब्यू करने वाले अभिषेक शर्मा की भी टीम में वापसी हुई। वह श्रीलंका के खिलाफ टी-20 टीम में शामिल नहीं थे। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में सेंचुरी लगाई थी। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी टीम में चुना गया। उन्होंने 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारत के लिए आखिरी मैच खेला था।

सैमसन और जितेश होंगे विकेटकीपर

ऋषभ पंत को आराम दिए जाने के बाद संजू सैमसन और जितेश शर्मा के रूप में 2 विकेटकीपर चुने गए। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में ईशान किशन को मौका नहीं मिला। वहीं हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे के रूप में टीम में 5 ऑलराउंडर्स शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में मयंक के साथ अर्शदीप सिंह और युवा हर्षित राणा को भी मौका मिला। स्पिन डिपार्टमेंट में रवि बिश्नोई को भी चुना गया।

सीरीज 6 अक्टूबर से

भारत और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला फिलहाल कानपुर में खेला जा रहा है। मैच 1 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद 6 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच टी-20 सीरीज होगी। ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में 3 मैच होंगे। 9 अक्टूबर को दूसरा और 12 अक्टूबर को तीसरा टी-20 होगा।

टीम इंडिया इस प्रकार है...

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रियान पराग, नितिश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरूण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पारी और 154 रन से हराया

2 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया, निशान को 6 विकेट

गॉल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को गॉल टेस्ट में पारी और 154 रन से हरा दिया। रविवार को न्यूजीलैंड की टीम दूसरी पारी में 360 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने 2 मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। श्रीलंकाई टीम ने पहला टेस्ट इसी मैदान पर 63 रन से जीता था।

गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में कीवियों ने चौथे दिन की शुरुआत 199/5 के स्कोर से की। टीम ने आखिरी 5 विकेट 161 रन बनाने में गंवा दिए। मिचेल सेंटनर ने 67 रन बनाए। टॉम ब्लंडेल ने 60, जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 78 रन की पारी खेली। निशान पेरिस ने 6 विकेट लिए। प्रबथ जयसूर्या को 3 विकेट मिले।

एक दिन पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी 88 रन पर ऑलआउट हो गई थी और श्रीलंका को 514 रन की बढ़त मिली थी। इसके बाद कप्तान डी सिल्वा ने न्यूजीलैंड को फॉलो-ऑन दिया।श्रीलंकाई टीम ने पहली पारी 602/2 रन पर पहली पारी डिक्लेयर की थी।

डेवोन कॉन्वे की फिफ्टी, निशान को 3 विकेट

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही। टीम ने अपना पहला विकेट शून्य के स्कोर पर खो दिया। इसके बाद कॉन्वे ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए, 62 बॉल में 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा केन विलियमसन ने 46 रन बनाए।

दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 108 बॉल पर 97 रन जोड़े। इसके बाद क्रीज पर मौजूद टॉम ब्लंडेल और ग्लेन फिलिप्स ने छठे विकेट के लिए 84 बॉल पर 78 रन बनाए। श्रीलंका से निशान पेइरिस ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जबकि कप्तान डी सिल्वा और प्रबथ जयसूर्या को 1-1 विकेट मिला।

श्रीलंका के स्पिनर प्रबथ जयसूर्या के सामने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज नहीं टिक सके। टीम ने अपने आखिरी 8 विकेट मात्र 66 रन पर गवां दिए। जयसूर्या ने 18 ओवर की गेंदबाजी में 6 मेडन डालते हुए 42 रन देकर 6 विकेट लिए। पहले इनिंग के आधार पर श्रीलंका को 514 रन की बढ़त मिली। जिससे श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने न्यूजीलैंड को फॉलो-ऑन दे दिया है।

कामिंडु मेंडिस का लगातार दूसरा शतक

शुक्रवार, 27 सितंबर को श्रीलंका से कामिंडु मेंडिस ने 182 रन की नॉटआउट पारी खेली, इसी के साथ उन्होंने टेस्ट में 1000 रन भी पूरे कर लिए। कामिंडु अपने करियर की 13वीं पारी ही खेल रहे हैं। वह सबसे कम पारियों में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले प्लेयर्स में ऑस्ट्रेलिया के डोनाल्ड ब्रैडमैन की बराबरी पर पहुंच गए।

कामिंडु के अलावा श्रीलंका से कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल ने भी शतक लगाए। वहीं 3 प्लेयर्स ने 40 प्लस रन के स्कोर किए। न्यूजीलैंड से ग्लेन फिलिप्स ने 3 विकेट लिए।

ब्रैडमैन ने 7 टेस्ट में बनाए थे 1000 रन

कामिंडु अपना 8वां टेस्ट खेल रहे हैं और 1000 टेस्ट रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। इस मामले में वह ब्रैडमैन के बाद दूसरे नंबर पर पहुंचे, ब्रैडमैन ने 7 और कामिंडु ने 8 टेस्ट में 1000 रन का आंकड़ा पार किया। हालांकि, सर डॉन ने भी 13 पारियों में ही 1000 रन पूरे किए थे। दोनों इस मामले में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। इंग्लैंड के हर्बर्ट सटक्लीफ और वेस्टइंडीज के एवर्टन वीक्स इस रिकॉर्ड में पहले नंबर पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी 12वीं पारी में 1000 टेस्ट रन का आंकड़ा पार कर लिया था। हालांकि, इसके लिए दोनों ने बैटर्स ने 9 मैच लिए थे। भारत से यशस्वी जायसवाल के नाम सबसे कम 9 मैच में 1000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड है।

श्रीलंका ने 306/3 से आगे बढ़ाई पारी

श्रीलंका ने दूसरे दिन के पहले सेशन में 306/3 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। एंडलो मैथ्यूज ने 78 और कामिंडु मेंडिस ने 51 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया। मैथ्यूज ज्यादा देर टिक नहीं सके और 88 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने फिर कामिंडु के साथ मिलकर टीम को 400 रन के पार पहुंचाया। डी सिल्वा भी फिर 44 रन बनाकर आउट हो गए। न्यूजीलैंड से ग्लेन फिलिप्स ने दोनों विकेट लिए।

कामिंडु मेंडिस ने दूसरा सेशन शुरू होते ही अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। उन्हें कुसल मेंडिस का भी बखूबी साथ मिला, दोनों ने सेंचुरी पार्टनरशिप पूरी की और दूसरे सेशन में ही टीम को 500 रन के पार पहुंचा दिया। इसी बीच कुसल मेंडिस ने अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली।

भारतीय निशानेबाजों ने पेरू में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते

पेरू, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाजों ने पेरू के लीमा में चल रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में टीम स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की लेकिन एक निशानेबाज पर देर से पहुंचने के कारण दो अंक का जुर्माना लगाया गया।

उमेश चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलवल्ली की जूनियर पुरुष टीम ने 1726 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम दूसरा स्थान हासिल करने वाले रोमानिया से 10 अंक आगे रही। इटली ने 1707 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। चौधरी हालांकि फाइनल के लिए देर से रिपोर्ट करने के कारण दो अंक का जुर्माना लगने से पदक हासिल करने से चूक गए।

चौधरी और प्रद्युम्न ने क्वालिफिकेशन राउंड में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई थी। चौधरी ने 580 और प्रद्युम्न ने 578 का स्कोर किया, लेकिन फाइनल में वे क्रमशः छठे और आठवें स्थान पर रहे। नेलवल्ली 574 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में नौवें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल में जगह नहीं बना पाए।

व्यक्तिगत वर्ग में रोमानिया के लुका जोल्डिया ने स्वर्ण पदक जबकि चीनी ताइपे के हसिह सियांग चेन ने रजत पदक जीता। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में कनिष्का डागर, लक्षिता और अंजलि चौधरी की भारतीय टीम ने 1708 का स्कोर करके स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने अजरबेजान को एक अंक से पीछे छोड़ा। यूक्रेन की टीम ने कांस्य पदक हासिल किया।

डागर और कनक ने क्वालीफाइंग दौर में समान 573 का स्कोर बनाया। डागर ने हालांकि 10 अंक के अधिक स्कोर बनाए थे और इस कारण वह तीसरे जबकि कनक पांचवें स्थान पर रही। फाइनल में कनक ने 217.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता जबकि डागर आठवें स्थान पर रहीं। चीनी ताइपे की चेन यू-चुन ने स्वर्ण पदक जबकि स्लोवाकिया की मांजा स्लैक ने रजत पदक हासिल किया।

गुलवीर सिंह ने बढ़ाया भारत का मान

चैलेंज कप में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ 5000 मीटर स्पर्धा में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के गुलवीर सिंह ने जापान के निगाटा में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के योगिबो एथलेटिक्स चैलेंज कप में पुरुषों के 5000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले गुलवीर ने विश्व एथलेटिक्स के इस 'ब्रॉन्ज लेवल मीट' में 13 मिनट 11.82 सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान

हासिल कर अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में 13 मिनट 18.92 सेकंड के समय के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया था। गुलवीर के नाम 10,000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इस साल मार्च में कैलिफोर्निया में 'टेन ट्रैक मीट' में कायम किया था। उन्होंने उस समय 27 मिनट 41.18 सेकंड का समय लिया था।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट के तीसरे दिन का खेल भी रद्द

कानपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मैच ऑफिशियल्स ने पिच क्यूरेटर से चर्चा करने के बाद तीसरे दिन का खेल रद्द करने का फैसला लिया। भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल भी रद्द कर दिया गया है। कानपुर में रविवार को सुबह बारिश हुई, जिसकारण आउट फील्ड गीली हो गई। बीसीसीआई ने इसे सुखाने के लिए 3 सुपर सॉपर और लगभग 100 कर्मचारी लगाए, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। ऐसे में मैच ऑफिसियल्स ने दिन के तीसरे निरीक्षण के बाद खेल रद्द करने का फैसला किया। मुकाबले के शुरुआती 2 दिन भी बारिश से प्रभावित रहे। शनिवार, 28 सितंबर को मैच के दूसरे दिन एक भी बॉल नहीं डाली जा सकी। जबकि 27 सितंबर को मुकाबले के पहले दिन जल्दी स्टंप्स कर दिया गया। अब तक सिर्फ 35 ओवर का ही खेल हो सका, इनमें बांग्लादेश ने 3 विकेट खोकर 107 रन बना लिए हैं।

प्रज्ञानंद बोले- लगातार शतरंज प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक और मानसिक तौर पर असर पडा है

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने कहा कि पूरे साल शतरंज खेलने से एक खिलाड़ी के शारीरिक और मानसिक पहलुओं पर भारी असर पड़ सकता है और वह इससे निपटने के लिए टूर्नामेंटों से पहले अपने दिमाग को खेल से दूर रखने की सोचते है। भारत को पहली बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक दिलाने के बाद हाल ही में बुडापेस्ट से लौटे प्रज्ञानंद ने कहा कि यह लगातार शतरंज खेलने का ही नतीजा है कि वह कभी-कभी वह शतरंज की बिसात की ओर देखना भी नहीं चाहते हैं।

चेन्नई के इस 19 साल के खिलाड़ी ने

कहा, 'निश्चित रूप से इससे मानसिक और शारीरिक प्रभाव पड़ता है। लेकिन हम इसके आदी हैं... हमें इसकी आदत डालने की जरूरत है क्योंकि पूरे साल टूर्नामेंट होते रहते हैं। मुझे पिछले साल इस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा था। इस लिए मुझे उसकी आदत हो गयी है।'

प्रज्ञानंद अब लंदन में होने वाले ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) का संयुक्त उद्यम है। प्रज्ञानंद इस लीग में मैग्नस कार्लसन के नेतृत्व वाली अल्पाइन एसजी पाइपर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। छह टीमों की इस लीग का आयोजन तीन अक्टूबर से शुरू होगा। उन्होंने कहा, 'इस तरह की थकान से निपटने के लिए मैं खुद को कुछ समय के लिए शतरंज से दूर कर लेता हूं। टूर्नामेंटों या प्रतियोगिताओं के दौरान भी अगर थकान हावी होने लगे तो मैं ब्रेक के दौरान खुद को शतरंज बोर्ड से अलग कर लेता हूं।'

आईपीएल टीमें 6 प्लेयर्स रिटेन कर सकेंगी: मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड भी मिलेगा

मुंबई, , 29 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। इनमें 5 इंटरनेशनल और एक अनकैप्ड प्लेयर शामिल हो सकता है। चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी बतौर अनकैप्ड प्लेयर बनकर आईपीएल खेल सकेंगे। यह जानकारी बीसीसीआई ने आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की एनुअल मीटिंग के बाद दी। अब टीमों की पर्स लिमिट भी 100 करोड़ से बढ़ाकर 120 करोड़ रुपए कर दी गई है। टीमों को मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड भी मिलेगा। एक टीम स्क्वॉड के ज्यादा से ज्यादा 6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकती है। इससे केकेआर, एसआरएच, सीएसके, आरआर और एमआई जैसी स्टेबल टीमों को फायदा होगा। बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने आज ही टूर्नामेंट में सभी प्लेयर्स को मैच फीस दिए जाने का भी ऐलान किया था। साथ ही इम्पैक्ट प्लेयर रूल भी लीग में बना रहेगा। मेगा ऑक्शन इसी साल नवंबर में हो सकता है, जिसकी तारीखें तय होनी बाकी हैं।

5 इंटरनेशनल प्लेयर रिटेन करने के बाद 45 करोड़ ही बचेंगे

आईपीएल टीमें अगर मेगा ऑक्शन से पहले 5 इंटरनेशनल खिलाड़ी रिटेन करती हैं तो उनके पर्स में 45 करोड़ रुपए ही बचेंगे। जिससे उन्हें बाकी 20 खिलाड़ी खरीदने होंगे। रिटेन हुए खिलाड़ियों में 2 प्लेयर्स 18-18 करोड़ रुपए, 2 प्लेयर्स 14-14 करोड़ और 1 प्लेयर 11 करोड़ रुपए में टीम का हिस्सा बनेगा। अनकैप्ड खिलाड़ी को 4 करोड़ रुपए में रिटेन किया जा सकेगा। यानी टीमें अगर 5 इंटरनेशनल प्लेयर्स को रिटेन करती हैं तो उन्हें 75 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे, इससे उनके पास 45 करोड़ रुपए बचेंगे। अनकैप्ड प्लेयर भी किसी भी देश का हो सकता है।

6 रिटेन प्लेयर्स में टीमें चाहें तो 2 अनकैप्ड भी शामिल कर सकती हैं।

6 प्लेयर्स रिटेन करने पर टीमों को 79 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे, इससे टीमों के पास 41 करोड़ रुपए ही बचेंगे। आईपीएल मेगा ऑक्शन में हर बार विदेशी और भारतीय प्लेयर रिटेन करने की लिमिट तय होती थी, हालांकि इस बार विदेशी और भारतीय प्लेयर्स को रिटेन करने की कोई लिमिट नहीं है। फ्रेंचाइजी चाहें तो पांचों भारतीय या पांचों विदेशी प्लेयर्स को भी रिटेन कर सकती हैं।

धोनी अनकैप्ड प्लेयर बनकर खेल सकेंगे

विदेशी खिलाड़ी को मेगा ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन कराना ही होगा। अगर प्लेयर ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया तो उन्हें अगले साल आईपीएल में भी शामिल नहीं किया जाएगा।

विदेशी खिलाड़ी अगर ऑक्शन में बिकने के बाद आईपीएल से नाम वापस लेते हैं तो उन्हें अगले 2 ऑक्शन से बैन कर दिया जाएगा।

अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने 5 साल पहले आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला हो, तो उन्हें ऑक्शन में अनकैप्ड प्लेयर के रूप में गिना जाएगा।

धोनी अनकैप्ड प्लेयर बनकर खेल सकेंगे

5 बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अनकैप्ड प्लेयर बनकर आईपीएल खेल सकेंगे। आईपीएल ने अपने पिछले नियम को फिर से शामिल करने का फैसला किया है। जिसमें 5 साल पहले इंडियन टीम से रिटायर होने वाले खिलाड़ी ऑक्शन में बतौर अनकैप्ड प्लेयर बनकर शामिल हो सकेंगे। धोनी ने 2020 में संन्यास लिया था, लेकिन उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच 2019 में खेला था। इस तरह 2025 के आईपीएल तक उनके रिटायरमेंट और आखिरी मैच दोनों को 5 साल से ज्यादा का समय हो जाएगा। इस नियम का इस्तेमाल पहले कभी नहीं किया गया, जिस कारण 2021 में इसे हटा दिया गया। हालांकि अब धोनी के लिए सीएसके इस नियम को यूज कर सकती है।

राइट टु मैच कार्ड की वापसी

आईपीएल मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड की भी वापसी हो रही है। टीमें अगर किसी प्लेयर को रिटेन नहीं कर पाती हैं, तो उन्हें मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड का इस्तेमाल कर अपने साथ रख सकेंगी। टीमें चाहें तो सभी 6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकती हैं या फिर कुछ प्लेयर रिटेन करने के साथ कुछ को राइट टु मैच कार्ड से स्क्वॉड में रख सकती हैं। अगर टीमें चाहें तो एक भी खिलाड़ी रिटेन न कर सभी 6 प्लेयर्स को राइट टु मैच कार्ड के जरिए भी खरीद सकती हैं।

राइट टु मैच कार्ड क्या है

राइट टु मैच यानी आरटीएम कार्ड को टीमें ऑक्शन में इस्तेमाल कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस ने रिटेन नहीं किया। उनका नाम ऑक्शन में आया और उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10 करोड़ रुपए में खरीद लिया। अब अगर मुंबई चाहे तो आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर रोहित को 10 करोड़ रुपए में अपने साथ ही रख सकती है। आरटीएम कार्ड सभी टीमों के पास रहेगा।

इम्पैक्ट प्लेयर रूल नहीं हटेगा

2023 में शामिल हुए इम्पैक्ट प्लेयर रूल को भी IPL से नहीं हटाया जाएगा। इस नियम की मदद से टीमें प्लेइंग-11 के किसी एक खिलाड़ी को बीच मैच में बेंच पर बैठे खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकती हैं। पिछले सीजन में इस नियम के इस्तेमाल से तेजी से रन बनने का सिलसिला बढ़ गया। जिससे टूर्नामेंट इतिहास के टॉप-10 में 9 हाईएस्ट स्कोर पिछले सीजन ही बन गए।

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए सरकार और अधिक अस्पताल बनाएगी : रेवंत

मुख्यमंत्री ने पिंक पावर रन 2024 में भाग लिया

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में और अधिक अस्पताल बनाएगी और तेलंगाना में महिलाओं के स्वास्थ्य और उनके कल्याण को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएगी।

रविवार को यहां गच्चीबावली स्टेडियम में "पिंक पावर रन 2024" में भाग लेने के बाद कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं का स्वास्थ्य परिवार और समुदाय की समृद्धि की नींव है।

उन्होंने सभी लोगों से तेलंगाना की महिलाओं के लिए एक स्वस्थ और सशक्त भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने पिंक पावर रन 2024 को हरी झंडी दिखाई, जिसका उद्देश्य स्तन कैंसर के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना है। मैराथन का आयोजन सुधारेड्डी फाउंडेशन के तत्वावधान में गच्चीबोवली स्टेडियम में किया गया था। इस अवसर पर 3के, 5के और 10के दौड़ एक साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान अर्जित करना था। कार्यक्रम में लगभग 5,000 लोगों ने भाग लिया।

राजा सिंह के घर के पास मिले संदिग्ध

2 लोगों को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधायक टी राजा सिंह के घर के पास संदिग्ध रूप से घूमते पाए गए दो लोगों को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया। दोनों को मंगलहाट पुलिस थाने के हवाले कर दिया गया। दो व्यक्ति, इस्माइल और मोहम्मद खाजा, भाजपा विधायक के घर के पास घूम रहे थे, जब निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी शारीरिक जांच करने के बाद मंगलहाट पुलिस को सूचित किया। पुलिस उन्हें थाने ले गई और उनके पिछले घटनाक्रम की जांच कर रही है। इस्माइल और खाजा बोराबंडा के निवासी हैं।

बुलडोजर की धमकियां बंद करें : हरीश राव

मुसी नदी के सौंदर्यीकरण की योजना वापस लें

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के पीड़ितों द्वारा तेलंगाना भवन में बीआरएस से मदद के लिए संपर्क करने के एक दिन बाद, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव के नेतृत्व में पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने रविवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने परिवारों से बातचीत की और उनकी पीड़ा सुनी तथा आश्वासन दिया कि बीआरएस पूरे संघर्ष में उनके साथ खड़ी रहेगी।

यात्रा के दौरान जनता को संबोधित करते हुए हरीश राव ने राज्य सरकार की मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट परियोजना की आलोचना की और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर विकास के नाम पर हजारों गरीब परिवारों को विस्थापित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कॉरपोरेट कंपनियों के लिए रास्ता बनाने के लिए नागरिकों के जीवन को खतरे में डालने के लिए राज्य सरकार की गलत प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया।

फोर्थ सिटी तक मिलेगी 40 किमी एयरपोर्ट मेट्रो रेल

मेट्रो रेल कनेक्टिविटी अलाइनमेंट की बनाई जा रही योजना

एचएएमएल के एमडी ने सीएम के समक्ष दी प्रस्तुति

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयरपोर्ट से लेकर फोर्थ सिटी तक मंसनपल्ली रोड और पेड्डा गोलकोंडा निकास और रविरयाल निकास के बीच ओआरआर स्ट्रेच तक मेट्रो रेल कनेक्टिविटी अलाइनमेंट की योजना बनाई जा रही है। यह लाइन शमशाबाद एयरपोर्ट से लेकर प्रस्तावित फोर्थ सिटी में स्किल यूनिवर्सिटी स्थान तक 40 किलोमीटर लंबी होगी। एयरपोर्ट क्षेत्र में लगभग 2 किलोमीटर भूमिगत हिस्सा, लगभग 20 किलोमीटर ऊंचा हिस्सा और लगभग 18 किलोमीटर 'ग्रेड' (सड़क स्तर) हिस्सा होगा। ओआरआर रविरयाल निकास से स्किल यूनिवर्सिटी तक 18 किलोमीटर की दूरी को नए ग्रीन फील्ड 300 फीट रोड के हिस्से के रूप में डिजाइन किया जाएगा।

हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) एनवीएस रेड्डी, जिन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के समक्ष एक प्रस्तुति दी, ने यह भी बताया कि शमशाबाद हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए एनएच 44 पर आरामघर और न्यू हाई कोर्ट स्थान के माध्यम से एयरपोर्ट मेट्रो संरेखण को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। एचएएमएल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मुख्यमंत्री ने मेट्रो चरण II कॉरिडोर के व्यापक स्वरूप को मंजूरी दे दी है, जिसमें नागोले - आरजीआईए (एयरपोर्ट कॉरिडोर), रायदुर्ग - कोकापेट नियोपोलिस, एमजीबीएस - चंद्रायनगुट्टा (ओल्ड सिटी कॉरिडोर), मियापुर - पटनचेरु, एलबी नगर - हयात नगर और आरजीआईए - फोर्थ सिटी (स्किल यूनिवर्सिटी) कॉरिडोर शामिल हैं।

सम्पूर्ण चरण II परियोजना की लागत लगभग 32,237 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें चौथे शहर मेट्रो कनेक्टिविटी के लिए लगभग 8,000 करोड़ रुपये शामिल हैं, जिसे राज्य सरकार और भारत सरकार की संयुक्त उद्यम परियोजना के रूप में क्रियान्वित करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर नागोले से शमशाबाद एयरपोर्ट तक एलबी नगर, कर्मनघाट, ओवैसी अस्पताल, डीआरडीओ, चंद्रयानगुट्टा, मैलारदेवपल्ली, आरामघर, न्यू हाई कोर्ट और एनएच पर शमशाबाद जंक्शन से होकर गुजरेगा और नागोले, एलबी नगर और चंद्रयानगुट्टा में मौजूदा लाइनों से जुड़ेगा जबकि 35 किमी एलिवेटेड होगा, लगभग 1.6 किमी भूमिगत होगा, जिसमें 24 मेट्रो स्टेशन होंगे।

मेट्रो चरण 2 कॉरिडोर:

ङ कॉरिडोर IV: नागोले - आरजीआईए (एयरपोर्ट कॉरिडोर) - 36.6 किमी

ङ कॉरिडोर V: रायदुर्ग - कोकापेट नियोपोलिस -11.6 किमी

ङ कॉरिडोर VI: एमजीबीएस - चंद्रायनगुट्टा (पुराना शहर कॉरिडोर) - 7.5 किमी

ङ कॉरिडोर VII: मियापुर - पतनचेरु - 13.4 किमी

ङ कॉरिडोर VIII: एलबी नगर - हयात नगर - 7.1 किमी

ङ कॉरिडोर IX: आरजीआईए - चौथा शहर (कौशल विश्वविद्यालय) - 40 किमी

कुल: 116.2 किमी

यातायात और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए कोई योजना नहीं

शहर के ऑटो चालकों ने सरकार से की मांग

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह बहुत खेद और चिंता का विषय है कि शहर में बिगड़ती यातायात स्थिति और बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए कोई कार्य योजना नहीं बनाई जा रही है। अगर देश में सबसे खराब यातायात और प्रदूषण वाले शहरों का सर्वेक्षण किया जाए तो हैदराबाद शहर निश्चित रूप से पहले स्थान पर होगा। यह कहना शहर के ऑटो चालकों के संघ के नेता मोहम्मद अमानुल्लाह खान का है। खान ने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस, टीडीपी और वर्तमान कांग्रेस सरकार सैकड़ों कारों को बिना रुके पंजीकृत करके हर दिन जीवन कर के रूप में करोड़ों रुपये एकत्र करती है। चाहे शराब हो या सड़क सुरक्षा नीति, पैसा ही मुख्य चीज है जो सरकारों के लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है।

कांग्रेस सरकार भी इस प्रथा का अपवाद नहीं है। इसलिए हमारे जेएसी को शहर में यातायात और वाहन प्रदूषण की समस्याओं को हल करने में उनकी आपराधिक लापरवाही में पिछली सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार के बीच कोई अंतर नहीं दिखता है। इसलिए हम मांग करते हैं कि सरकार हैदराबाद शहर में बिगड़ती यातायात स्थिति और बढ़ते प्रदूषण से बिना किसी देरी के अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय तैयार करके प्राथमिकता के आधार पर निपटे। आज मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, अमानुल्लाह खान ने सरकार से मांग की कि आम तौर पर 75 प्रतिशत निजी कारों में तीन से कम लोग होते हैं और अगर शहर की सड़कों पर 70 प्रतिशत कारों पर प्रतिबंध लगा दिया जाए, तो यातायात की समस्या अपने आप हल हो जाएगी। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार शहर में चलने वाले बाहरी ऑटो पर प्रतिबंध लगाए और यातायात और प्रदूषण की समस्या से निपटे।

भाजपा सांसद ने वाईएस जगन के आरोपों का खंडन किया

खम्मम, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के उन आरोपों का खंडन किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि भाजपा नेताओं ने उन्हें तिरुमाला जाने से रोकने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के किसी भी नेता ने वाईएसआरसीपी प्रमुख को रोकने की कोशिश नहीं की। जगन हमारे पार्टी नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें टीटीडी मंदिर में प्रवेश करने से पहले घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। लेकिन यह बिल्कुल झूठा आरोप है। रघुनंदन राव ने इस संबंध में जगन की टिप्पणियों का कड़ा जवाब दिया। जगन यह कहकर तिरुमाला नहीं गए कि उन्हें घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करना होगा। यह सरासर झूठ है कि भाजपा नेताओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की। घोषणापत्र पर हस्ताक्षर न कर पाने को लेकर वह भाजपा पर कीचड़ उछाल रहे हैं। संविधान में है कि अगर किसी अन्य धर्म का व्यक्ति मंदिर में प्रवेश करता है तो घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करना होता है। अगर आप मस्जिद में जाते हैं तो आप टोपी और रूमाल पहनते हैं। इसी तरह अगर आप हिंदू मंदिरों में आते हैं तो आपको घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करना होता है। जगन खुद कहते हैं कि वह पांच बार तिरुमाला गए और रेशमी कपड़े चढ़ाए। वाईएसआरसीपी प्रमुख जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब तिरुमाला गए थे। उनके तिरुमाला आने में कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि मंदिर के नियमों के अनुसार घोषणापत्र देना होता है। हिंदू समुदाय ने उनसे इस पर हस्ताक्षर करने को कहा था। यह सिर्फ वाईएसआरसी पार्टी प्रमुख की बात नहीं है। यह सभी पर लागू होता है। राव ने कहा कि हजारों दलित हर दिन तिरुमाला जा रहे है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,38,428 मामलों का निपटारा

साइबर धोखाधड़ी के मामलों में रिफंड और वित्तीय राहत

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत निर्धारित की है, जिसका उद्देश्य समझौता करके पक्षों के बीच मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा करना है। इस पहल ने पूरे राज्य में उल्लेखनीय सफलता देखी है, जिसमें कानूनी मामलों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित किया गया है और साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को वित्तीय राहत प्रदान की गई है। इसी के तहत, पुलिस विभाग ने निपटान के लिए योग्य मामलों की पहचान की और दोनों पक्षों को नोटिस जारी किए। निपटान प्रक्रिया 10 सितंबर 2024 को शुरू हुई और 28 सितंबर 2024 को समाप्त हुई। इस प्रक्रिया के दौरान कुल 1,38,427 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। निपटाए गए मामलों में कुल एफआईआर 23,251, आपदा प्रबंधन 4,186, ई-पेटी 57,475, मोटर वाहन अधिनियम 53,515 शामिल हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान मामलों के निपटान में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन करने वाली शीर्ष पांच इकाइयां हैं, जिसमें निजामाबाद- 19,053 मामले, हैदराबाद- 12,247 मामले, सूर्यापेट- 11,178 मामले, साइबराबाद- 10,935 मामले, राचकोंडा- 9,823 मामले शामिल हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान निपटाए गए मामलों की उपरोक्त श्रेणी के अलावा, साइबर अपराधों में रोकी गई राशि की वापसी भी की गई। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने इस राष्ट्रीय लोक अदालत में साइबर धोखाधड़ी के 5,355 पीड़ितों को 27.2 करोड़ की वापसी की सुविधा प्रदान करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की, जो जून-2024 के महीने में आयोजित पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत में 4,800 पीड़ितों को वापस किए गए। 21.6 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। लोक अदालत 28-09-2024 के दौरान वापस की गई राशि अब तक की सबसे अधिक है। साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को पैसे वापस करने की पहल 20 फरवरी 2024 को शुरू हुई थी। तब से टीजीसीएसबी ने साइबर धोखाधड़ी के 11,868 पीड़ितों को कुल114.7 करोड़ सफलतापूर्वक वापस किए हैं, जो तेलंगाना में साइबर सुरक्षा और कानूनी प्रतिक्रिया में नए मानक स्थापित करता है। यह उपलब्धि साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को समय पर वित्तीय राहत देने के लिए टीजीसीएसबी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह सफलता टीजीसीएसबी अधिकारियों, तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (टीजीएलएसए), जिला न्यायाधीशों, मजिस्ट्रेटों, जिला के बीच निर्बाध समन्वय के माध्यम से संभव हुई कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पुलिस आयुक्त (सीपी) और जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी)। साथ मिलकर, उन्होंने नागरिकों पर साइबर अपराधों के वित्तीय परिणामों को संबोधित करने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा तैयार किया है। इन संयुक्त प्रयासों के माध्यम से, टीजीसीएसबी, सभी यूनिट पुलिस अधिकारियों और न्यायपालिका ने नागरिकों को साइबर खतरों से बचाने, न्याय सुनिश्चित करने, पीड़ितों को वित्तीय प्रतिपूर्ति प्रदान करने और आपराधिक मामलों के समाधान को सुव्यवस्थित करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। लोक अदालत जनता को सौहार्दपूर्ण ढंग से समझौता करने योग्य मामलों को सुलझाने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करती है, जिससे अदालत में पेश होने का बोझ काफी कम हो जाता है, समय और धन की बचत होती है और दोनों पक्षों को मानसिक शांति मिलती है। जनता को ऐसे मामलों को कुशलतापूर्वक निपटाने के लिए लोक अदालत के लाभों का पूरा उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

डीजीपी, टीजी डॉ. जितेन्द्र ने एससीआरबी के अधिकारियों नारायण नाइक, डीआईजी, के साथ डीएसपी सूर्य चंद्र राव और चेनन्य्या तथा टीजी साइबर सुरक्षा ब्यूरो के अधिकारियों देवेन्द्र सिंह, एसपी, डीएसपी एसवी हरि कृष्ण के साथ-साथ शिखा गोयल, डीजीपी, सीआईडी (एफएसी) निदेशक, टीजीसीएसबी की देखरेख में उनकी संबंधित टीमों की राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान मामलों के निपटान के लिए इकाई अधिकारियों के साथ उनके घनिष्ठ समन्वय और निगरानी के लिए सराहना की।

सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के पिता का निधन

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के पिता नलमदा पुरुषोत्तम रेड्डी का रविवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शाम 6 बजे महाप्रस्थानम में होगा। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सहित अन्य नेताओं ने पुरुषोत्तम रेड्डी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

नशे में धुत व्यक्ति ने की 70 वर्षीय मां की हत्या

खम्मम, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बोनाकल मंडल के ब्राह्मणपल्ली गांव में एक शराबी व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी मां की हत्या कर दी। आरोपी थाटिकोंडा पपैया ने शनिवार देर रात शराब के नशे में अपनी पत्नी की पिटाई की। इसके बाद उसकी 70 वर्षीय मां मार्थाम्मा ने उसे पत्नी की पिटाई करने से रोकने की कोशिश की। पपीयाह ने अपनी मां को दीवार पर जोर से धक्का दिया और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। स्थानीय एसआई मधु ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधानाध्यापक पर पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज

खम्मम, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वायरा मंडल के पलाडुगु में छात्राओं के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक पर पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रधानाध्यापक चावा श्रीनिवास राव के खिलाफ मामला तब दर्ज किया गया जब 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षा की छात्राओं ने अपने अभिभावकों से उनके दुर्व्यवहार की शिकायत की और अभिभावकों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया।

डीईओ ई सोमशेखर शर्मा और सीआई नुनावथ सागर ने स्कूल पहुंचकर अभिभावकों से बात की। अभिभावकों ने एचएम को निलंबित करने की मांग की, जिस पर डीईओ ने उन्हें आश्वासन दिया कि जांच कराई जाएगी और उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। माता-पिता की शिकायत के आधार पर सीआई सागर ने प्रधानाध्यापक के खिलाफ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अलावा पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि प्रधानाध्यापक फरार है।

छात्रा से बलात्कार के आरोपी का घर जलाया

सिद्दीपेट, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोमुरवेल्ली मंडल के गवरन्नापेट गांव में रविवार को बलात्कार पीड़िता के रिश्तेदारों और ग्रामीणों द्वारा आरोपी के घर में आग लगाने के अलावा उसकी कार, जेसीबी और दोपहिया वाहन को क्षतिग्रस्त करने के कारण तनाव व्याप्त हो गया। बताया जा रहा है कि 19 वर्षीय युवक गांव में सातवीं कक्षा की छात्रा के घर में उस समय घुस आया जब वह घर पर अकेली थी। जब उसने मदद के लिए आवाज लगाई तो पड़ोसी उसे बचाने के लिए दौड़े और उसकी पिटाई कर दी। घटना के बाद आरोपी के परिवार के सदस्य पीड़िता के परिवार के हमले के डर से गांव से भाग गए। इस बीच, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। लड़की को जांच के लिए सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

गांव वालों ने आरोपियों के घर और वाहनों पर हमला किया, जिससे पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने में मुश्किल हुई। कोमुरवेली, चेरियाल और अन्य पड़ोसी पुलिस थानों से भारी संख्या में पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। अंतिम रिपोर्ट आने तक गांव में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण थी।

कैडेट्स ने "स्वच्छता ही सेवा" अभियान चलाया

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ भारत के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए स्वच्छता ही सेवा जन आंदोलन के तहत सामूहिक स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। यह अभियान 14 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक मनाया जा रहा है और इसका उद्देश्य स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करना है। एनसीसी ग्रुप हैदराबाद के कैडेट्स ने सिकंदराबाद और हैदराबाद में स्वच्छता अभियान चलाकर "स्वच्छता ही सेवा" अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वच्छ भारत मिशन के हिस्से के रूप में, हजारों कैडेट सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने के लिए एकजुट हुए, झीलों, पार्कों, बस स्टेशनों और बाज़ारों जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके।

अभियान में स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने, समुदाय को स्वच्छता बनाए रखने और जिम्मेदारी से कचरे का निपटान करने के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कैडेटों ने पर्चे बांटकर, स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और कचरा पृथक्करण स्टेशन स्थापित करके सार्वजनिक आउटरीच में भी भाग लिया। कैडेटों ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया, पोस्टर बनाने, नुक्कड़ नाटक, नारे लिखने और बाज़ारों और ट्रैफ़िक सिग्नल पर पर्चे बांटने जैसी गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाई। हैदराबाद के लोगों ने कैडेटों के उत्साह और समर्पण की सराहना की, जो कर्तव्य की पुकार से परे थे, क्योंकि उन्होंने लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित किया। एनसीसी ग्रुप हैदराबाद के ग्रुप कमांडर कर्नल अनिल ने कैडेटों की समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। कर्नल अनिल ने कहा, हमारे कैडेटों ने हमारे शहरों को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए उल्लेखनीय प्रतिबद्धता दिखाई है। उनके प्रयास निश्चित रूप से दूसरों को स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी लेने और स्वच्छ भारत मिशन में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य न केवल सार्वजनिक स्थानों की सफाई करना था, बल्कि युवाओं और निवासियों में नागरिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना भी था। कई एनसीसी अधिकारियों, एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों, स्कूल शिक्षकों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने इस अभियान में भाग लिया, जिससे मनोबल बढ़ा।

पांडवुला गुट्टा को पर्यटन स्थल के रूप में किया जाएगा विकसित

बुनियादी सुविधाएं बनाने के लिए उठाए जाएंगे कदम : कलेक्टर

क्षेत्र के युवाओं के लिए पैदा होंगे रोजगार के अवसर

भूपालपल्ली, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भूपालपल्ली के कलेक्टर राहुल शर्मा ने कहा कि आदिमानव द्वारा शैलचित्रों के लिए प्रसिद्ध प्राचीन पहाड़ी श्रृंखला पांडवुला गुट्टा को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। रविवार को पुलिस अधीक्षक किरण खरे के साथ पांडवुला गुट्टा का दौरा करके कलेक्टर ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे, सड़कें, पार्किंग, रिसॉर्ट और अन्य सुविधाएं बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पांडवुला गुट्टा और आसपास के इलाकों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य ही नहीं बल्कि पूरे देश से पर्यटकों को पांडवुला गुट्टा की ओर आकर्षित करने के लिए विशेष पैकेज विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष पैकेज में गाइड सेवाएं, ट्रैकिंग और सांस्कृतिक गतिविधियों को शामिल करने की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पांडवुला गुट्टा में पहले से ही ट्रैकिंग और रॉक क्लाइम्बिंग चल रही है।

इससे पहले, तत्कालीन कलेक्टर आम्रपाली काटा ने रॉक क्लाइम्बिंग इवेंट में भाग लेकर पांडवुला गुट्टा को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने की कोशिश की थी। उनके प्रयासों के कारण, देवुनूर वन क्षेत्र में नाइट कैंपिंग, ट्रैकिंग और पक्षी दर्शन कार्यक्रम सहित कुछ गतिविधियां आयोजित की गईं लेकिन उनके तबादले के बाद उनके उत्तराधिकारियों ने प्रयासों को जारी रखने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। पांडवुला गुट्टा की खोज 1990 में हैदराबाद में पुरातत्व और संग्रहालय विभाग के एक अधिकारी के रामकृष्ण राव ने की थी। पांडवुला गुट्टा को केंद्र सरकार द्वारा एकमात्र भू-विरासत स्थल के रूप में मान्यता दी गई है।

कार्बन डेटिंग तकनीक का उपयोग करते हुए और 13 विभिन्न स्थानों पर इन पहाड़ियों की गुफाओं में पाए गए शैल चित्रों के चित्रण का अध्ययन करते हुए पुरातत्वविदों ने पाया कि ये गुफाएं मध्यपाषाण युग (मध्य पाषाण युग) की हैं और लगभग 4,000-2,500 मिलियन वर्ष पुरानी हैं। गुफाओं की दीवारों और छतों, चट्टानों के आश्रयों और अलग-अलग चट्टानों पर मनुष्यों, जानवरों और अन्य प्रतीकों की आकृतियां बनी हुई हैं। गुफाओं में रॉक आर्ट पेंटिंग भी हैं जिनमें जंगली भैंसे, मृग, बाघ और तेंदुए जैसे वन्यजीवों के अलावा स्वस्तिक चिन्ह, वृत्त और वर्ग और धनुष, तीर, तलवार और भाले जैसे हथियार भी हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.